{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 16 मई 2026
वैशाख कृष्ण 15 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 231
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स – 74,608.98
निफ्टी – 23,412.60
सोना – 1,62,000
चांदी – 3,10,000
डॉलर – 95.64

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

अशोक खरात से संबंधों के आरोप में डिप्टी कलेक्टर निलंबित

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने स्वयंभू बाबा अशोक खरात से कथित संबंधों के आरोप में डिप्टी कलेक्टर अभिजीत भांडे पाटिल को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई गुरुवार को की गई। भांडे-पाटिल वर्तमान में मुंबई स्थित स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (एसआरए) में तैनात थे। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बवानकुले ने कहा कि शुरुआती जांच में अधिकारी के अशोक खरात से संबंध होने के संकेत मिले हैं। सरकार ने मार्च महीने में ही भांडे-पाटिल को उनके मूल विभाग में वापस भेज दिया था। मामले की विस्तृत जांच जारी है और आने वाले दिनों में अन्य अधिकारियों पर भी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक 21 मई को, पीएम मोदी करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक 21 मई को होने की संभावना है। बैठक में सभी केंद्रीय मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और अन्य केंद्रीय राज्य मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और मंत्रालयों के कामकाज की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा मोदी 3.0 सरकार के दो वर्ष पूरे होने से पहले संभावित कैबिनेट विस्तार और फेरबदल को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। बताया जा रहा है कि कैबिनेट विस्तार जून के दूसरे सप्ताह में हो सकता है। मोदी सरकार ने 10 जून 2024 को शपथ ली थी और अब सरकार अपने दो वर्ष पूरे करने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री बैठक में बचत और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग पर भी चर्चा कर सकते हैं। हाल ही में 10 और 11 मई को हुई रैलियों में प्रधानमंत्री ने लोगों से ईंधन बचाने और अनावश्यक सोना खरीदने से बचने की अपील की थी।

आभूषण निर्यातकों को बड़ी राहत

नई दिल्ली । सरकार ने आभूषण निर्यातकों को राहत देते हुए 'एडवांस ऑथराइजेशन' योजना के तहत सोने के आयात की सीमा 100 किलो तक तय कर दी है। बढ़ते आयात बिल और रुपये पर दबाव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। अब पहली बार आवेदन करने वाले निर्यातकों को अनिवार्य फिजिकल निरीक्षण से गुजरना होगा। साथ ही अगले आवेदन के लिए कम से कम 50 प्रतिशत निर्यात दायित्व पूरा करना जरूरी रहेगा। सरकार ने हर पखवाड़े सीए प्रमाणित प्रदर्शन रिपोर्ट जमा करने का नियम भी लागू किया है। इससे सोने के आयात पर निगरानी बढ़ेगी और निर्यात क्षेत्र में पारदर्शिता आएगी।

भोजशाला पर हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

ये वाग्देवी मंदिर, मुस्लिम समाज को नमाज की इजाजत नहीं

अदालत ने हिंदू पक्ष के पूजा के अधिकार को बरकरार रखा : केंद्र सरकार वाग्देवी प्रतिमा को ब्रिटेन से वापस लेकर आए

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने धार की ऐतिहासिक भोजशाला को वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर घोषित कर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने हिंदू पक्ष के पूजा के अधिकार को बरकरार रखा है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के उस आदेश को रद्द किया है, जिसमें मुस्लिमों को इस स्थल पर नमाज पढ़ने की इजाजत दी गई थी। इस फैसले में अयोध्या विवाद के निर्णय को भी आधार बनाया गया है, जिसमें पुरातत्व संबंधी अध्ययनों और वैज्ञानिक निष्कर्षों पर निर्भरता को प्रमुखता दी गई थी।

शुक्रवार को दिए अपने फैसले में, मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने कहा कि हमने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की सर्वे रिपोर्ट और एएसआई अधिनियम, 1958 के प्रावधानों पर विचार किया है। अदालत ने इस संरक्षित स्थल को देवी सरस्वती का मंदिर और संस्कृत शिक्षा का प्राचीन केंद्र माना, जैसा कि परमार राजा भोज के शासनकाल के दौरान यह स्थल संस्कृत शिक्षा के केंद्र के रूप में काम करता था। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने साफ किया कि 1958 के अधिनियम के तहत इस संपत्ति का पूरा प्रबंधन एएसआई के हाथ में ही रहेगा और वह इसके रखरखाव एवं संरक्षण के लिए जिम्मेदार होगा।

वहीं अदालत ने एएसआई के 2003 के उस आदेश को रद्द किया, जिसमें हिंदुओं को भोजशाला परिसर में पूजा का अधिकार नहीं दिया था। इसके साथ, मुस्लिमों को इस स्थल पर नमाज पढ़ने की इजाजत देने वाले आदेश को भी खारिज किया। मुस्लिम पक्ष, जो लंबे समय से भोजशाला को कमाल मौला मस्जिद बताते रहे हैं, को मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने मोहन सरकार से मस्जिद के लिए अलग जमीन मांगने को कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाईकोर्ट ने पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार पर कहा कि यह एक ऐतिहासिक और संरक्षित जगह देवी सरस्वती का मंदिर है।

अपने फैसले में, उच्च न्यायालय ने कहा कि हर सरकार की यह संवैधानिक जिम्मेदारी है कि वह ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व वाले प्राचीन स्मारकों और मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। इसके साथ ही, गर्भगृहों और धार्मिक आस्था से जुड़ी देव प्रतिमाओं का संरक्षण किया जाए। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने कहा कि पुरातत्व एक विज्ञान है और किसी भी विवाद का निर्णय करते समय वैज्ञानिक अध्ययनों से प्राप्त निष्कर्षों पर पूरी तरह भरोसा कर सकते है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की पीठ ने कहा कि अपने निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी पक्षों के संवैधानिक अधिकारों को ध्यान में रखा गया है।

न्यायालय ने सरकार और एएसआई को परिसर के भीतर संस्कृत शिक्षा की व्यवस्था पर भी विचार करने का सुझाव दिया है, ताकि स्थल के प्राचीन शैक्षिक महत्व को पुनर्जीवित किया जा सके। इसके अलावा, उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को वाग्देवी प्रतिमा को भारत वापस लाने और मंदिर में पुन: स्थापित करने के लिए उचित कदम उठाने का भी सुझाव दिया। यह प्रतिमा वर्तमान में ब्रिटेन में है और इसकी वापसी को लेकर लंबे समय से मांग उठ रही है। मुस्लिम पक्ष ने फैसले को पढ़ने और समझने के बाद सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कही है। धार के भोजशाला-कमल मौला परिसर को लेकर दशकों से चले आ रहे इस विवाद में आए इस ऐतिहासिक फैसले के धार्मिक और राजनीतिक दोनों ही पहलुओं पर गहरा प्रभाव पड़ने की आशंका है।

बसों में बढ़ती आग पर गडकरी का ऐलान, यात्रियों को मिलेगी विश्वस्तरीय सुरक्षा

भारत में बनेगी अमेरिका और यूरोप जैसी बसें

नई दिल्ली। देशभर में बसों में आग लगने और सड़क हादसों की लगातार बढ़ती घटनाओं से चिंतित केंद्र की मोदी सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान किया कि आने वाले समय में देश में यूरोप और अमेरिका के स्तर की अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस बसें तैयार होगी। उन्होंने कहा कि इन नए सुरक्षा मानकों को केवल नई बसों में ही नहीं, बल्कि पुरानी बसों में भी अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। केंद्र सरकार का लक्ष्य बस यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाना और हादसों में होने वाली जनहानि को कम करना है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने खुद स्वीकार किया कि वर्तमान में देश की कई बसों का डिज़ाइन सुरक्षा के लिहाज़ से कमजोर है। हादसे के वक्त कई यात्री बस से बाहर नहीं निकल पाते, क्योंकि आपातकालीन दरवाजे जाम होते हैं या उसमें लोहे की रॉड जैसी बाधाएं लगी होती हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर की बसों का उदाहरण देकर बताया कि उसमें बड़े इमरजेंसी ग्लास और विशेष प्लास्टिक हथौड़े होते हैं, जिससे यात्री शीशा तोड़कर तुरंत बाहर आ सकते हैं। अब भारत में बनने वाली नई बसों में इसतरह के फीचर्स अनिवार्य किए जाएंगे।

केंद्र सरकार के नए सुरक्षा मानकों में बेहतर इमरजेंसी एग्जिट, सीट बेल्ट, अत्याधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम, इमरजेंसी लाइट और ड्राइवर की नींद पहचानने वाले सेंसर शामिल होगा। विशेष रूप से, नई स्लीपर बसों को केवल अधिकृत फैक्ट्रियों में ही बनाया जा सकेगा और बिना फायर सेफ्टी जांच के उनका पंजीकरण नहीं होगा। नियमों का उल्लंघन कर अवैध बदलाव करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जेल की सजा तक हो सकती है।

हवाई किराए में मनमानी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। हवाई टिकटों की मनमानी और अत्यधिक कीमतों पर गंभीर चिंता जताकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को यात्रियों पर बढ़ते बोझ को कम करने के लिए उपाय खोजने का आदेश दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने एक ही दिन एक ही रूट पर किराए में भारी असमानता पर सवाल उठाया, जहां एक एयरलाइन इकोनॉमी सीट के लिए 8,000 रुपये वसूल रही है, वहीं दूसरी 18,000 रुपये तक मांग रही है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि कुछ तर्कसंगतता होनी चाहिए क्योंकि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को सूचित किया कि 2024 में पारित नया विमानन कानून अब लागू हो गया है और इसके नियमों पर अभी भी विचार-विमर्श चल रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि केंद्र सरकार इस समस्या को समझती है और मामले को निष्पक्ष मानते हुए स्थायी समाधानों पर विचार कर रही है।

यह मामला सामाजिक कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायणन द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने हवाई किराए में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और अप्रत्याशित बढ़ोतरी व अतिरिक्त शुल्कों पर अंकुश लगाने के लिए स्वतंत्र नियामक के गठन का अनुरोध किया था। याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता रविंद्र श्रीवास्तव ने तर्क दिया कि यद्यपि 1937 के विमान अधिनियम के तहत नियम मौजूद हैं, लेकिन उनका ठीक से कार्यान्वयन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नागरिक उड्डयन महानिदेशक (डीजीसीए) के पास किराए के अनुचित होने की स्थिति में हस्तक्षेप करने का अधिकार है, फिर भी इस संबंध में कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है। सॉलिसिटर जनरल ने स्पष्ट किया कि पुराने नियम अभी भी वैध हैं, जबकि 2024 के भारतीय वायुयान अधिनियम के तहत नए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता को केंद्र के हलफनामे पर जवाब देने का निर्देश दिया और मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को निर्धारित की।

भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने के बाद पेट्रोल पंपों में लगी कतारें

अमेरिका-ईरान जंग ने दुनिया भर में तेल महंगा कर दिया, असर भारत पर भी

नई दिल्ली। भारत में साल 2022 के बाद शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। सीएनजी के दाम भी 2 रुपए प्रति किलो बढ़ाए गए हैं। इस बढ़ोत्तरी के बाद भी फ्यूल स्टेशनों पर लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं। दरअसल लोगों की कोशिश थी कि वे दाम बढ़ने से पहले वाहन की टंकी फुल करवा लें।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को पूरे भारत में पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमतें बढ़ा दी। पेट्रोल-डीजल की कीमत में प्रति लीटर 3 रुपए का इजाफा किया गया है। वहीं, सीएनजी की कीमत 2 रुपए प्रति किलो की दर से बढ़ाई गई हैं, जिससे लोगों में घबराहट पैदा हो गई है। लोग बड़ी मात्रा में फ्यूल खरीदने के लिए पेट्रोल पंप पहुंच रहे हैं। आलम यह है कि लोकल आउटलेट्स पर नई दरें पूरी तरह से लागू होने से पहले ही अपने वाहनों की टंकियां भरवाने के लिए दौड़ पड़े।

सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सरकार का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच जंग ने दुनिया भर में तेल महंगा कर दिया। इसका असर भारत पर भी पड़ा है, लेकिन आम आदमी को लंबे समय तक इससे बचाकर रखा गया। तेल कंपनियां रोज करीब एक हजार करोड़ का घाटा खुद उठा रही हैं। पेट्रोल पर 26 रुपए और डीजल पर करीब 82 रुपए प्रति लीटर तेल कंपनियां अपनी जेब से दे रही हैं ताकि आम उपभोक्ताओं को सस्ता ईंधन मिलें। इसके अलावा, सरकार पेट्रोल पर 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए टैक्स भी पहले ही घटा चुकी है। अगर यह सब नहीं होता तो पेट्रोल दो से तीन गुना महंगा हो जाता।

रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के करीब 82 देशों में पेट्रोल-डीजल की राशनिंग हो रही है। दक्षिण-पूर्व एशिया में तेल 50 फीसदी तक महंगा हो गया, यूरोप में 20 फीसदी। भारत ने अभी तक यह नौबत नहीं आने दी।

फर्जी डिग्री वाले वकीलों पर सर्वोच्च न्यायालय सख्त, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने जताई गहरी चिंता

नई दिल्ली । सर्वोच्च न्यायालय ने फर्जी डिग्री के सहारे वकालत कर रहे लोगों को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। नई दिल्ली में हुई सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने साफ शब्दों में कहा कि काला कोट पहनकर न्याय व्यवस्था का हिस्सा बनने वाले कई लोगों की शैक्षणिक योग्यता संदेह के घेरे में है और जरूरत पड़ने पर मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी से कराई जा सकती है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि वकालत केवल पेशा नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की रीढ़ है और इसमें किसी भी तरह की फर्जीवाड़े की कोई जगह नहीं हो सकती। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हजारों ऐसे मामलों की शिकायतें सामने आती रही हैं, जहां कानून की पढ़ाई से जुड़े प्रमाणपत्रों की सत्यता पर सवाल उठे हैं। न्यायालय ने सुनवाई के दौरान वकीलों के सार्वजनिक व्यवहार और सामाजिक माध्यमों पर इस्तेमाल की जाने वाली भाषा पर भी कड़ी आपत्ति जताई। अदालत ने कहा कि न्याय व्यवस्था से जुड़े लोगों को मर्यादा, अनुशासन और जिम्मेदारी का उदाहरण बनना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा पाने की मांग से जुड़ी याचिका पर भी न्यायालय ने सख्त टिप्पणी की और कहा कि सम्मान पद से पहले आचरण और पेशेवर जिम्मेदारी जरूरी है।

कड़ी टिप्पणियों के बाद याचिकाकर्ता ने अदालत से माफी मांगते हुए अपनी याचिका वापस ले ली। इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने मामला वापस लेने के आधार पर समाप्त कर दिया। इस सुनवाई ने देशभर में वकालत पेशे की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

खरगे और राहुल गांधी की मौजदूगी में सोमवार को सतीशन की ताजपोशी

तिरुवनंतपुरम। केरल में वीडी सतीशन सोमवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। इसके साथ ही, कांग्रेस राज्य में एक दशक बाद सत्ता में वापसी करेगी, पिछली बार 2011 में ओमन चांडी मुख्यमंत्री थे। तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में शपथ ग्रहण की तैयारियां जोरों पर हैं, जहां एक लाख लोगों के जुटने की उम्मीद है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने 140 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटें जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। इसमें कांग्रेस ने अपने दम पर 63 सीटों पर जीत दर्ज की। सतीशन के साथ-साथ पूरे मंत्रिमंडल के भी शपथ लेने की संभावना है। यूडीएफ नेतृत्व कैबिनेट संरचना को अंतिम रूप दे रहा है, जिसमें प्रत्येक सहयोगी दल से मंत्रियों की संख्या पर विचार हो रहा है।

मुख्यमंत्री पद के लिए सतीशन का चयन कांग्रेस हाईकमान द्वारा दिल्ली और केरल में दस दिनों की गहन अनिश्चितता, पर्दे के पीछे की बातचीत और नाटकीय उतार-चढ़ाव के बाद हुआ। बातचीत का अहम दौर गुरुवार सुबह शुरू हुआ, जब वेणुगोपाल को दिल्ली में राहुल गांधी के आवास पर बुलाया गया। करीब तीन घंटे चली चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने वेणुगोपाल को बताया कि नेतृत्व ने शीर्ष पद के लिए सतीशन का समर्थन करने का फैसला किया है। प्रियंका गांधी वाड्रा भी पार्टी के भीतर आम सहमति सुनिश्चित करने के प्रयासों में शामिल हुईं। राहुल गांधी ने बाद में रमेश चेन्निथला से भी बात की, जिन्होंने कथित तौर पर इस फैसले पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। वरिष्ठ नेताओं की बैठक के बाद, वेणुगोपाल ने सार्वजनिक रूप से सतीशन को मुख्यमंत्री नामित किया, जिससे पार्टी का गतिरोध समाप्त हुआ।

अभिनेता जावेद जाफरी की पत्नी से 16 करोड़ की ठगी, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

- मुंबई मनपा के सहायक आयुक्त महेश पाटील का नाम आने से मचा हड़कंप

मुंबई,। बॉलीवुड अभिनेता जावेद जाफरी की पत्नी हबीबा जाफरी के साथ 16 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने मुख्य आरोपी निशित पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, हबीबा जाफरी ने बांद्रा पश्चिम स्थित एक पुनर्विकास परियोजना में बड़ी रकम निवेश की थी। आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें इस प्रोजेक्ट से भारी मुनाफे का भरोसा दिलाकर निवेश करने के लिए राजी किया। लेकिन निवेश के बाद न तो परियोजना पूरी हुई और न ही उनकी रकम वापस मिली। मामले का खुलासा होने के बाद हबीबा जाफरी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मुंबई क्राइम ब्रांच की प्रॉपर्टी सेल ने जांच शुरू की। जांच के दौरान ब्रिटिश मूल के कारोबारी निशित पटेल समेत महेश पाटील, रूपेश, सागर मेहता, देवेंद्र पडवल और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 19 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

कुछ ना कहना

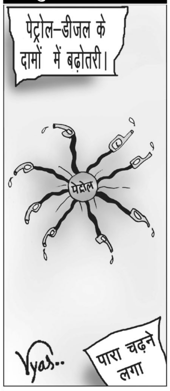

नीट-यूजी 2026 में बड़ा बदलाव, अगले साल से कंप्यूटर बेस्ड होगी परीक्षा

पेपर लीक मामले के बाद केंद्र सरकार का बड़ा फैसला -री-एग्जाम 21 जून को

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 एग्जाम में पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए मेडिकल प्रवेश परीक्षा प्रणाली में व्यापक बदलावों का ऐलान किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य में किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए अगले वर्ष से नीट परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित की जाएगी।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस वर्ष आयोजित परीक्षा में पेपर लीक की पुष्टि होने के बाद सरकार ने निष्पक्षता बनाए रखने के लिए दोबारा परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने घोषणा की कि नीट-यूजी 2026 का री-एग्जाम 21 जून को आयोजित होगा। सरकार का मानना है कि इससे मेहनती छात्रों के साथ न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार पेपर लीक माफिया और फर्जी अभ्यर्थियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। मामले की जांच विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा की जा रही है।

री-एग्जाम के लिए छात्रों को नई सुविधाएं

री-एग्जाम में छात्रों को कई नई सुविधाएं भी दी जाएंगी। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन किया था, उन्हें दोबारा परीक्षा शुल्क नहीं देना होगा। साथ ही फीस संबंधी शिकायत करने वाले छात्रों को रिफंड भी दिया जाएगा। सरकार ने नया रजिस्ट्रेशन पूरी तरह निःशुल्क रखने का फैसला किया है।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि सभी उम्मीदवारों के एडमिट कार्ड 14 जून तक जारी कर दिए जाएंगे, ताकि छात्रों को तैयारी और यात्रा के लिए पर्याप्त समय मिल सके। इस बार परीक्षार्थियों को अपनी पसंद का परीक्षा केंद्र चुनने की सुविधा भी मिलेगी। पहले कई छात्रों ने दूरदराज शहरों में सेंटर मिलने की शिकायत की थी। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक जांच, डिजिटल निगरानी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके अलावा छात्रों को परीक्षा में 15 मिनट का अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा।

राहुल गांधी का आरोप, मोदी सरकार की गलती की कीमत जनता चुकाएगी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) राहुल गांधी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी पर केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की गलती की कीमत जनता चुकाएगी। राहुल गांधी ने भविष्य में भी तेल कीमतों में इजाफा होने की आशंका जाहिर की है। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, गलती सरकार की, कीमत जनता चुकाएगी। 3 रुपए का झटका आ चुका, बाकी वसूली किस्तों में होगी। वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश की जनता को ये समझना होगा कि वर्तमान समय में वैश्विक ईंधन संकट के साथ-साथ भारत में आर्थिक संकट की बड़ी वजह केंद्र सरकार में नेतृत्व संकट, दूरदर्शी सोच का अभाव है और अक्षमता कूट-कूट कर भरी है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा, ये संकट केंद्र सरकार की ओर से लाया गया संकट है, जिसका खामियाजा देश की जनता को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी पर अपनी जेब से भरना पड़ रहा है। जब डीजल के दाम बढ़ते हैं, तब पूरे देश में महंगाई का असर पड़ता है। उद्योगों से लेकर घरेलू बजट व किसानों तक सब पर बुरा असर पड़ता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जब पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हुई, तब देश को बताया गया कि सब चंगा सी और कांग्रेस पार्टी के सवालों को नकारा गया। कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उल्टा अमेरिकी अनुमति और इजाजत के चलते हमारी संप्रभुता को गिरवी कर दिया गया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सरकार इसतरह का व्यवहार करती है कि सब सामान्य है और केंद्र सरकार का काम केवल राज्यों में चुनाव लड़ना है। अब जब संकट बढ़ रहा है, तब प्रधानमंत्री मोदी वर्क फ्रॉम होम और ईंधन बचाने का झुनझुना बजा रहे है।

आम जनता को सरकार ने दिया महंगाई का एक और झटका

गैस सिलेंडर के बाद बढ़ाए पेट्रोल डीजल के दाम, पेट्रोल 3 रु 28 पैसे, तो डीजल 3 रु 9 पैसे हुआ महंगा

111 रु 31 पैसे पहुँचा पेट्रोल, तो 96 रु52 पैसे प्रतिलीटर बिक रहा डीजल, नई दरें लागू आम जनता बोली,महंगाई को काबू में करे सरकार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

देश में लगातार बढ़ती जा रही महंगाई के बीच आम जनता के लिए एक और बुरी खबर है शुक्रवार को तेल कंपनियों ने नए रेट जारी कर दिए हैं जिसमें रसोई गैस के दामो में तो कोई इजाफा नही किया गया है लेकिन पेट्रोल और डीजल की कीमते 3- 3 रु बढ़ा दी गई है लागू की गई नई दरों के मुताबिक पेट्रोल की कीमत में 3 रु 28 पैसे, तो डीजल में 3 रु 09 पैसे का इजाफा किया गया है जिससे पेट्रोल 108 रु.03 पैसे से बढ़कर 111 रु 31 पैसे पहुँच चुका है तो वही डीजल के दाम 93 रु 43 पैसे से बढाकर 96 रु 52 पैसे कर दिए गए है जिसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ रहा है जिससे उनका पहले के मुकाबले बजट और अधिक बिगड़ चुका है।आपको बताए कि इसके पूर्व तेल कंपनियों को राहत पहुचाने और नुकसान से बचाने के लिए सरकार ने रसोई गैस के साथ साथ कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाए थे, तो वही अब 15 मई शुक्रवार से पेट्रोल डीजल के दामो में इजाफा कर, पहले से महंगाई की मार झेल रहे जनता पर आर्थिक बोझ डाला गया है जहा आम नागरिकों ने पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ने पर अपनी नाराजगी जताते हुए रसोई गैस, पेट्रोल डीजल सहित अन्य खाद्यपदार्थों के दाम कम करने, इन वस्तुओं पर लगने वाले टैक्स हटाने और लगातार बढ़ती जा रही इस महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग की है।

ईरान अमेरिका इजरायल युद्ध में हिर्मुज बंद होना बताई जा रही वजह

पेट्रोल डीजल रसोई गैस सहित अन्य खाद्य सामग्रियों के दामों को लेकर सरकार द्वारा अपनाई जा रही पॉलिसी लोगों के समझ के परे है। क्योंकि एक ओर सरकार लगातार बढ़ती जा रही महंगाई पर नियंत्रण नही कर पा रही है तो आम जनता की सबसे अधिक जरूरत वाली गैस, पेट्रोल डीजल के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। जिसको लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है इसकी एक वजह अंतराष्ट्रीय स्तर पर ईरान अमेरिका और इजरायल के बीच जारी जंग को भी बताया जा रहा है।

पीएम की अपील के बाद से ही बिगड़े हालात

आपको बताए कि पांच राज्यों में चुनाव संपन्न होने के बाद पीएम मोदी ने पेट्रोल डीजल रसोई गैस खाने के तेल आदि में कटौती करने की अपील की थी। जनता से वर्क फॉम होम करने पेट्रोल डीजल वाहनों का काम से कम उपयोग करने,व पेट्रोल डीजल बचाने का आह्वान किया था जिनके आव्हान के बाद से ही बालाघाट नगर में पेट्रोल और डीजल की स्थिति बिगड़ने लगी थी, लोगों को एहसास हो गया कि जल्द ही पेट्रोल और डीजल के दाम में इजाफा किया जाएगा जिसके चलते लोग पहले की तुलना से अधिक मात्रा में पेट्रोल और डीजल गाड़ियों में भरकर चल रहे थे। जहां टैंक फुल कराने और गाड़ियों में पेट्रोल भरने के लिए रोजाना ही लोगों की भीड़ विभिन्न पेट्रोल पंपों पर देखी जा रही थी और अक्सर पेट्रोल पंप पर स्टॉक खत्म होने की शिकायतें मिल रही थी।

पेट्रोल डीजल महंगा होने से अन्य वस्तुओं के भी बढ़ सकते है दाम

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हो रहे इजाफे का असर अन्य वस्तुओं के दामों पर भी पड़ने लगा है जिसके चलते पहले से महंगाई की मार झेल रहे जिलेवासी महंगाई से और अधिक परेशान हो चुके हैं वहीं डीजल के दाम बढ़ने से परिवहन भाड़ा महंगा होगा होंगा जिसके चलते खाद्य तेल, रसोई गैस, अनाज, सब्जी सहित अन्य वस्तुओं के दाम और अधिक बढ़ जाएंगे। जिसका सीधा असर जिले वासियों की जेब पर पड़ेगा।

सरकार अपना मुनाफा छोड़े तो गिर सकते है दाम

पेट्रोल डीजल के दाम में तेजी की सबसे बड़ी वजह राज्य और केंद्र सरकार का टैक्स है। 2014 से अब तक केंद्र सरकार 15 बार से अधिक एक्साइज ड्यूटी बढ़ा चुकी है। पेट्रोल के बेस प्राइज पर केंद्र सरकार के टैक्स लगाने के बाद प्रदेश सरकार भी अलग से टैक्स लगाती हैं। इसके अलावा सेस भी लगाया जाता है।यदि केंद्र और राज्य सरकार अपना मुनाफा छोड़ दे या पेट्रोल डीजल रसोई गैस पर लगने वाले टैक्स को कम कर दे तो भी आम जनता को राहत मिल सकती है लेकिन सरकार टैक्स कम करने की बजाय टैक्स बढ़ा देती है जिससे पेट्रोल और डीजल के दाम और अधिक बढ़ जाते है।

महंगाई को नियंत्रित करने सरकार ने उठाने चाहिए कदम

लोगों का कहना है कि यदि आवश्यक वस्तुओं के दाम इसी तरह बढ़ते रहे तो आम परिवारों के लिए घरेलू खर्च चलाना कठिन हो सकता है।लोगो ने उम्मीद जताई है कि महंगाई को नियंत्रित करने के लिए सरकार ठोस कदम उठाएगी, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और घर का बजट संतुलित रह सके।

टैक्स हटाकर आम नागरिकों को राहत देनी चाहिए-प्रतीक

आम नागरिक प्रतीक श्रीवास्तव ने बताया कि आज से पेट्रोल डीजल के रेट बढ़ा दिए गए हैं, इससे आम जनता की दिनचर्या प्रभावित हो रही है पहले से सब्जी भाजी खाद्य तेल सहित अन्य सामग्रियों के दाम ब? हुए हैं, महंगाई चरम पर है कुछ दिन पूर्व ही रसोई गैस के दाम बढ़ाए गए थे और अब पेट्रोल डीजल के रेट बढ़ा दिए गए हैं। हमें ऐसा लगता है कि पेट्रोल डीजल के रेट और अधिक बढ़ेंगे ,इसीलिए केंद्र व राज्य सरकार जो पेट्रोल डीजल पर टैक्स लगाती है उसे हटाकर आम नागरिकों को राहत पहुंचानी चाहिए।

पीएम की अपील का कोई असर नहीं, पहले से अधिक भरा रहे पेट्रोल -यूनुस

वही शास्त्री पेट्रोल पंप मैनेजर मो. यूनुस खान ने बताया कि पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ा दिए गए हैं पेट्रोल में 3 रु 28 पैसे, तो वहीं डीजल में 3रु 09 पैसे का इजाफा किया गया है। पेट्रोल 111 रु 31 पैसे तो डीजल 96रु 52 पैसे में बिक रहा है। उन्होंने बताया कि स्टॉक लगातार खाली हो रहा है हमने पेट्रोल डीजल की गाड़ी मंगवाए हैं गाड़ी आते ही पेट्रोल डीजल की बिक्री पुनः शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने पेट्रोल डीजल का कम उपयोग करने की अपील की है, लेकिन उनकी इस अपील का लोगो मे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है लोग घबराहट में पहले से अधिक तुलना में गाड़ियों में पेट्रोल डीजल डलवा रहे हैं।

सरकार गरीबों आम नागरिकों को छलने का काम कर रही है- दयाल

जिला कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता दयाल वासनिक ने बताया कि सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर 3-3 रु का इजाफा कर दिया है यहां आम जनता पर महंगाई की मार है। यह आम जनता गरीबों को लूटने और छलने का काम किया जा रहा है। चुनाव के पहले सरकार ने बड़े-बड़े वादे किए थे उन वादों की यह पोल खुल गई है, जहां-जहां सरकार चुनाव हारी है उसकी भरपाई के लिए पेट्रोल और डीजल के रेट बढ़ाए गए हैं मोदी सरकार आम जनता गरीबों को लूटने का काम कर रही है, पहले से इतनी अधिक महंगाई बढ़ गई है ऊपर से युवाओं के पास रोजगार नहीं है। जनता भी सरकार के बहकावे में आकर विरोध नहीं करती,नीट जैसी परीक्षा में तक प्राइवेट कंपनी को फायदा पहुंचाने का काम किया गया है। आम जनता ने इस बात को समझना चाहिए, रेट बढ़ाए जाने से सरकार की चाल और चरित्र उजागर हो चुका है।

अवैध रेत परिवहन पर खैरलांजी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त, 11 लाख से अधिक की संपत्ति जप्त, एक आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना खैरलांजी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैजमोहगांव क्षेत्र से अवैध रेत का परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं। पुलिस ने मौके से एक आरोपी अभय नगपुरे 24 वर्ष ग्राम सावरी निवासी को भी गिरफ्तार किया

है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 मई को थाना खैरलांजी पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम सावरी एवं बैजमोहगांव क्षेत्र में अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बैजमोहगांव चौराहे के पास घेराबंदी कर रेत से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़े।पुलिस द्वारा जप्त किए गए दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉली की अनुमानित कीमत लगभग 11 लाख 15 हजार रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी अभय नगपुरे 24 वर्ष ग्राम सावरी निवासी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया।थाना खैरलांजी में इस मामले में अपराध क्रमांक 179/26 के तहत धारा 303(2), 317(5) बीएनएस एवं 21/4 खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 तथा 53(1) मध्यप्रदेश गौण खनिज अधिनियम 1996 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। खैरलांजी पुलिस द्वारा एक स्वराज कंपनी एवं एक सोनालिका कंपनी के ट्रैक्टर मय ट्रॉली जप्त किए गए हैं इस कार्रवाई में थाना प्रभारी खैरलांजी उपनिरीक्षक दीपक गौतम, आरक्षक रोहित यादव एवं आरक्षक विष्णु जाट की सराहनीय भूमिका रही।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0010/ब-154/2026-27
मौजा बहियाटिकुर, रा.नि.मं. खमरिया

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक ताराचंद मडावी पिता श्यामलाल मडावी जाति गोंड, निवासी ग्राम बहियाटिकुर, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बहियाटिकुर, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी बहन धनवंता पिता समीलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 09.09.2024 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बहियाटिकुर के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 18.05.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 11.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 16.05.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0011/ब-154/2026-27
मौजा रानीकुठार, रा.नि.मं. लालबर्रा

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुकेश सहारे पिता रामकिशोर सहारे जाति गोवारा, निवासी ग्राम रानीकुठार, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा रानीकुठार, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता रामकिशोर पिता डुलीचंद का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 25.02.2024 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम रानीकुठार के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 25.05.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 14.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 16.05.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

वट सावित्री व्रत आज

अखंड सौभाग्य और पति की दीर्घायु के लिए सुहागिन महिलाएं रखेंगी व्रत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पति की दीर्घायु, अखण्ड सौभाग्य जीवन ,परिवार की सुख समृद्धि सहित अन्य मंगल कामनाओं के साथ शनिवार को जिला मुख्यालय सहित जिले की विभिन्न तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में हिन्दू धर्मावलम्बी महिलाओं द्वारा सावित्री व्रत रखकर वट वृक्ष का पूजन किया जाएगा। इस अवसर पर शनिवार सुबह से ही नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थित वट वृक्षों के आसपास महिलाओं का हुजूम लगा रहेगा। जहा फल-फूल मिष्ठान, सोलह श्रृंगार की वस्तुएं सहित अन्य सामग्रियां चढ़ाते हुए व्रतधारी महिलाओं द्वारा वट वृक्ष की परिक्रमा कर विशेष पूजा अर्चना की जाएगी।जहा महिलाओं द्वारा वट वृक्ष के चारों ओर आठ बार घूम कर रक्षा सूत्र बांधकर अपने अखंड सौभाग्यवती रहने, पति की लंबी आयु, परिवार की सुख समृद्धि, सहित अन्य मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मंगल कामनाएं की जाएगी।वही वट वृक्ष के नीचे बैठकर सत्यवान-सावित्री यमराज की कथा का वाचन व श्रवण किया जाएगा,वहीं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएगे।

दो तिथियां में आती है वट वृक्ष पूजा

बताया जा रहा है कि अखंड सौभाग्य के लिए वट वृक्ष की पूजा दो तिथियां में की जाती है। जिसमें एक पूजा अमावस्या को तो दूसरी पूजा पूर्णिमा पर होती है।बताया जा रहा है कि यदि किसी कारणवश जिन सुहागन महिलाओ ने इसके पूर्व पूर्णिमा पर वट वृक्ष की पूजा नहीं की थी, ऐसी महिलाए भी अमावस्या पर वट वृक्ष की पूजा करके पति की दीर्घायु व परिवार की सुख समृद्धि के लिए प्राथनाएं कर सकती है।

सावित्री माता ने यमदूत के पास से वापस लाए थे पति के प्राण

धार्मिक मान्यता के अनुसार प्राचीन काल में सत्यवान हरिश्चंद्र जी जंगल गए थे जिन्हें सांप ने काट लिया था। तब सावित्री माता ने अपने पति की दीर्घायु के लिए इस व्रत को रखा था। सावित्री माता ने यमदूत के पास से अपने पति के प्राण वापस लाए थे। यह व्रत कर उन्होंने सौ पुत्रों को जन्म देने वाला वरदान हासिल किया था जिसके चलते यमदूत को उनके पति के प्राण वापस करने पड़े थे। तब से लेकर अब तक पति की दीर्घायु ,परिवार की सुख समृद्धि सहित अन्य मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए सुहागिन महिलाओं द्वारा निर्जल व्रत रख वट वृक्ष की पूजा की जाती है।

महिलाओ के लिए बेहद खास दिन

बताया जा रहा है कि वट वृक्ष का त्यौहार सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं। हर साल यह त्योहार ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। इस साल वट सावित्री पूजा नगर में 16 मई, को की जाएगी।आपको बता दें, इस व्रत में बरगद के पेड़ की पूजा होती है। हिन्दू धर्म में बरगद के पेड़ को पूजनीय माना जाता है। शास्त्रों के मुताबिक इस पेड़ में सभी देवी-देवताओं का वास होता है। सुहागिन स्त्रियां बरगद के पेड़ की परिक्रमा कर 7 बार कच्चा सूत लपेटती हैं बरगद के पेड़ की आराधना करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। कहते हैं कि इस व्रत को रखने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है जहा न केवल सुहागिन महिलाएं बल्कि कुंवारी कन्याए भी अपने होने वाले पति की दीर्घायु के लिए निर्जल व्रत रख वट वृक्ष की पूजा करेंगी। जिसकी तमाम तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

बाजार रहा गुलजार

इस व्रत को रखने के लिए सुहागिन महिलाएं देर शाम तक बाजारों में पूजन सामग्रियों की खरीदारी करते नजर आई ,तो वही नगर के विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना की गई । बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह से ही सुहागिन महिलाएं और कुँवारी कन्याएं अपने अखंड सौभाग्य और पति की दीर्घायु के लिए वट वृक्ष की पूजा अर्चना कर विशेष प्रार्थनाएं करेंगी। जहां वट वृक्ष के नीचे 56 भोग, विभिन्न प्रकारों के पकवान, सुहाग की सामग्री आदि का चढ़ावा स्वल्पाहार ,फरारी,व भोजन ग्रहण अपना अपना तोड़ेंगी।जिसकी तैयारियां को लेकर शुक्रवार को बाजार गुलजार नजर

आवश्यकता है

होटल कान्हा में काम करने वाले लड़के की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता

9993282223
9425139875

सीतापठौर जंगल से अज्ञात महिला की लाश बरामद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना अंतर्गत ग्राम सीतापठौर के जंगल में एक महिला की लाश बरामद की गई इस महिला की पहचान नहीं हो पाई है तिरोड़ी पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक सूचना मिलते ही 15 मई को तिरोड़ी पुलिस सीतापठौर का जंगल पहुंची। जहां पर एक अज्ञात महिला का लाश पड़ी हुई थी जिला मुख्यालय से एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची थी जांच पड़ताल के दौरान पाया गया कि यह लाश करीब 15 दिन की और काफी खराब हो चुकी थी। तिरोड़ी पुलिस ने महिला का शव बरामद कर लिया है और मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

मकान बेचना है

17×44 एरिया में निर्मित डबल स्टोरी सेमी फर्निश्ड बोरिंग सहित पूर्वमुखी मकान बेचना है वार्ड नं. 6 चित्रगुप्त नगर, बालाघाट

9244108543

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।

महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

एक युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम बड़ी कुम्हारी में इसी ग्राम के एक युवक विजय पिता गुलाब गराडे 23 वर्ष ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 14 मई को दोपहर में यह घटना उस समय हुई जब परिवार के लोग खेत गये हुए थे। कोतवाली पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय तीन भाई है और परिवार में माता-पिता भी है। बड़े भाई की शादी हो चुकी है। विजय खेती मजदूरी करता था।14 मई को दोपहर में परिवार के लोग खेत चले गए थे विजय घर में था शाम 5:00 बजे जब परिवार के लोग आए तब विजय के कमरे के दोनों तरफ के दरवाजे अंदर से बंद थे। वेंटीलेशन में जाकर देखें तब विजय को उन्होंने सीलिंग फैन के हुक में लटका देखा। विजय ने गमछा बांधकर फांसी लगा ली थी तभी दरवाजा तोड़े और कोतवाली पुलिस को सूचना दिए थे ।सहायक उपरीक्षक सुनील पंचाले स्टाफ के साथ ग्राम बड़ी कुम्हारी पहुंचे और मौके की कार्रवाई करने के बाद विजय का शव जिला अस्पताल लाकर वहां के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए थे।15 मई को सुबह सहायक उप निरीक्षक श्री पंचाले ने विजय का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिए।विजय ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। कोतवाली पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

जाहिर सूचना

मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद बालाघाट द्वारा सामाजिक विवादों के निराकरण एवं आपसी समन्वय बनाए रखने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण सामाजिक बैठक आयोजित की जा रही है। परिषद द्वारा संबंधित पक्षों को बैठक में उपस्थित होने हेतु सूचना जारी की गई है। परिषद कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रकरण में प्रथम पक्ष श्रीमती दीपाली वरकड़े पति श्री प्रभात वरकड़े, निवासी ग्राम मरारी टोला बिरसा, तहसील बिरसा, जिला बालाघाट तथा द्वितीय पक्ष श्री प्रभात वरकड़े पिता श्री प्रमोद वरकड़े, निवासी वारासिवनी, जिला बालाघाट को अपने समस्त आवश्यक दस्तावेज एवं अभिलेखों के साथ बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही गांव/शहर के चार सहयोगी समाजजनों को भी साथ लाने का आग्रह किया गया है, ताकि सामाजिक स्तर पर विवाद का निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण समाधान किया जा सके। यह बैठक दिनांक 17 मई 2026 को दोपहर 12 बजे आयोजित होगी। बैठक का आयोजन मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद कार्यालय, वारासिवनी रोड, बालाघाट में किया जाएगा। परिषद पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह उक्त प्रकरण में आयोजित की जा रही अंतिम तृतीय बैठक होगी। परिषद द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इस बैठक में पक्षों की उपस्थिति अनिवार्य है एवं प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इसलिए संबंधित पक्षों से समय पर उपस्थित होकर सामाजिक मर्यादा एवं आपसी भाईचारे को बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है।अगर कोई पक्ष नहीं उपस्थित हुआ तो पूर्व की दो बैठक के अनुसार तीसरी बैठक में निर्णय लिया जाएगा

जारीकर्ता
मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद, बालाघाट अध्यक्ष/सचिव
संपर्क-90097 86104

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

करंट लगने से युवक 25 फीट गहरे कुएं में गिरा- गंभीररूप से घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कटेगांव में एक युवक विद्युत करंट की चपेट में आने के साथ 25 फीट गहरे कुएं में गिरने से घायल हो गया। घायल युवक राकेश पिता राजेश्वर गड़पाले 35 वर्ष को परिजनों और ग्रामीणों की मदद से बाहर निकालकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम

कटेगांव निवासी राकेश गढ़पाले अपने परिवार के साथ खेती-किसानी का कार्य करते हैं। उनके घर के पास स्थित कुएं से घरेलू उपयोग के लिए पानी निकाला जाता है। जहां मोटर पंप भी लगा हुआ है। बताया गया कि 15 मई को राकेश कुएं से पानी निकालने के लिए मोटर चालू किए थे। लेकिन पर्याप्त पानी नहीं निकल रहा था। इसके बाद वह कुएं के अंदर उतरने लगे। इसी दौरान कुएं के ऊपर लगे अर्थिंग तार में विद्युत करंट प्रवाहित होने से वह उसकी चपेट में आ गए और संतुलन बिगड़ने से लगभग 25 फीट गहरे कुएं में गिर पड़े।घटना के समय परिवार के सदस्य मौके पर मौजूद थे। राकेश के कुएं में गिरते ही परिजनों ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने कुएं में उतरकर घायल राकेश को कुर्सी पर बैठाकर रस्सी के सहारे बाहर निकाले। इसके बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है जहां उनका उपचार जारी है।

भोजशाला मामले को लेकर बालाघाट में हाई अलर्ट, शहरभर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे

करीब 200 पुलिस जवान रहे तैनात, संवेदनशील इलाकों और मस्जिदों के आसपास दिनभर चलता रहा पुलिस पहरा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भोजशाला मामले के फैसले को लेकर शुक्रवार को बालाघाट जिले में प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आए। फैसले को देखते हुए जिलेभर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती गई। शहर के संवेदनशील क्षेत्रों, प्रमुख चौराहों और मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो सके और जिले में शांति व्यवस्था बनी रहे। प्रशासन द्वारा एहतियातन करीब 150 से 200 पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई गई थी। सुबह से ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता दिखाई देने लगी थी। खासतौर पर शुक्रवार को जुम्मे की नमाज होने के कारण मस्जिदों और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सख्त किया गया। मस्जिदों के बाहर बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस बल तैनात किया गया था, वहीं आने-जाने वाले लोगों और गतिविधियों पर भी लगातार नजर रखी जा रही थी।

पुलिस प्रशासन द्वारा शहर के कई संवेदनशील स्थानों पर फिक्स प्वाइंट बनाए गए थे, जहां पुलिस जवान

लगातार तैनात रहे। इसके अलावा पुलिस के वज्र वाहन, पेट्रोलिंग टीम और थाना स्तर का अमला भी पूरे दिन शहरभर में गश्त करता रहा। प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और चौराहों पर पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुए थी, ताकि किसी भी स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। भरवेली, कोतवाली और ग्रामीण थाना क्षेत्रों में भी अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पुलिस अधिकारी वायरलेस और अन्य माध्यमों से लगातार हालात की जानकारी लेते रहे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर निर्देश भी दिए जाते रहे। नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने दूरभाष पर चर्चा करते हुए बताया कि भोजशाला मामले के फैसले को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कोतवाली और ग्रामीण, भरवेली थाना क्षेत्रों में अलग-अलग पुलिस फिक्स प्वाइंट बनाए गए थे। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता रही और इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस बल को पूरी तरह सक्रिय रखा गया। उन्होंने बताया कि वह स्वयं भी सुबह से वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शहर के अलग-अलग संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण करते रहे और हर गतिविधि पर नजर बनाए रखी गई। पुलिस जवानों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि किसी भी स्थिति में शांति व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए और हर सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जाए। प्रशासन और पुलिस की सतर्कता का असर यह रहा कि हाईकोर्ट का फैसला आने के बाद भी जिलेभर में पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल बना रहा। कहीं से भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना या विवाद की सूचना सामने नहीं आई। दिनभर प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस अमला हालात पर नजर बनाए रहे तथा आम लोगों से भी शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील करते रहे।

ऑनलाइन फार्मेसी कंपनियों के विरोध में 20 मई को राष्ट्रव्यापी बंद, बालाघाट में भी बंद रहेंगे मेडिकल स्टोर

बिना उचित सत्यापन दवाओं की बिक्री और भारी छूट के विरोध में केमिस्ट संगठन एकजुट, लोगों से पहले ही दवाएं खरीदने की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ऑनलाइन फार्मेसी कंपनियों की बढ़ती मनमानी, भारी छूट और बिना उचित सत्यापन के दवाओं की बिक्री के विरोध में ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स द्वारा 20 मई को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी बंद का ऐलान किया गया है। इस बंद को बालाघाट केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने भी समर्थन देते हुए जिलेभर की दवा दुकानों को बंद रखने की घोषणा की है। इसके चलते 20 मई को जिले के मेडिकल स्टोर पूरी तरह बंद रहेंगे। संगठन का कहना है कि ऑनलाइन फार्मेसी प्लेटफॉर्म लगातार औषधि नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, जिससे छोटे व्यापारियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। साथ ही बिना उचित निगरानी और सत्यापन के दवाओं की बिक्री होने से मरीजों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर भी खतरा बढ़ता जा रहा है।

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जबलपुर जोन उपाध्यक्ष प्रियंक वर्मा और बालाघाट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश सोनी ने बताया कि ई-फार्मेसी कंपनियां बिना किसी भौतिक सत्यापन के दवाओं की बिक्री कर रही हैं। एक ही डॉक्टर की पर्ची का कई बार उपयोग किया जा रहा है, जबकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फर्जी पर्चों के माध्यम से एंटीबायोटिक और नशीली दवाएं भी

आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने कहा कि इससे एंटी माइक्रोबियल रेसिस्टेंस जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है। मरीज बिना डॉक्टर की सही सलाह के दवाओं का उपयोग कर रहे हैं, जो भविष्य में स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। संगठन ने बड़े कॉरपोरेट संस्थानों पर भी अनुचित प्रतिस्पर्धा पैदा करने का आरोप लगाया है। पदाधिकारियों का कहना है कि आवश्यक दवाओं पर मिलने वाला लाभांश सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है, इसके बावजूद ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और बड़ी कंपनियां अत्यधिक छूट देकर बाजार व्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। इसका सीधा असर छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित मेडिकल स्टोरों पर पड़ रहा है। एसोसिएशन का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो ग्रामीण और छोटे शहरों में दवा आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो सकती है, जिससे मरीजों को समय पर दवाएं मिलना भी मुश्किल हो जाएगा। केमिस्ट संगठनों ने केंद्र सरकार से कोविड-19 महामारी के दौरान 26 मार्च 2020 को जारी अस्थायी अधिसूचना को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि कोविड काल में विशेष परिस्थितियों को देखते हुए दी गई छूट का आज डिजिटल प्लेटफॉर्म गलत फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि ई-फार्मेसी से जुड़ी अधिसूचना वापस लेकर औषधि नियम 65 के प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जाए और कॉरपोरेट कंपनियों की मनमानी छूट पर रोक लगाने के लिए पूरे देश में समान मूल्य नीति बनाई जाए। बालाघाट केमिस्ट एसोसिएशन ने बताया कि उन्हें इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का भी समर्थन प्राप्त है। संगठन के अनुसार आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. बी.एम. शरणागत ने भी ऑनलाइन फार्मेसी और गलत प्रिस्क्रिप्शन पर नशीली दवाओं की बिक्री का विरोध करते हुए इस बंद का समर्थन किया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने आम लोगों से अपील की है कि 20 मई को होने वाले बंद को ध्यान में रखते हुए अपनी आवश्यक दवाएं पहले ही खरीद लें, ताकि किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। संगठन का कहना है कि यह आंदोलन केवल व्यापारियों के हितों के लिए नहीं, बल्कि आम जनता की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया जा रहा है।

भोजशाला फैसले के बाद पंवार समाज में जश्न, जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन बोले यह संस्कृति और आस्था की जीत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश के धार स्थित भोजशाला प्रकरण को लेकर आए न्यायालय के महत्वपूर्ण फैसले के बाद बालाघाट जिले के पंवार समाज में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। शुक्रवार को फैसला सामने आते ही जिलेभर में समाज के लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी। कई स्थानों पर मंदिरों में घंटियां बजाई गईं, पूजन-अर्चन किया गया और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया गया। पंवार के जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने मीडिया से चर्चा करते हुए इस फैसले को ऐतिहासिक और युगांतकारी बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कानूनी फैसला नहीं, बल्कि सदियों की प्रतीक्षा का अंत है। उन्होंने कहा कि राजा भोज की नगरी धार में स्थित मां वाग्देवी की यह ज्ञानस्थली समाज की आस्था, संस्कृति और स्वाभिमान से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने सभी तथ्यों और साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए जो निर्णय दिया है, उसका समाज सम्मान करता है। विशाल बिसेन ने कहा कि राजा भोज परमार वंश के थे और पंवार समाज स्वयं को उसी वंश का उत्तराधिकारी मानता है। यही कारण है कि भोजशाला से समाज का गहरा भावनात्मक जुड़ाव रहा है। उन्होंने कहा कि यह फैसला आने वाली पीढ़ियों को अपनी संस्कृति, इतिहास और गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने का कार्य करेगा। साथ ही यह भी साबित करता है कि धैर्य और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से न्याय प्राप्त किया जा सकता है। गौरतलब है कि भोजशाला मध्यप्रदेश के धार शहर में स्थित 11वीं शताब्दी का एक प्राचीन स्मारक है। इतिहासकारों के अनुसार इसका निर्माण परमार वंश के राजा भोज द्वारा कराया गया था। इसे प्राचीन समय में शिक्षा, कला और संस्कृति के प्रमुख केंद्र के रूप में जाना जाता था। यह परिसर लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। एक पक्ष इसे मां वाग्देवी अर्थात सरस्वती का मंदिर और संस्कृत अध्ययन केंद्र मानता है, जबकि दूसरा पक्ष इसे कमाल मौलाना मस्जिद बताता रहा है। वर्ष 2003 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा एक व्यवस्था लागू की गई थी, जिसके तहत मंगलवार को हिंदू समाज को पूजा और शुक्रवार को मुस्लिम समाज को नमाज की अनुमति दी गई थी। हाल के वर्षों में न्यायालय के निर्देश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा भोजशाला परिसर का वैज्ञानिक सर्वे कराया गया था। इसमें जीपीआर तकनीक, कार्बन डेटिंग और उत्खनन के माध्यम से विभिन्न साक्ष्य जुटाए गए। इन्हीं रिपोर्टों और दस्तावेजों के आधार पर न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया। फैसले के बाद बालाघाट जिलेभर में पंवार समाज के लोगों में उत्साह का माहौल देखा गया। सोशल मीडिया पर जय मां वाग्देवी, भोजशाला और ऐतिहासिक फैसला जैसे संदेश और पोस्ट तेजी से साझा किए गए। युवाओं ने राजा भोज की तस्वीरों के साथ अपने सोशल मीडिया स्टेटस भी लगाए। जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने बताया कि समाज द्वारा जल्द ही एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें राजा भोज और मां वाग्देवी का पूजन किया जाएगा। साथ ही समाज के लोग धार स्थित भोजशाला जाकर दर्शन भी करेंगे।

अध्यापक संवर्ग में संविलियन की मांग को लेकर संविदा शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

समान कार्य के बदले समान वेतन और वरिष्ठता लाभ की मांग, मांगें पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के संविदा शाला शिक्षक वर्ग-3 के शिक्षकों ने शुक्रवार 15 मई को कलेक्ट्रेट एवं डीपीसी कार्यालय पहुंचकर अध्यापक संवर्ग में संविलियन किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे शिक्षकों ने शासन से न्यायालय के आदेश

का पालन करते हुए जल्द संविलियन प्रक्रिया पूरी करने की मांग उठाई। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि पूर्व में कार्यरत औपचारिकेत्तर अनुदेशक एवं पर्यवेक्षकों ने लगभग 15 से 18 वर्षों तक संघर्ष किया था। इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय द्वारा श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव इंदौर प्रकरण में पारित निर्णय के आधार पर उन्हें अध्यापक संवर्ग में नियुक्ति प्रदान की गई। शिक्षकों का कहना है कि इसी प्रकरण के आधार पर सभी संविदा शाला शिक्षक वर्ग-3 के पक्ष में भी समप्रकृति का आदेश पारित किया गया है, लेकिन आदेश के बाद एक वर्ष बीत जाने के बावजूद अभी तक अध्यापक संवर्ग में संविलियन नहीं किया गया है। शिक्षकों ने कहा कि प्रदेशभर के संविदा शाला शिक्षक वर्ग-3 को शीघ्र अध्यापक संवर्ग में शामिल किया जाए। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द अमल नहीं किया गया तो प्रदेश स्तर पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। संविदा शिक्षक लीलाधर पारधी और देवेंद्र ने बताया कि वे वर्ष 2008 से अपने अधिकारों के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। न्यायालय से फैसला उनके पक्ष में आने के बाद भी पिछले एक वर्ष से वे संविलियन के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उन्हें मात्र 5 हजार रुपए वेतन दिया जा रहा है, जबकि इतने कम वेतन में परिवार का पालन-पोषण करना बेहद कठिन हो गया है। शिक्षकों ने शासन से समान कार्य के बदले समान वेतन देने की मांग की। उनका कहना है कि स्मिता श्रीवास्तव को अध्यापक संवर्ग में संविलियन के बाद करीब 49 हजार रुपए वेतन दिया जा रहा है, जबकि वे सभी भी समान कार्य कर रहे हैं। ऐसे में उनके साथ वेतन को लेकर भेदभाव किया जा रहा है। ज्ञापन में शिक्षकों ने यह भी मांग की कि उनकी वरिष्ठता की गणना भी 17 सितंबर 2008 से की जाए, जिस तिथि से स्मिता श्रीवास्तव को वरिष्ठता का लाभ प्रदान किया गया है। साथ ही वेतन विसंगति दूर करने और सभी पात्र शिक्षकों को अध्यापक संवर्ग में शामिल करने की मांग रखी गई। शिक्षकों ने कहा कि शासन की नीतियों के कारण नियुक्ति प्रक्रिया में 15 से 18 वर्ष का समय लग गया, जिससे अधिकांश शिक्षक अब उम्रदराज हो चुके हैं। ऐसे में प्रशिक्षण के लिए ब्रिज कोर्स की व्यवस्था भी शासन द्वारा कराई जानी चाहिए। संविदा शिक्षकों का कहना है कि लंबे समय से संघर्ष करने के बाद भी यदि उन्हें न्याय नहीं मिला तो आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सीबीएसई 12वीं परीक्षा में ओजस स्कूल की छात्रा ग्रिश्मा मटलानी ने किया जिला टॉप

कॉमर्स संकाय में 97.80 प्रतिशत अंक हासिल कर बालाघाट जिले में प्राप्त किया प्रथम स्थान, स्कूल में जश्न का माहौल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित होते ही जिलेभर में विद्यार्थियों के बीच उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। इस वर्ष बालाघाट शहर स्थित ओजस स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले में अपनी अलग पहचान बनाई है। विद्यालय की मेधावी छात्रा ग्रिश्मा मटलानी ने कॉमर्स संकाय में 97.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे बालाघाट जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है। ग्रिश्मा की इस उपलब्धि से विद्यालय, परिवार और जिलेभर में खुशी का माहौल है। परिणाम घोषित होने के बाद स्कूल परिसर में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई। सहपाठियों और शिक्षकों ने ग्रिश्मा को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं परिवार के लोगों ने भी बेटी की सफलता को पूरे परिवार के लिए गौरव का क्षण बताया।

ग्रिश्मा मटलानी ने बातचीत के दौरान कहा कि यह सफलता केवल उनकी मेहनत का परिणाम नहीं है, बल्कि इसमें माता-पिता, गुरुजनों और कोचिंग संस्थान का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि परिवार ने हमेशा पढ़ाई के लिए प्रेरित किया और हर परिस्थिति में उनका सहयोग किया। वहीं शिक्षकों ने समय-समय पर सही मार्गदर्शन देकर पढ़ाई को आसान बनाया। ग्रिश्मा ने बताया कि उन्होंने नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास के बल पर यह सफलता हासिल की है। परीक्षा के दौरान उन्होंने सोशल मीडिया और अन्य अनावश्यक गतिविधियों से दूरी बनाकर पूरी तरह पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया। उनका कहना है कि यदि विद्यार्थी लक्ष्य तय कर निरंतर मेहनत करें तो सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने आगे भी इसी तरह मेहनत कर भविष्य में वह सीए बने की बात कही। ग्रिश्मा के पिता प्रदीप कुमार मटलानी और माता भारती मटलानी ने बताया कि उनकी बेटी बचपन से ही पढ़ाई में होनहार रही है। वह हर विषय को गंभीरता से समझने का प्रयास करती थी और अनुशासित तरीके से पढ़ाई करती थी। परिवार को पहले से ही विश्वास था कि वह परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी। परिजनों ने कहा कि बेटी की सफलता के पीछे विद्यालय और कोचिंग संस्थान के शिक्षकों की मेहनत भी शामिल है, जिन्होंने लगातार मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया। उन्होंने कहा कि ग्रिश्मा की यह उपलब्धि जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक साबित होगी। कोचिंग संस्थान से जुड़े पवन मांगे और अंबर मांगे ने बताया कि ग्रिश्मा शुरू से ही मेहनती और लक्ष्य के प्रति गंभीर छात्रा रही है। वह प्रत्येक विषय को गहराई से समझने का प्रयास करती थी और नियमित रूप से अभ्यास करती थी। शिक्षकों ने बताया कि उसकी लगन और निरंतर मेहनत का ही परिणाम है कि उसने जिले में प्रथम स्थान हासिल किया है।

इन विद्यार्थियों ने भी किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

इस वर्ष ओजस स्कूल के अन्य विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के कुल सात विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इनमें सारांश जैसवाल ने 94.20 प्रतिशत, यश जैसवाल ने 93.80 प्रतिशत, आकाश वाधवा ने 93.40 प्रतिशत, अंश रंगलानी ने 93.40 प्रतिशत, लक्षित वैद्य ने 93 प्रतिशत और गर्व सांवरे ने 90.80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

आस-पास की खबरें

अस्पताल भूमिपूजन में की गई है निर्वाचित जनपद सदस्या की उपेक्षा - बालकरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 50 बिस्तरीय अस्पताल के भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान प्रोटोकॉल के उल्लंघन और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि की

उपेक्षा का मामला सामने आया है। इस कार्यक्रम के आमंत्रण पत्र में जिस पंचायत क्षेत्र में भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ है उस क्षेत्र की क्षेत्रीय जनपद सदस्या श्रीमती सुनीता/बालकरण पंचेश्वर, मानपुर सरपंच बलराम गौतम का नाम न होने और उन्हें आमंत्रित न किये जाने पर जनपद सदस्य प्रतिनिधि, अमोली के पूर्व सरपंच बालकरण पंचेश्वर ने गहरा रोष व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य विभाग एवं जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों पर प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि 15 मई को लालबर्रा में अस्पताल के नये भवन का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का शिलान्यास भव्य स्तर पर किया गया, जिसमें सांसद श्रीमती भारती पारधी और क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे सहित कई गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि आमंत्रित थे। लेकिन जिस वार्ड या क्षेत्र में यह निर्माण कार्य होना है वहां की निर्वाचित जनपद सदस्या श्रीमती सुनीता/बालकरण पंचेश्वर व मानपुर सरपंच को ही इस कार्यक्रम से पूरी तरह दूर रखा गया है। आगे बताया कि यह केवल एक जनप्रतिनिधि की उपेक्षा नहीं है, बल्कि उस जनता का भी अपमान है जिसने उन्हें चुनकर भेजा है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि यह कार्यक्रम सीधे तौर पर जनपद सदस्या श्रीमती सुनीता पंचेश्वर के क्षेत्र के अंतर्गत आता है। प्रशासनिक और राजनीतिक शिष्टाचार के नाते स्थानीय जनप्रतिनिधि का नाम आमंत्रण पत्र में होना और उन्हें कार्यक्रम में सम्मानपूर्वक आमंत्रित करना अनिवार्य था। लेकिन न तो कार्ड में उनका नाम छापा गया और न ही उन्हें कोई सूचना दी गई। यह निर्वाचित प्रतिनिधि के अधिकारों का हनन और घोर उपेक्षा है।

कछुआ गति से हो रहा कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का निर्माण, राहगीर परेशान

लालबर्रा से अमोली-समनापुर मार्ग पर आवागमन बंद, संकरे रास्तों पर लग रहा जाम, तीव्र गति से कार्य पूर्ण करवाने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य लंबे समय के इंतजार के बाद विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के प्रयासों से अपने अंतिम चरण में है। इसी मार्ग पर श्वेताम्बर जैन मंदिर के आगे सड़क के बीच से पानी निकासी के लिए वार्डवासियों द्वारा कल्वर्ट बॉक्स पुलिया निर्माण की मांग लंबे समय कर रहे थे। पूर्व में इस स्थान पर मोगे (पाइप) डाले जा रहे थे, जिसका स्थानीयजनों और वार्डवासियों ने कड़ा विरोध किया था। जनता की इस जायज मांग को प्रमुखता से लेते हुए विधायक ने नाली एवं कल्वर्ट बॉक्स पुलिया निर्माण के लिए राशि स्वीकृत करवाई। जिसके बाद गत दिनों यहां पुलिया का निर्माण कार्य शुरू किया गया। वहीं निर्माण कार्य में व्यवधान उत्पन्न न हो इसलिए लालबर्रा से अमोली-समनापुर मार्ग से आवागमन बंद कर दिया गया है। वहीं कल्वर्ट बॉक्स पुलिया निर्माण के लिए सड़क के बीच में गड्ढा भी खोद दिया गया है किन्तु निर्माण कंपनी के द्वारा निर्माण कार्य कछुआ गति से किया जा रहा है एवं कुछ दिनों से निर्माण कार्य भी बंद है। जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी देखी जा रही है। जबकि यह एक व्यस्तम मार्ग है और इस पुलिया का निर्माण कार्य तीव्र गति से पूर्ण होना चाहिए। वहीं मार्ग से आवागमन बंद हो जाने के कारण लोग संकरे मार्गों से आवागमन कर रहे है जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का तीव्र गति एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाने की प्रशासन से मांग की है।

संकरे वैकल्पिक मार्गों पर लग रहा जाम, दुर्घटना की आशंका

पुलिया निर्माण कार्य प्रारंभ होने के कारण इस मुख्य मार्ग से आवागमन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। ऐसी स्थिति में वाहन चालक और राहगीर थाने के पीछे से एवं बड़ी मस्जिद होते हुए आवागमन करने को मजबूर हैं। चूंकि यह वैकल्पिक मार्ग अत्यंत संकरा है, इसलिए यहां से बड़े वाहनों के गुजरने के कारण बार-बार जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। इस अव्यवस्था की वजह से हर समय किसी बड़ी दुर्घटना के होने की आशंका बनी रहती है, जिससे स्थानीय लोग और राहगीर बेहद चिंतित हैं। स्थानीयजनों एवं राहगीरों का कहना है कि लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग का 600 मीटर की अधुरी सड़क का निर्माण कार्य करोड़ों रूपयों की लागत से किया जा रहा है जिसका कार्य अंतिम चरण में है। साथ ही बाद में स्थानीयजनों ने शासन-प्रशासन से सड़क के दोनों साइड में पानी निकासी के लिए नाली एवं श्वेताम्बर जैन मंदिर के आगे सड़क के बीच से पानी निकलने के लिए कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का निर्माण करवाने की मांग किये थे। जिसके बाद विधायक श्रीमती मुंजारे के द्वारा शासन से राशि स्वीकृत करवाई गई है और वर्तमान में कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का निर्माण कार्य जारी है। प्रशासन और निर्माण कंपनी ने पुलिया निर्माण के लिए मुख्य सड़क पर गहरा गड्ढा तो खोद दिया है, लेकिन कार्य अत्यंत धीमी (कछुआ) गति से किया जा रहा है। वहीं स्थानीयजनों का कहना है कि कुछ दिनों से निर्माण कार्य बंद है और कछुआ गति से चल रहे निर्माण के कारण इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों तथा स्थानीय नागरिकों में निर्माण कंपनी के प्रति भारी नाराजगी देखी जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। भीषण गर्मी और आवागमन की भारी असुविधा को देखते हुए क्षेत्र के नागरिकों एवं राहगीरों ने निर्माण कंपनी तथा स्थानीय प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि इस कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का निर्माण कार्य युध्द स्तर पर और तीव्र गति से पूर्ण करवाये। ताकि संकरे रास्तों के जाम और रोज-रोज की परेशानियों से जनता को जल्द से जल्द निजात मिल सके।

तीव्र गति से निर्माण करवाये प्रशासन - साजिद

साजिद खान ने बताया कि लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग के श्वेताम्बर जैन मंदिर के आगे सड़क के बीच में कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का निर्माण किया जा रहा है। लेकिन यह कार्य कछुआ गति से किया जा रहा है जिसके कारण इस मार्ग से आवागमन बंद है। ऐसी स्थिति में अंदर से संकरे मार्गों से आवागमन करना पड़ रहा है। सड़क से उड़ रही धुल से लोगों को परेशानी हो रही है एवं बड़े वाहनों के गुजरने से हादसे होने की संभावना बनी रहती है। श्री खान ने बताया कि पुलिया निर्माण के लिए गड्ढा खोद दिया गया है लेकिन निर्माण कार्य धीमी गति से नही किया जा रहा है जिससे सभी को परेशानी हो रही है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि तीव्र गति से कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का निर्माण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

भोजशाला प्रकरण में हाई कोर्ट के फैसले के बाद लालबर्रा में पुलिस रही हाई अलर्ट, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मस्जिद और चौक-चौराहों पर पुलिस रही तैनात, शांति व्यवस्था बनाये रखने की रही अपील

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश के बहुचर्चित ऐतिहासिक भोजशाला मंदिर एवं कमाल मौला मस्जिद विवाद पर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के मद्देनजर पूरे प्रदेश सहित

लालबर्रा क्षेत्र में भी सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। किसी भी संभावित अप्रिय घटना या दंगे-फसाद की स्थिति को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन सुबह से ही मुस्तैद नजर आया। वहीं हाई कोर्ट के फैसले की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला मुख्यालय से अतिरिक्त पुलिस बल लालबर्रा थाने में सुबह से ही तैनात किया गया। थाना परिसर, दो मस्जिद सहित नगर के मुख्य चौराहों और संवेदनशील इलाकों एवं मुस्लिम इलाकों में पुलिस ने अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य फैसले के बाद शांति व्यवस्था बनाये रखना और किसी भी प्रकार की अफवाहों को फैलने से रोकना था। वहीं शुक्रवार को जुमे की नमाज होने के कारण नगर मुख्यालय के लालबर्रा, अमोली मस्जिद सहित अन्य इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सख्त किया गया। साथ ही एसडीओपी वारासिवनी एवं थाना प्रभारी भी मानीटरिंग करते नजर आये। वहीं आने-जाने वाले लोगों और गतिविधियों पर भी नजर बनाये रखी गई। वहीं सुबह से ही थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस बल विभिन्न स्थानों पर गश्त करता रहा। जिसके चलते किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति की सूचना सामने नही आई है।

दाम बढ़ते ही लालबर्रा के अधिकांश पेट्रोल पंपों में ईधन खत्म, उपभोक्ता परेशान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के वैश्विक असर के चलते देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत की स्थिति बनी हुई है। इस वैश्विक संकट का सीधा असर अब स्थानीय स्तर पर भी देखने को मिल रहा है। लालबर्रा नगर मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में स्थित पेट्रोल पंपों पर कंपनियों द्वारा बेहद सीमित मात्रा में ईधन की सप्लाई की जा रही है। जिसके कारण पंपों पर आते ही पेट्रोल-डीजल कुछ ही घंटों या एक-दो दिनों के भीतर ही पूरी तरह समाप्त हो जा रहा है। जिससे उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं वर्तमान में स्थिति यह है कि जिस भी पेट्रोल पंप पर ईधन उपलब्ध होता है, वहां उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ती है। व्यवस्था बनाये रखने के लिए पेट्रोल पंप संचालकों ने भी ईधन (पेट्रोल-डीजल) देने की एक सीमा (लिमिट) तय कर दी है। इसके तहत दुपहिया वाहनों को अधिकतम 200 रूपये का पेट्रोल दिया जा रहा है। वहीं चौपहिया वाहनों को भी बहुत सीमित मात्रा में ही पेट्रोल-डीजल (ईधन) मिल पा रहा है। पेट्रोल-डीजल न होने से क्षेत्र के अधिकांश पंपों पर नो स्टॉक के बोर्ड लटक गये हैं, जिससे रोजमर्रा के काम से आने-जाने वाले उपभोक्ता बेहद परेशान हैं।

महंगाई का दोहरा झटका

एक तरफ जहां बाजार में ईधन की भारी कमी है, वहीं दूसरी तरफ सरकार द्वारा पेट्रोल के दामों में 3 रूपये 28 पैसे और डीजल के दामों में 3 रूपये 09 पैसे प्रति लीटर की भारी वृध्दि कर दी गई है। पेट्रोल-डीजल में अचानक हुई मूल्य वृध्दि से आम जनता पर अचानक आर्थिक बोझ बढ़ गया है। इस तरह से आमजनता

पहले से ही महंगाई की मार से परेशान थे उसके बाद अब सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दामों में वृध्दि कर महंगाई का दोहरा झटका दिया है, जिससे सभी में आक्रोश देखा जा रहा है। लालबर्रा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मानपुर स्थित शर्मा पेट्रोल पंप, खंडेलवाल पेट्रोल पंप सहित अन्य प्रमुख पंपों पर भी पेट्रोल-डीजल पूरी तरह खत्म हो चुका है। ईधन (पेट्रोल-डीजल) की इस किल्लत ने स्थानीय परिवहन और कृषि कार्यों को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। वहीं चौंकाने वाली बात यह है कि जिला प्रशासन द्वारा लगातार यह दावा किया जा रहा है कि जिले में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति सुचारू है। लेकिन जिला प्रशासन के इन दावों के विपरीत लालबर्रा के जमीनी हालात कुछ अलग है, जहां अधिकांश पंप सूखे पड़े हैं। प्रशासन के दावों और हकीकत में दिख रहे इस बड़े अंतर से आम जनता में भारी आक्रोश है। क्षेत्र के आम नागरिकों और उपभोक्ताओं ने सरकार एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि पेट्रोल-डीजल के दामों में की गई इस मूल्य वृध्दि को तत्काल वापस ले। साथ ही क्षेत्र के सभी पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल-डीजल उपलब्ध करवाने की मांग की है ताकि आम जनता को इस भारी परेशानी और मानसिक तनाव से राहत मिल सके।

पेट्रोल-डीजल की बनी हुई है किल्लत - अंकित

युथ कांग्रेस नगराध्यक्ष अंकित पिपलोद ने बताया कि विगत कई दिनों से पेट्रोल पंपों में ईधन पेट्रोल-डीजल कम मात्रा में आ रहे है। जिसके कारण समस्या बनी हुई है जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। देश की तरक्की और व्यापार ट्रांसपोर्ट पर निर्भर है, ट्रांसपोर्ट के माध्यम से पूरे देश में व्यापार होता है, लोगों के रोजगार मिलते है। यदि-डीजल पेट्रोल की समस्या रहेगी तो व्यापार प्रभावित होगा। श्री पिपलोद ने बताया कि लोग अक्सर पेट्रोल पंप पहुंचते हैं लेकिन उन्हें पेट्रोल नहीं मिल पाता है, लालबर्रा के अधिकांश पेट्रोल पंपों में पेट्रोल-डीजल खत्म हो चुका है एवं पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि पेट्रोल आगे से नहीं आ पा रहा है। वहीं दुसरी ओर सरकार के द्वारा पेट्रोल-डीजल के मूल्य दामों में वृध्दि की जा रही है। साथ ही पंपों में 200 रूपये से अधिक का पेट्रोल नही दिया जा रहा है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि दाम जो बढ़ाये गये है उसे कम करें एवं पर्याप्त मात्रा में डीजल-पेट्रोल पंपों पर उपलब्ध करवाये।

लालबर्रा में 9.95 करोड़ की लागत से बनेगा 50 बिस्तरों का अस्पताल

सांसद भारती पारधी एवं विधायक अनुभा मुंजारे ने रखी आधारशीला, सर्वसुविधायुक्त भवन का होगा निर्माण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार की दिशा में आज एक बड़ा कदम उठाया गया। 15 मई को शाम 6 बजे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा में 50 बिस्तरों के नये अस्पताल भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम बालाघाट-सिवनी सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य एवं बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसके बाद अतिथियों के द्वारा विधि-विधान से पूजा अर्चना कर लागत 9.95 करोड़ रूपये की लागत से लालबर्रा में बनने वाले 50 बिस्तरों के अस्पताल निर्माण कार्य की आधारशीला रखी गई। वहीं लालबर्रा क्षेत्र में लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और एक सर्वसुविधायुक्त अस्पताल की मांग की जा रही थी। इस नये 50 बिस्तर के अस्पताल के निर्माण से स्थानीय और ग्रामीण अंचल के मरीजों को इलाज के लिए जिला मुख्यालय की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। इस सर्वसुविधायुक्त भवन का निर्माण कार्य क्रियान्वयन एजेंसी म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम भोपाल के द्वारा करवाया जायेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्रीमती भारती पारधी भावुक नजर आई और उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि जब मैं जिला पंचायत की सदस्य थी, तब से मेरा सपना था कि लालबर्रा के लोगों को एक सुव्यवस्थित और आधुनिक अस्पताल मिले। आज वह प्रयास सफल हो रहा है। आगे कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की मंशा अंतिम छोर के व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य लाभ देने की है। श्रीमती पारधी ने निर्माण एजेंसी (म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम) को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि भवन का निर्माण न केवल निर्धारित समयावधि में पूर्ण हो, बल्कि इसकी गुणवत्ता से कोई समझौता न किये जाने की बात कही। बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ होना किसी भी क्षेत्र के विकास का प्रमुख आधार होता है। लालबर्रा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की

लंबे समय से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग थी। जिसे अब मूर्त रूप मिलने जा रहा है, 9.95 करोड़ की लागत 50 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण किया जायेगा जिसकी आधारशीला रखी गई है। जिसके निर्माण से क्षेत्र के हजारों नागरिकों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध होगी। इससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर बेहतर होगा। श्रीमती मुंजारे ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य के तहत लालबर्रा में इस नवीन भवन का निर्माण करवाया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को समय पर उपचार मिल सकेगा। आगे कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी तथा लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य डूलेन्द्र ठाकरे, सभापति श्रीमति पूजा चौधरी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर, खमरिया ब्लॉक अध्यक्ष दमनसिंह रहांगडाले, जिला कांग्रेस कमेटी सचिव भाऊराम गाड़ेश्वर, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, जनपद सदस्य जाहिद खान, पूर्व सरपंच मिरेगांव प्रशांत चन्द्रवार, जाम मण्डल अध्यक्ष देवराज ठकरेले, कनकी सरपंच दुर्गाप्रसाद पगरवार, राधेश्याम पिछोड़े, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमति लक्ष्मी वाघाड़े, विनोद धामड़े, पूर्व सरपंच डुंडीलाल ठाकरे, नेवरगांव ला. सरपंच संतोष पंचेश्वर, छिंदलई सरपंच प्रतिनिधि भिवराम माने, विजय पटले, शैलेश केकती, सुमित स्वामी, एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, एसडीओपी अभिषेक चौधरी, जिला अधिकारी परेश उपलव, तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार, थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, बीएमओ रीतू धुर्वे, मुकेश चौहान, धर्मेन्द्र गोहिया, जैकी पंचेश्वर, ऋतिक पटेल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दो महिला नेत्री मधु शुक्ला और सुनीता बहेटवार के बीच हुई तीखी नोकझोंक

खैरलांजी में अतिक्रमण हटाने पहुँचा राजस्व अमला बैरंग लौटा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी में स्थित सेवा सहकारी समिति मर्यादित बैंक की बेशकीमती भूमि पर फैला अतिक्रमण को हटाने राजस्व अमला जेसीबी और भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचा। अतिक्रमण हटाने की इस कार्यवाही के दौरान दो महिला जनप्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य मधु शुक्ला और जिला पंचायत सदस्य सुनीता बहेटवार आमने सामने आ गई। विवाद इतना बड़ा कि प्रशासन को बिना कार्यवाही किये केवल पंचनामा बनाकर वापस लौटना पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेवा सहकारी समिति बैंक की सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया जाना है। इसके लिए जिला पंचायत सदस्य व भाजपा नेत्री मधु शुक्ला ने १५वें वित्त आयोग से ४ लाख रुपये की राशि स्वीकृत कराई थी। निर्माण कार्य शुरू करने से पहले बैंक की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना आवश्यक था। इसी उद्देश्य से तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरिया और नायब तहसीलदार दादूलाल परते राजस्व टीम और जेसीबी के साथ मौके पर पहुँचे थे। प्रशासनिक अमला उस समय उलझन में पड़ गया जब बैंक के दस्तावेजों और मौके की स्थिति में भारी अंतर देखने को मिला। सरकारी रिकॉर्ड में बैंक के नाम पर कुल ३८ डिसमिल जमीन दर्ज है। राजस्व अधिकारियों को मौके पर केवल २० डिसमिल जमीन ही मिल पाई। राजस्व अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि दस्तावेजों में विसंगति और जमीन की चतुर्थ सीमा स्पष्ट नही होने के कारण तत्काल पैमाइश और बेदखली संभव नहीं हो सकी। कार्यवाही के दौरान जिला पंचायत सदस्य सुनीता मानसिंह बहेटवार अपने समर्थकों के साथ पहुँचीं और पूर्णतः अतिक्रमण हटाने की मांग पर अड गईं। दोनों ओर से हो रही बयानबाजी और ग्रामीणों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए कानून.व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति निर्मित हो गई। पुलिस बल और तहसीलदार ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराने का प्रयास किया। अंततः तकनीकी खामियों और बढ़ते तनाव के बीच राजस्व अमले ने मौके पर पंचनामा तैयार किया और अतिक्रमण विरोधी अभियान को फिलहाल टालते हुए वापस लौट गए।

अतिक्रमण तो हटेगा चाहे किसी का भी हो-मधु शुक्ला

जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मधु शुक्ला ने बताया कि मैंने प्रशासन को पहले ही कहा है कि कोई भी अतिक्रमण है उसे यहां से हटाया जायें। यदि इसमें मेरी बिल्डिंग या जो भी आती है तो उसे आप ध्वस्त करें प्रशासन को स्वतंत्रता पूर्वक काम करने के लिए हमने कहा है। हमारी मिल की ४० डिसमिल जमीन है अभी वह कम है पहले का यह सब लेखा जोखा है। बैंक के डायरेक्टर ने किसानों की सहूलियत के लिए बाउंड्रीवाल की मांग की थी परिसर सुरक्षित करने के लिए हमने ४.५० लाख रुपए १५वें वित्त से दिए हैं ताकि किसानों को व्यवस्था होगी। प्रशासन से अपील है कि वह अतिक्रमण हटाए ताकि बाउंड्री वॉल निर्माण हो।

हमारा कोई विषय नहीं है हम चाहते हैं की यहां का अतिक्रमण हटे-सुनीता बहेटवार

जिला पंचायत सदस्य सुनीता बहेटवार ने बताया कि मुझे पता चला कि अतिक्रमण हटाया जा रहा है बैंक की यहां पर जमीन कम है। इसकी चतुर सीमा के लिए हमने आवेदन लगाया था परंतु अभी हम इस कार्यवाही से असंतुष्ट है। यहां चार कब्जे है तहसीलदार इधर.उधर कर रहे हैं सीमांकन अभी तक नहीं हुआ है। खसरा नक्शा भी इसका नहीं है ३८ डिसमिल जमीन यहां बैंक की बताई जा रही है। मौके पर कम जमीन हो रही है हमारा कोई विषय नहीं है हम चाहते हैं की निष्पक्ष रूप से यहां अतिक्रमण हटे।

इनका कहना है

पंचायत में जिला पंचायत से निधि आई है जिससे सेवा सहकारी मर्यादित बैंक खैरलांजी की बावंड्रीवाल निर्माण कार्य कराना है। लेकिन परिसर में अतिक्रमण फैला हुआ है जिसको लेकर चतुर्थ सीमाकंन करने के लिये आवेदन दिया गया है। पहले सीमाकंन हो जायें तो निर्माण कार्य किया जायेगा।

श्रीमती ज्योति भगतसिंह नगपुरे
सरपंच खैरलांजी

सहकारी बैंक की जमीन थी जिस पर अतिक्रमण हटाने के लिए हम यहां पर आए हुए थे। खसरा नंबर खसरा नंबर २३८ का बांटांकन तो हो गया है लेकिन मूल नक्शे में इसे काटा नहीं गया है। अनुविभागीय अधिकारी के जो हमें निर्देश थे उसके तहत हमने यहां पर जमीन नापने का काम किया है। दस्तावेज मांगे गए परंतु वह उपलब्ध नहीं हो पाए हैं आगे इसमें नक्शा काट कर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

तीरथ प्रसाद अक्षरिया
तहसीलदार खैरलांजी

रामटोली में गहराया जल संकट कुओं में दिखने लगीं चट्टानें

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत लिंगमारा का रामटोली क्षेत्र इन दिनों प्रकृति की बेरुखी और गिरते भू.जल स्तर की दोहरी मार झेल रहा है। क्षेत्र में पानी की किल्लत इस कदर बढ़ गई है कि ग्रामीणों का पूरा दिन केवल पीने के पानी की व्यवस्था करने में ही बीत रहा है। आलम यह है कि कुएं सूख चुके हैं और हैंडपंपों ने भी जवाब देना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों को घर घर पानी पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई नल जल योजना अब रामटोली में आखरी सहारा हैं। भू.जल स्तर अत्यधिक नीचे चले जाने के कारण योजना के बोरवेल में पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। इसका सीधा असर जल वितरण प्रणाली पर पड़ा है। विशेष रूप से बस्ती के अंतिम छोर टेल क्षेत्र में रहने वाले परिवारों तक पर्याप्त पानी पहुंच ही नहीं पा रहा है। जिससे वे पूरी तरह अन्य पारंपरिक स्रोतों पर निर्भर हो गए हैं। गांव के पारंपरिक कुओं की स्थिति भयावह है। जल स्तर रसातल में चले जाने के कारण कुओं में अब पानी के बजाय कठोर चट्टानें दिखाई देने लगी हैं। ग्रामीण कुएँ के झरने के रिसते पानी को रोकने की तकनीक के माध्यम से सप्ताह भर इंतजार करते हैं तब जाकर कहीं कुछ लीटर पानी एकत्रित हो पाता है। पीने के पानी के लिए इस कदर मशक्कत करना ग्रामीणों की नियति बन चुकी है। यही हाल हैंडपंपों का भी है गिरते वाटर लेवल की वजह से हैंडपंप चलाने पर काफी देर तक केवल हवा निकलती है। घंटों की शारीरिक मेहनत और कड़ी मशक्कत के बाद ही थोड़ा बहुत पानी निकल पाता है। महिलाएं और बुजुर्ग सुबह से ही हैंडपंपों पर कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते

देखे जा सकते हैं। रामटोली के ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में ही जब यह स्थिति है तो आने वाले समय में हालात और भी खराब हो सकते हैं। जल स्तर का लगातार गिरना इस क्षेत्र के लिए खतरे की घंटी है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का स्थायी निराकरण किया जाए और जल स्तर सुधारने हेतु ठोस कदम उठाए जाएं ताकि भविष्य में होने वाले संभावित बड़े संकट को रोका जा सके।

ग्राम में नल जल योजना से नही मिलता पर्याप्त पानी-नेतलाल डहाके

नेतलाल डहाके ने बताया की ग्राम में नल जल योजना से पानी मिलता हैं पर्याप्त तो होता नहीं किन्तु उसी में सब कुछ करना पड़ता है। बाकी जरुरत का पानी ग्राम में कुएँ हेंडपम्प में प्राप्त करना पड़ रहा है परंतु वहां भी पर्याप्त पानी नहीं निकलता है। बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है नल जल योजना का जो पानी मिलता है वह कितनी देर मिलता है घड़ी तो नहीं देखे हैं परंतु पर्याप्त रूप से दिया जाना चाहिए।

पर्याप्त पानी नही मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश है-राजेश्वरी डहाके

राजेश्वरी ड़हाके ने बताया कि भूजल स्तर हमारे यहां बहुत ज्यादा नीचे जा चुका है इसका सीधा प्रमाण कुएं में देखा जा सकता है। चट्टान लग चुकी है यह पानी पीने लायक भी नहीं बचा है सामने हैंडपंप है। जिसे बहुत ज्यादा मेहनत कर पानी निकालना पड़ता है,नल जल योजना है तो थोड़ा बहुत हमें सहारा है की पीने के लिए पर्याप्त पानी मिल रहा है । बाकी बताते हैं कि नल जल योजना का पानी इधर आगे नहीं मिलता है पंचायत को इस पर ध्यान देकर सभी को अच्छे से पानी वितरण करना चाहिए।

भीषण गर्मी में पक्षियों का सहारा बने युवा नगर में शुरू की जलपात्र सेवा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सूर्य के तीखे तेवर और आसमान से बरसती आग ने जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया है। वर्तमान में भीषण गर्मी के चलते ना केवल इंसान बल्कि बेजुबान पशु.पक्षी भी व्याकुल हैं। बढ़ते तापमान के कारण प्राकृतिक जलस्रोत तेजी से सूखने लगे हैं जिससे मूक जीव बूंद बूंद पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं। इसी संवेदनशीलता को समझते हुए वारासिवनी के उत्साही युवाओं ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए नगर के विभिन्न स्थानों पर पक्षियों और आवारा जानवरों के लिए पीने के पानी की उचित व्यवस्था शुरू की है। युवाओं की इस टोली ने सेवा परमो धर्म के संकल्प के साथ नगर के प्रमुख चौराहों सार्वजनिक उद्यानों और सड़क किनारे लगे पेड़ों पर मिट्टी के कटोरे सकोरे बांधे हैं। युवाओं का कहना है कि ऊंचे तापमान में पक्षियों को पानी मिलना मुश्किल हो जाता है ऐसे में ये सकोरे उनके लिए जीवनदान साबित होंगे। केवल पक्षी ही नहीं बल्कि सड़कों पर घूमने वाले गौवंश और अन्य जानवरों की प्यास बुझाने के लिए भी सड़कों के किनारे सुरक्षित स्थानों पर बड़े मिट्टी के पात्र रखे गए हैं। युवाओं ने ना केवल इन पात्रों को स्थापित किया है बल्कि नियमित रूप से इनमें स्वच्छ पानी भरने की जिम्मेदारी भी ली है। जलपात्र सेवा शुरू करने के साथ ही इन युवाओं ने नगरवासियों से भी अपील की है कि वे अपनी छतों बाल्कनी और घर के सामने छायादार स्थानों पर पानी के बर्तन जरूर रखें। युवाओं की इस पहल की नगर के प्रबुद्धजनों ने सराहना करते हुए इसे जीव दया की दिशा में एक अनुकरणीय कदम बताया है। इस पुनीत कार्य में नगर के युवाओं ने बड़.चढ़कर हिस्सा लिया। इस अभियान में मुख्य रूप से नितिन जैन, विवेक विक्की ऐडे, शुभम जायसवाल ,कालू जेठवानी ,पंकज जैन ,चेम्पो लिमजे ,मयूर जायसवाल ,अनुराग जैन, शशांक जायसवाल, रौशन गोखले ,ओमप्रकाश लांजेवार ,आशीष राहंगडाले सहित अन्य साथियों का सक्रिय सहयोग रहा।

अवैध गिट्टी परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई

तिरोड़ी के बोथवा में हाइवा डंपर जब्त, थाना तिरोड़ी में रखा गया वाहन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 15 मई 2026 को उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां के मार्गदर्शन में खनिज विभाग की टीम ने तहसील तिरोड़ी के ग्राम बोथवा में जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान टीम ने एक हाइवा डंपर क्रमांक ष्टत्र-04-छ्ुष्ठ-1048 को अवैध रूप से खनिज गिट्टी का परिवहन करते हुए पकड़ा गया है। वाहन की जांच करने पर आवश्यक वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जिसके बाद विभागीय अमले ने वाहन को खनिज गिट्टी सहित जब्त कर लिया है। वाहन चालक की पहचान आशीष वाघाडे पिता चम्बरू वाघाडे निवासी ग्राम दरासीकला, तहसील कुरई, जिला सिवनी के रूप में हुई है। जब्त वाहन को अग्रिम कार्रवाई के लिए थाना तिरोड़ी की अभिरक्षा में रखा गया है। कार्रवाई में खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल, खनि सिपाही रजनीश तिवारी एवं दिलशाद कुरैशी शामिल रहे। विभाग द्वारा बताया गया कि उक्त वाहन के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में खनिज के अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ज्ञान, विज्ञान और मानवता का प्रकाश

हर वर्ष 16 मई को अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस मनाया जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि यह दिवस विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति, ऊर्जा, चिकित्सा, संचार जैसे क्षेत्रों में और देश व समाज के सतत विकास(सस्टेनेबल डेवलपमेंट) के क्रम में प्रकाश के महत्व को समझाने और प्रकाश के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल मनाया जाता है। वास्तव में प्रकाश से तात्पर्य केवल और केवल भौतिक रोशनी से नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, जागरूकता, आशा, नवाचार और मानव प्रगति का प्रतीक भी है। धर्म, भाषा और सीमाओं से परे प्रकाश सार्वभौमिक(यूनिवर्सल) है तथा कला से लेकर दर्शन तक इसे सदैव ज्ञान और सकारात्मकता के प्रतीक के रूप में देखा गया है। सच तो यह है कि आधुनिक जीवन की रीढ़ ही प्रकाश है और बिना प्रकाश विज्ञान के आज डिजिटल इंडिया, वैश्विक कनेक्टिविटी तथा आधुनिक तकनीक की कल्पना भी संभव नहीं है। वास्तव में, अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि यानी लेज़र के सफल संचालन का ही उत्सव नहीं है, बल्कि यह मानवता के अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा का भी प्रतीक है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यह दिवस विज्ञान और मानवता के बीच एक सेतु का कार्य करता है तथा हमें ज्ञान, विज्ञान और सकारात्मक सोच का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा देता है। पाठक जानते होंगे कि भारतीय संस्कृति में भी प्रकाश को अत्यंत पवित्र और ज्ञानदायी माना गया है। उपनिषदों का प्रसिद्ध मंत्र तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात् हे प्रभु! हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो के बारे में आखिर कौन है जो नहीं जानते ? प्रकाश केवल बाहरी अंधकार से उजाले की ही बात नहीं करता है, बल्कि यह मनुष्य के अज्ञान, भय, भ्रम और नकारात्मकता से ज्ञान, सत्य और सकारात्मकता की ओर लगातार बढ़ने का संदेश देता है और आज के समय में तो यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। हमारे यहां दिवाली प्रकाश का सबसे बड़ा त्योहार है, जबकि लोक संस्कृति में लालटेन उत्सव भी उजाले, आशा और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक माना जाता है। इतना ही नहीं, सामाजिक जीवन में शिक्षा, जागरूकता और नैतिक मूल्यों का प्रकाश समाज को आगे बढ़ाने का कार्य करता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर इस दिवस के मुख्य उद्देश्यों की बात करें तो, अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस का मुख्य उद्देश्य प्रकाश विज्ञान और ऑप्टिकल तकनीकों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना, विज्ञान और तकनीक को समाज के विकास से जोड़ना, ऊर्जा, स्वास्थ्य, इंटरनेट और संचार में प्रकाश आधारित तकनीकों के योगदान को रेखांकित करना, युवाओं को विज्ञान एवं अनुसंधान के प्रति प्रेरित करना तथा देशों के बीच वैज्ञानिक सहयोग और शांति को बढ़ावा देना है। यूनेस्को के अनुसार यह दिवस विज्ञान, संस्कृति, कला, शिक्षा और सतत विकास में प्रकाश की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। वास्तव में यह दिवस इस बात की याद दिलाता है कि विज्ञान और तकनीक का सही उपयोग मानव कल्याण, शांति और सतत विकास के लिए कितना आवश्यक है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि पहली बार यह दिवस 16 मई 2018 को मनाया गया था। 16 मई 1960 को अमेरिकी वैज्ञानिक थियोडोर मैमन ने पहली बार सफलतापूर्वक लेज़र का संचालन किया था और इसी ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस के रूप में चुना गया। सरल शब्दों में कहें तो यह दिन भौतिक विज्ञानी और इंजीनियर थियोडोर मैमन द्वारा लेज़र के पहले सफल संचालन की वर्षगांठ का प्रतीक है। गौरतलब है कि लेज़र का आविष्कार चिकित्सा, संचार और तकनीक के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी मोड़ साबित हुआ तथा वर्ष 2015 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रकाश एवं प्रकाश-आधारित प्रौद्योगिकी वर्ष घोषित किया गया था तथा इसके बाद वर्ष 2017 में यूनेस्को ने आधिकारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय प्रकाश दिवस घोषित किया।

भारत-आध्यात्मिकता,सर्वधर्म समभाव और मानव चेतना का वैश्विक केंद्र

वैश्विक स्तरपर पृथ्वी की इस अनंत और रहस्यमयी धरा पर यदि किसी देश को आध्यात्मिक चेतना,सर्वधर्म समभाव,मानव कल्याण और परमार्थ का जीवंत प्रतीक कहा जाए, तो वह निस्संदेह भारत है। यह वही भूमि है जहाँ ऋषियों ने तप किया, जहाँ वेदों की ऋचाएँ गूँजीं, जहाँ बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया,जहाँ महावीर ने अहिंसा को धर्म का सर्वोच्च स्वरूप बताया, जहाँ संत कबीर ने मानवता को जाति- पंथ से ऊपर रखा और जहाँ गुरु परंपरा ने आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया। भारत केवल एक भौगोलिक राष्ट्र नहीं, बल्कि चेतना, अनुभूति और आत्मज्ञान की वह ऊर्जा है जिसने सदियों से विश्व को आध्यात्मिक प्रकाश प्रदान किया है। आधुनिक विज्ञान आज मानव मस्तिष्क की क्षमताओं पर शोध कर रहा है,किंतु भारतीय अध्यात्म हजारों वर्षों पूर्व यह बता चुका था कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति बाहरी संसार में नहीं, बल्कि उसके भीतर स्थित चेतना में निहित है। जीवन मुक्त बाबा ईश्वरशाह साहिब जी की प्रेरणा से मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि मानव जीवन का सबसे बड़ा रहस्य उसका स्वयं का मन है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह कहा जाता है कि मनुष्य अपने मस्तिष्क की क्षमताओं का सीमित भाग ही उपयोग कर पाता है। आध्यात्मिक दृष्टि से इसका कारण आत्मज्ञान की कमी माना गया है। जब मनुष्य केवल भौतिकता, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ में उलझ जाता है, तब उसका मन अशांत हो जाता है और उसकी आंतरिक ऊर्जा बिखर जाती है। भारतीय ध्यान परंपरा कहती है कि यदि व्यक्ति कुछ समय मन और हृदयपूर्वक ध्यान में बैठे,तो उसका मस्तिष्क तंत्र अत्यंत सक्रिय और संतुलित हो सकता है। ध्यान केवल आँखें बंद करना नहीं, बल्कि अपने भीतर उतरने की वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति स्वयं को समझना प्रारंभ करता है। यही कारण है कि आज विश्व के बड़े-बड़े कॉर्पोरेट संस्थान,वैज्ञानिक और चिकित्सक भी मेडिटेशन और योग को मानसिक स्वास्थ्य तथा कार्यक्षमता के लिए आवश्यक मानने लगे हैं। योग और ध्यान की भारतीय परंपरा आज वैश्विक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी है।आध्यात्मिकता का सबसे सुंदर पक्ष यह है कि वह मनुष्य को जोड़ती है,तोड़ती नहीं। प्रकृति स्वयं हमें यह शिक्षा देती है। यदि किसी झुंड से एक प्राणी को दूर ले जाकर कहीं और छोड़ दिया जाए, तो वह अंतत: वहीं पहुँचने का प्रयास करेगा जहाँ उसके समान विचारों और ऊर्जा वाले प्राणी हों। यह केवल पशु व्यवहार नहीं, बल्कि जीवन का गहन दार्शनिक सत्य है। मनुष्य भी उसी वातावरण में सबसे अधिक विकसित होता है जहाँ प्रेम, सकारात्मकता, सेवा,करुणा और परमार्थ का भाव हो। इसलिए संत-महापुरुष हमेशा सत्संग, संगति और सामूहिक चेतना के महत्व पर बल देते आए हैं। सत्संग शब्द ही अपने भीतर गहरी आध्यात्मिक अनुभूति समेटे हुए है,अर्थात सत्य के साथ संगति। जब व्यक्ति संतों के वचनों, भजनों, ध्यान और सेवा से जुड़ता है, तब उसका मन धीरे-धीरे विकारों से सटीकता से मुक्त होने लगता है।

साथियों बात अगर हम भारत की इसी महान संत परंपरा में कटनी की पावन धरा को जानने की करें तो वहाँ पर स्थित बाबा माधवशाह-बाबा नारायणशाह दरबार आध्यात्मिक चेतना का एक अद्भुत केंद्र बन चुका है। यह केवल एक धार्मिक स्थल नहीं,बल्कि वह आध्यात्मिक संगम है जहाँ हजारों-लाखों श्रद्धालु आत्मिक शांति और जीवन की दिशा प्राप्त करने पहुँचते हैं। यहाँ आने वाले लोगों के अनुभव बताते हैं कि जब मनुष्य सच्चे भाव से सतगुरु की शरण में आता है, तब उसके भीतर सकारात्मक परिवर्तन प्रारंभ हो जाते हैं। इस दरबार की विशेषता केवल उसकी भव्यता नहीं, बल्कि वहाँ का परमार्थ भाव, सेवा संस्कृति और प्रेममय वातावरण है।वर्तमान समय में इस परंपरा को आगे बढ़ाने वाले जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब जी देश-विदेश में सत्संगों के माध्यम से मानवता को प्रेम, शांति, सेवा और आत्मज्ञान का संदेश दे रहे हैं। उनके सत्संगों में किसी एक धर्म, जाति या वर्ग का नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का स्वागत होता है। यही भारतीय अध्यात्म का मूल है वसुधैव कुटुम्बकम् अर्थात पूरा विश्व एक परिवार है। जीवन मुक्त बाबा ईश्वरशाह साहिब जी के अमृत वचनों में केवल धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि जीवन को सरल, सकारात्मक और परमार्थमय बनाने की प्रेरणा होती है। उनके सत्संगों में व्यक्ति केवल श्रोता बनकर नहीं बैठता, बल्कि वह अपने भीतर एक नई चेतना का अनुभव करता है। साथियों बात अगर हम इसी आध्यात्मिक परंपरा की महत्वपूर्ण कड़ी को समझने की करें तो उस रूप में 16 और 17 मई 2026 को नागपुर में तथा 19 व 20 मई 2026 को जलना महाराष्ट्र में आयोजित होने वाला हरे माधव सत्संग विशेष आकर्षण और आस्था का केंद्र बना हुआ है।लगभग 12 वर्षों के बाद नागपुर में जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब जी का आगमन होने जा रहा है, जिसे लेकर संगतों में अपार उत्साह और भावनात्मक उमंग दिखाई दे रही है। महाराष्ट्र की उपराजधानी नागपुर,जो सांस्कृतिक औरआध्यात्मिक विविधता का प्रतीक है, इन दिनों भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर दिखाई दे रही हैदेश के विभिन्न राज्यों महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान सहित अनेक क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं के नागपुर पहुँचने की संभावना व्यक्त की गई है। साथियों हरे माधव सत्संग की विशालता और संगठन क्षमता का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं। नागपुर मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 8 से लेकर विभिन्न बस स्थानकों तक संगतों को सत्संग स्थल और विश्राम स्थलों तक पहुँचाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की गई है। यह केवल आयोजन प्रबंधन नहीं, बल्कि भारतीय सेवा संस्कृति का जीवंत उदाहरण है। भारतीय अध्यात्म में अतिथि देवो भव केवल कहावत नहीं,बल्कि जीवन का हिस्सा है। आने वाली संगतों के लिए रहने, विश्राम, सुबह के नाश्ते, दोपहर एवं रात्रि ब्रह्मभोज की समुचित व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था केवल भोजन कराने तक सीमित नहीं, बल्कि प्रेम, समानता और सामूहिकता की अनुभूति कराती है।16 मई 2026 को जीवन मुक्त बाबाजी के नागपुर आगमन के अवसर पर आयोजित होने वाली भव्य शोभायात्रा इस आयोजन का विशेष आकर्षण होगी।शोभायात्रा का प्रारंभ हनुमान मंदिर, हेमू कलानी चौक, जरीपटका से होगा और जरीपटका मुख्य बाजार से होकर गुजरेगी। इस यात्रा में ढोल-ताशों की गूँज, शंखध्वनि की मधुरता और ईश्वर नादम पाठक के सेवादारों की आध्यात्मिक प्रस्तुति वातावरण को भक्तिमय बना देगी। बाल संस्कार के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य और स्केटिंग शो इस बात का प्रतीक होगा कि भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक धारा केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं, बल्कि नई पीढ़ी भी उससे गहराई से जुड़ रही है। जब हजारों श्रद्धालु वर्षों बाद अपने सतगुरु के दर्शन करेंगे, तब वह दृश्य केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भावनाओं, श्रद्धा और आत्मिक प्रेम का महासंगम होगा।

साथियों बात अगर हम 17 मई 2026 को आयोजित होने वाला हरे माधव सत्संग के बारे में जानने की करें तो आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सत्संग में एलईडी माध्यम से श्री कलश की महिमा और सतगुरु बाबा नारायणशाह साहिब जी से जुड़े दिव्य प्रसंगों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। विशेष रूप से यह दर्शाया जाएगा कि किस प्रकार सतगुरु ने एक भगत को माँ गंगा और हर की पौड़ी के दिव्य दर्शन कराए। भारतीय संत परंपरा में ऐसे प्रसंग केवल चमत्कार के रूप में नहीं देखे जाते, बल्कि उन्हें श्रद्धा, विश्वास और गुरु-शिष्य संबंध की आध्यात्मिक अनुभूति के रूप में समझा जाता है। गुरु को भारतीय संस्कृति में इसलिए सर्वोच्च स्थान दिया गया है क्योंकि वह व्यक्ति को अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाता है। गुरु शब्द का अर्थ ही है,अंधकार को दूर करने वाला।

साथियों सत्संग में बाबा ईश्वरशाह साहिब जी के अमृत वचनों की वर्षा होने वाली है। अमृत वचन केवल शब्द नहीं होते, बल्कि वे जीवन को दिशा देने वाली आध्यात्मिक ऊर्जा होते हैं। जब संत मानवता, प्रेम, सेवा, त्याग और ध्यान की बात करते हैं, तब वह सीधे हृदय को स्पर्श करती है। आधुनिक जीवन में जहाँ व्यक्ति मानसिक तनाव, संबंधों की टूटन और आत्मिक रिक्तता से जूझ रहा है, वहाँ ऐसे सत्संग मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। संतों का संदेश हमेशा सरल होता है, मनुष्य पहले स्वयं को जाने, अपने भीतर ईश्वर को अनुभव करे और फिर मानवता की सेवा को जीवन का उद्देश्य बनाए।भारतीय अध्यात्म का एक और महान पक्ष ब्रह्मभोज की परंपरा है। सत्संग के पश्चात आयोजित होने वाला हरे माधव ब्रह्मभोज केवल भोजन ग्रहण करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि समानता, प्रेम और सामूहिक चेतना का प्रतीक है। जब हजारों लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं, तब वहाँ अमीर-गरीब, जाति-पंथ और ऊँच-नीच की दीवारें स्वत: समाप्त हो जाती हैं। यही सर्वधर्म समभाव का वास्तविक स्वरूप है। भारतीय संस्कृति ने सदियों से यही सिखाया है कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है।

साथियों बात अगर हम विश्व स्तर पर आज जब मानवता की मुख्य समस्याओं को समझने की करें तो युद्ध,तनाव,मानसिक अवसाद, अकेलेपन और भौतिक प्रतिस्पर्धा की आग में झुलस रही है, तब भारत की आध्यात्मिक विरासत एक आशा की किरण बनकर उभर रही है। यही कारण है कि दुनिया भर के सैलानी और साधक भारत की यात्रा को केवल पर्यटन नहीं, बल्कि आत्मिक अनुभव मानते हैं। कोई वाराणसी के घाटों पर शांति खोजता है, कोई हर की पौड़ी में आस्था का प्रवाह महसूस करता है, कोई हिमालय की गुफाओं में ध्यान की अनुभूति करता है, तो कोई संतों के सत्संग में बैठकर जीवन का अर्थ खोजता है। भारत की यही विशेषता उसे विश्व का आध्यात्मिक ध्रुव बनाती है। यहाँ धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

-कांतिलाल मांडोत

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है।

देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं।

यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे विफलता नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं।

कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा।

कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए।

सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। दुनिया के विकसित देश भी ऊर्जा बचत के लिए जनता से अपील करते हैं। लेकिन भारत में कांग्रेस हर सकारात्मक प्रयास का मजाक उड़ाने लगती है।

राहुल गांधी का यह कहना कि 卐देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं वास्तव में उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। जनता जानती है कि मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत बनाया है। कोरोना महामारी के समय भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सीन दी बल्कि दुनिया के कई देशों की मदद भी की। सीमाओं पर भारत की ताकत बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आई है। अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब किसी कमजोर नेतृत्व में संभव नहीं होता।

सच्चाई यह है कि कांग्रेस आज भी पुराने राजनीतिक ढर्रे से बाहर नहीं निकल पाई है। उसे लगता है कि केवल आलोचना करके जनता का समर्थन मिल जाएगा। लेकिन देश अब बदल चुका है। जनता समझती है कि राष्ट्रहित में कभी-कभी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिस तरह लालबहादुर शास्त्री की अपील को देश ने स्वीकार किया था, उसी तरह आज भी लोग समझते हैं कि संकट के समय देश के साथ खड़ा होना आवश्यक है।

विडंबना यह है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं की विरासत भूल चुकी है। यदि शास्त्री जी आज जीवित होते तो शायद कांग्रेस उन्हें भी 卐विफल प्रधानमंत्री卐 कह देती। क्योंकि आज की कांग्रेस का उद्देश्य राष्ट्रहित नहीं बल्कि केवल सत्ता प्राप्ति रह गया है। वह हर उस कदम का विरोध करती है जिससे भारत मजबूत बनता है।

भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा है। दुनिया भारत को नई आशा के रूप में देख रही है। वैश्विक संस्थाएं भारत की आर्थिक क्षमता की सराहना कर रही हैं। विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारतीय तकनीक, उद्योग और युवाशक्ति दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे समय में देश को नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि सकारात्मक सोच की आवश्यकता है।

राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं होता। उसमें जनता की भी भूमिका होती है। यदि देशहित में कुछ समय के लिए संयम बरतने की अपील की जाती है तो उसे राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। भारत ने हमेशा त्याग, अनुशासन और एकता के बल पर चुनौतियों को हराया है और आगे भी हर संकट से मजबूती के साथ बाहर निकलेगा।

दवा नहीं, जहर का कारोबार-भारत की साख पर संकट

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवा ? है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को 卐फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड卐 कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुर्माने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी क ?ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंतत: आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके।

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। ब ?ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलंक है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ताजा पूछपरख आने से शुक्रवार को दलहनों में तुअर, उड़द व मूंग में बाजार तेजी के रहे। चना 5800-5825 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। खाद्य तेलों में बाजार नरमी पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार दलहनों में तुअर, उड़द व मूंग में लेवाली से बाजार तेजी के रहे। चना 5800-5825 रू. प्रति क्विटल पर बना रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा रहा। बाजार सुस्ती के देखे गये। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में सुस्ती रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4180-4240, खोपरा गोला 375-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 225-250, ऊंझा हल्का 250-280, बेस्ट 270-290, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2500-2550, (250) 2750-2800

तेल- सींगदाना 1560-1580, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2460, सोया साल्वेंट 1405-1410, सोया रिफाइंड 1485-1490, कपास्या 1435, धूलिया 1440, कड़ी 1445,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7500-7700, रायडा 6500-6700, सोयाबीन 7000-7200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5800-5825, एवरेज 5600-5700, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7700-7800, मूंग पुराना बोल्ड 8500-8800, मीडियम 7800-7900, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा अच्छी रही। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 261000, चाँदी (99) 260800, टंच 260500, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 155000,

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 22 पैसे की गिरवट के साथ ही 95.86 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह 30 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 पर पहुंच गया। रुपये में ये गिरावट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और पश्चिम एशिया संकट को लेकर निवेशकों की कमजोर धारणा के कारण आई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि तेल की कीमतों में तेजी के बीच डॉलर की खरीदारी जारी रहने के कारण रुपया दबाव में है और यह 96 के निशान के बहुत करीब बना हुआ है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.86 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 तक टूट गया जो पिछले बंद भाव से 30 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.96 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक कमजोर हुआ।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दोपहर बाद बिकवाली हावी होने से आई है। आज शुरुआती कारोबार के दौरान मार्केट में तेज़ी देखने को मिली थी पर दिन के अंत में उसके हाथ से बढ़त निकल गयी। मेटल, ऑयल एवं गैस तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच निवेशकों की सतर्कता से भी बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 160.73 अंक नीचे आकर 75,237.99 पर बंद हुआ । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46.10 अंक फिसलकर 23,643.50 पर बंद हुआ, जिससे इसकी दो दिन की लगातार बढ़त का सिलसिला टूट गया। आज टाटा स्टील, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेंट, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स सेंसेक्स

शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं इंफोसिस, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, अदानी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी इंडिया, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों में तेजी रही। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में ज़्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 में 0.45 फिसदी की गिरावट और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.61 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी की निफ्टी 50 की कंपनियों में टाटा मोटर्स पीवी , डॉ रेड्डीज में , इंफोसिस और टेक महिंद्रा में बढ़त रही जबकि हिंडाल्को क्वालिटी वॉल्स , नेस्ले इंडिया म, टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 98 अंक बढ़कर 75,497 पर और निफ्टी 41 अंक ऊपर 23,731 के स्तर पर खुला। आज एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी रही। जापान के निक्केई में 0.89 फीसदी और टॉपिक्स में 1.18 फीसदी की बढ़त रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.6 फीसदी से उछलकर रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि कोस्डैक 0.4 फीसदी गिरा।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली। एजेंसी। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। ये गिरावट मुनाफावसूली के कारण आई है। इससे दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा भाव में भी गिरावट रही। सुबह घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,60,550 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,81,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट रही। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 1,188 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,60,790 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,61,978 रुपये था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध 11,102 रुपये की गिरावट के साथ 2,80,000 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,91,102 रुपये था। वहीं एक समय यह अनुबंध 10,077 रुपये की गिरावट के साथ 2,81,025 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,81,765 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,79,458 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। कॉमेक्स पर सोना 4,654.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 84 डॉलर के भाव पर खुले। इस पिछला बंद भाव 85.32 डॉलर था।

डिजिटल धोखाधड़ी रोकने भुगतान में देरी के प्रस्ताव पर बैंकों की जताई सहमति

नई दिल्ली। एजेंसी। धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए 10,000 रुपए से ज्यादा के खाता से खाता हस्तांतरण पर एक घंटे की देरी का प्रस्ताव करने वाले आरबीआई के चर्चा पत्र की कई हलकों में आलोचना हुई, लेकिन बैंक कुछ हद तक विलंब के विचार का व्यापक समर्थन करते दिखाई दे रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय बैंक से 10,000 रुपए की सीमा को बढ़ाकर 25,000 रुपए करने का आग्रह किया है। सूत्रों ने कहा कि भुगतान उद्योग संगठन सेल्फ-रेग्युलेटेड पीएसओ एसोसिएशन ने भी नियामक को अपनी प्रतिक्रिया भेजी है। उद्योग ने चर्चा पत्र में सुझाए गए सुझावों के संभावित कार्यान्वयन से उत्पन्न परिचालन संबंधी मुद्दों को भी रेखांकित किया है। उद्योग के एक सूत्र ने कहा कि चर्चा पत्र में प्रस्तावित सीमाएं केवल पियर टु पियर हस्तांतरण के लिए हैं। यदि पी2एम प्रवाह के लिए इसी तरह के घोटाले शुरू हो जाएं तो क्या होगा? यह समस्या भरा हो सकता है। उद्योग ने उन परिचालन संबंधी मुद्दों को रेखांकित किया है जो सामने आ सकते हैं, जैसे विलंबित भुगतान, खातों की व्हाइटलिस्टिंग आदि। अप्रैल में जारी एक चर्चा पत्र में रिजर्व बैंक ने डिजिटल भुगतान में बढ़ती धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए कई उपायों का सुझाव दिया था। इसमें लाभार्थी के खाते में धन जमा होने से पहले 10,000 रुपए से ज्यादा के डिजिटल भुगतानों में एक घंटे की देरी करना शामिल है। अन्य उपायों में कमजोर उपयोगकर्ताओं के लिए विश्वसनीय व्यक्तियों द्वारा अतिरिक्त प्रमाणीकरण, जिन खातों में बड़ी राशि जमा होती है, उनकी कड़ी जांच और ग्राहक द्वारा किए जाने वाले सुरक्षा उपायों का विस्तार शामिल है। यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब 10,000 रुपए से ज्यादा के लेनदेन में मात्रा के हिसाब से करीब 45 फीसदी और मूल्य के हिसाब से 98.5 फीसदी धोखाधड़ी हो रही है। डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी में पिछले 5 सालों में मूल्य के मामले में लगभग 41 गुना वृद्धि हुई है और यह लगभग 23,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है।

मेष- आज का दिन आपके लिए खास उपलब्धियों का संकेत लेकर आया है। लंबे समय से अटका कोई जरूरी काम आखिरकार पूरा हो सकता है। परिवार में एकजुटता बनी रहेगी और संतान की खुशी के लिए नया वाहन खरीदने का योग बन रहा है। सेहत को लेकर लापरवाही भारी पड़ सकती है, इसलिए सावधानी जरूरी होगी। अनजान लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसान दे सकता है।

वृषभ- आज का दिन सामान्य होते हुए भी कई नए अवसर लेकर आ सकता है। नई नौकरी का ऑफर आकर्षित करेगा, लेकिन फिलहाल पुरानी जगह टिके रहना समझदारी होगी। रिश्तों में मजबूती आएगी और वरिष्ठों का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा। अचानक खर्च बढ़ने से थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन आपकी मेहनत आपको एक नई पहचान दिलाने वाली है। कुछ खास लोगों से मुलाकात भविष्य के लिए लाभकारी साबित होगी।

मिथुन- आज लेन-देन के मामलों में सतर्कता बरतना बेहद जरूरी रहेगा। पुराने मित्र से मुलाकात बीती यादों को ताज़ा कर सकती है। जिम्मेदारियों से पीछे हटने के बजाय पूरे आत्मविश्वास से आगे बढ़ेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। जीवनसाथी के लिए किया गया कोई सरप्राइज रिश्तों में नई मिठास घोल देगा। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं और रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है।

कर्क- आज का दिन सकारात्मक बदलाव लेकर आ सकता है। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है, लेकिन धैर्य और समझदारी से स्थिति संभल जाएगी। गुस्से पर कंट्रोल रखना आपके लिए सबसे बड़ा हथियार होगा। भाई-बहनों के साथ चल रहे विवाद सुलझाने का सही समय है। लंबे समय से अटका सरकारी काम पूरा होने से राहत महसूस होगी।

सिंह- आज भागदौड़ ज्यादा रहेगी, लेकिन मेहनत का फल भी मिलेगा। बिजनेस में नई पार्टनरशिप भविष्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। परिवार में शादी-विवाह से जुड़ी रुकावटें दूर होने से खुशी का माहौल बनेगा। काम का दबाव शाम तक थकान और सिरदर्द दे सकता है, इसलिए आराम भी जरूरी है। उधार लेने से बचें, वरना आगे परेशानी बढ़ सकती है।

कन्या- आज जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करना आपकी सफलता की कुंजी बनेगा। परिवार के बड़े बुजुर्गों की सेहत पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन लाभकारी रह सकता है। आपकी लोकप्रियता और जनसमर्थन बढ़ेगा। नया पद या सम्मान मिलने के संकेत भी दिखाई दे रहे हैं। यात्रा के दौरान सावधानी रखना बेहद जरूरी होगा।

तुला- आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी रहेगा। आय और खर्च के बीच तालमेल ही आपकी शांति बनाए रखेगा। परिवार की समस्याओं में बाहरी लोगों की सलाह लेने से बचें। वरिष्ठों की सलाह आपके लिए मार्गदर्शक साबित होगी। सेहत को नजरअंदाज करना मुश्किलें बढ़ा सकता है। ऑफिस में फोकस बनाए रखें, नहीं तो बॉस नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन खुशियों और नए बदलावों से भरा रह सकता है। दूर रहने वाले किसी प्रियजन से मुलाकात मन को सुकून देगी। घर की सजावट या रिनोवेशन पर खर्च बढ़ सकता है। छोटे बच्चों की फरमाइशें आपका दिल खुश कर देंगी। लेन-देन के मामले आसानी से सुलझने से रुके हुए काम भी गति पकड़ेंगे। मां की बातों को हल्के में लेने से बचें।

धनु- आज तरक्की के नए रास्ते आपके सामने खुल सकते हैं। बिजनेस को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की योजना सफल हो सकती है। दोस्तों के साथ बिताया गया समय तनाव कम करेगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और प्रेम जीवन में खास मुलाकात दिल को खुश कर सकती है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिलने के संकेत हैं।

मकर- आज उन्नति की रफ्तार तेज रहने वाली है। आपकी मेहनत और तेजी से किए गए काम कुछ लोगों को परेशान कर सकते हैं, जिससे नए विरोधी भी बन सकते हैं। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में समझदारी से कदम बढ़ाना जरूरी होगा। सरकारी कामों में सफलता मिलने की संभावना है। दूसरों पर निर्भर रहने से बचें, क्योंकि कोई आपके काम में रुकावट डाल सकता है।

कुंभ- आज का दिन बाकी दिनों से ज्यादा खुशनुमा और सुकून भरा रहेगा। घर-परिवार में खुशी और एकता का माहौल बना रहेगा। संतान की परीक्षा का परिणाम मन को राहत देगा। जीवनसाथी को प्रमोशन मिलने से गर्व और खुशी महसूस होगी। भाई-बहनों की सलाह आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा, लेकिन किसी करीबी की सेहत को लेकर चिंता बनी रह सकती है।

मीन- आज थोड़ी सावधानी और समझदारी की जरूरत रहेगी। छोटी लापरवाही बड़ी परेशानी खड़ी कर सकती है। कार्यक्षेत्र में किसी से बहस होने की संभावना है, इसलिए शब्दों पर नियंत्रण रखें। अविवाहित लोगों के जीवन में प्यार की नई शुरुआत हो सकती है। बिजनेस में किया गया निवेश भविष्य में अच्छा लाभ देगा। पार्टनरशिप में कदम बढ़ाने से पहले पूरी जांच-पड़ताल जरूर करें।

शब्दजाल - 8260

शब्द जाल में अमजद खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शोले, चरस, शतरंज के खिलाड़ी, परवरिश, कुर्बानी, दादा, देश परदेश, हम किसी से कम नहीं, जमानत, लूटमार।

भा	क	श	त	रं	ज	के	खि	ला	ड़ी	र
र	च	ल	प	व	जी	ग	द	इ	मा	ली
त	र	र्म	ल	र	छ	पु	र	ट	ह	क
क	स	ज	कु	ह	व	न	लू	ल	म	क
क	क	दो	र्बा	म	लं	रि	तू	ग	कि	क
जी	क	ल	नी	कि	झ	पू	श	ण	सी	को
ती	ज	मा	न	त	प	दे	श	र	से	ल
क	ता	दा	ई	से	र	क	फ	लो	क	न
ने	बा	चे	न्न	प	जी	ल	री	ग	म	स्ता
द	पा	ल	श	व	दा	दा	ऐ	बें	न	शो
क	क	दे	प	ची	न	रा	बा	द	हीं	ले

शब्दजाल - 8259 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7204

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३

३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२

६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३

८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२

१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३

१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२

१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३

१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४

१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३

२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३

२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२

२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२

२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५

३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२

३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३

३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३

२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२

३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२

४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३

५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२

७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२

९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३

११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३

१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३

१५. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४

१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३

१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३

१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२

२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२

२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२

२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३

२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४

२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३

२८. रेमो फर्नाडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३

३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7203

घा	त	■	स	फ	र	■	आ	क्रो	श
य	■	■	फा	■	ह	मे	शा	■	■
ल	व	स्टो	री	■	मा	ला	■	अं	■
■	ही	■	■	आ	न	■	आ	जा	द
अं	दा	ज	■	ई	■	सं	ग	म	■
■	या	रा	ना	■	सा	■	■	खु	
खा	■	ज	■	स	र	फ	रो	श	
मो	■	■	सु	र	■	रा	■	बू	
शी	र्वा	द	■	ग	द	र	■	■	
■	■	स	न	म	■	■	यु	वा	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

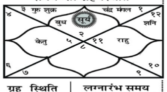

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	वृष	05.19 बजे से
चंद्र	मेष में	मिथुन	07.17 बजे से
मंगल	मेष में	कर्क	09.31 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	13.59 बजे से
शुक्र	मिथुन में	तुला	16.09 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.24 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	20.40 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	22.45 बजे से
		कुंभ	00.32 बजे से
		मीन	02.04 बजे से
		मेष	03.35 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 136 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 01.31 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 17.30 बजे को समाप्त। **योग** सौभाग्य 10.26 बजे को समाप्त। **करण** चतुष्पद 15.23 बजे तदनन्तर नाग 01.31 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 19° 03' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872711 **जूलियन दिन** 2461176.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 28 **विशेष** वट सावित्री व्रत, शनि जयंती, दर्श अमावस्या।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: दो होशियार

क्ले और पिआ मंदिर के अहाते में रहने वाले दो मित्र थे। एक दिन क्ले की मां उससे मिलने आई। उसने जेब खर्च के लिए अपने बेटे को पांच भाट (थाइलैंड की मुद्रा) दिए। क्ले ने बहुत सोचा कि उसे कहां रखा जाए। आखिर उसने उसे जमीन में गाड़ दिए और उस जगह पर निशानी के लिए एक तख्ती लिख कर लगा दी। तख्ती पर लिखा था- यह वह जगह नहीं है जहां पांच भाट गड़े हुए हैं। शाम को काम से निबट कर पिआ उधर सैर करने निकला। उसे तख्ती देखकर आश्चर्य हुआ। उसने जमीन खोदकर पैसे निकाले और उन्हें लेकर चलता बना। लेकिन पिआ भी यह दिखना चाहता था कि उसको भी लिखना आता है, उसने क्ले की तख्ती पर जो लिखा था उसे मिटा कर लिख दिया, पैसे पिआ ने नहीं लिए। कुछ देर सैर करने के बाद क्ले को अपने पैसे की चिंता हुई। वह उस जगह वापस गया जहां पैसे गड़े थे। जमीन खोदी, पर पैसा नदारद था। परेशान क्ले रोता हुआ मंदिर के पुजारी के पास गया उसने सारी बात सुनी और वह तख्ती भी देखी। पुजारी ने पिआ को पकड़ बुलाया और सारा पैसा वसूल कर लिया। इस तरह क्ले और पिआ अपने को होशियार दिखाने के चक्कर में खुद ही मूर्ख बन गए।

सूडोकु नवताल- 7513

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7512 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 8728

बाएँ से दाएँ

1. तरंग, हिलोर-3
3. झगड़ा, द्वेष, कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा, थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया, पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन, प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान, रब, करतार -4
21. श्रवणेंद्रिय-2
23. प्राण, जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया, करुणा-3
3. शर्ट, बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र, कुलीन-3
7. बड़ा भवन, कोठी-3
8. हमेशा, हर पल-4
9. यात्री, पथिक, राहगीर-2
12. कुख्यात-2,2
15. तमीज, तहजीब-3
16. रात्रि, रजनी-2
18. शोषण करना, दबाना-3
19. आसान, सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. झुका हुआ-2
23. मर्तबान, रूस का राजा-2

शब्द पहेली -8727 का हल

म	न	■	श	री	र	■	ज	ला
त	■	ह	र	म	■	न	हा	ना
■	आ	रा	म	■	रा	ज	न	■
क	स	म	■	ल	ह	र	■	त
र	न	■	ग	ल	त	■	भ	ला
म	■	स	ब	क	■	का	र	क
■	आ	ब	रू	■	ह	र	ना	■
म	ह	ल	■	का	र	ण	■	त
न	ट	■	क	ल	म	■	शा	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान के नाम पर दीवारों व पोस्टरों में चमकती परिषद, जमीन पर बदहाल सफाई व्यवस्था

सीएमओ एवं इंजीनियर की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

पद्मेश न्यूज। लांजी। स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंक हासिल करने की होड़ में नगर परिषद लांजी इन दिनों नगर की सफाई व्यवस्था सुधारने से ज्यादा पोस्टर, बैनर और दीवार लेखन की सजावट में मशगूल नजर आ रही है। नगर की गलियों में पसरी गंदगी, बजबजाती नालियां, दम तोड़ते कचरा वाहन और शोपीस बनी फॉगिंग मशीन परिषद के दावों की कलई खोल रही है। आरोप है कि स्वच्छता के नाम पर लाखों रुपये शासकीय राशि पानी की तरह बहाई जा रही है, लेकिन धरातल पर हालात बद से बदतर बने हुए हैं। नगरवासियों के बीच चर्चा है कि परिषद के जिम्मेदार अधिकारी कागजों में स्वच्छता का महल खड़ा कर अपनी पीठ थपथपाने में लगे हैं, जबकि शहर की जनता गंदगी और अव्यवस्था से हलाकान है। सबसे ज्यादा सवाल परिषद के सीएमओ और इंजीनियर की कार्यशैली पर उठ रहे हैं, जिन पर सफाई व्यवस्था सुधारने के बजाय केवल दिखावे और खर्चीले प्रचार पर ध्यान देने के आरोप लग रहे हैं। दरअसल स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर निकायों को सफाई व्यवस्था, घर-घर कचरा संग्रहण, सूखा-गीला कचरा पृथक्करण, नालियों की सफाई, सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था, कचरा निस्तारण और नागरिक सहभागिता जैसे बिंदुओं पर अंक दिये जाते हैं। मगर लांजी नगर परिषद इन मापदंडों पर काम करने के बजाय दीवारों पर नारे लिखवाकर और जगह-जगह पोस्टर टांगकर स्वच्छता का ढिंढोरा पीटती नजर आ रही है।

नगर की सफाई छोड़ जनप्रतिनिधियों के घर चमका रहे कर्मचारी

नगर के कई वार्डों में नियमित सफाई नहीं होने से कचरे के ढेर लगे हुए हैं। लोगों का आरोप है कि परिषद के कई सफाई कर्मचारी शहर की सफाई छोड़ पार्षदों और वरिष्ठ अधिकारियों के घरों में निजी सेवा देने में व्यस्त रहते हैं, जबकि उनका वेतन परिषद से निकाला जा रहा है। ऐसे में आम जनता को गंदगी और बदबू का सामना करना पड़ रहा है। सूत्र बताते हैं कि नगर परिषद द्वारा अब तक कचरा वाहनों के नाम पर लाखों रुपये खर्च किये जा चुके हैं, लेकिन वाहन खराब होने पर उन्हें रिपेयर कराने की जहमत उठाने के बजाय कबाड़ में डाल दिया जाता है। इसके बाद वाहनों की कमी का हवाला देकर नई खरीदी की तैयारी शुरू हो जाती है। नगरवासियों का कहना है कि यदि परिषद का इंजीनियरिंग अमला समय पर वाहनों का रखरखाव करवाता तो बार-बार सरकारी खजाने पर बोझ डालने की जरूरत नहीं पड़ती।

शोभा की सुपारी बनी फॉगिंग मशीन

मच्छरों और बीमारियों से राहत दिलाने के लिये खरीदी गई फॉगिंग मशीन भी कुछ दिनों तक शहर में धुआं उड़ाने के बाद अब परिषद परिसर में शोभा की सुपारी बनी खड़ी है। बरसात सिर पर है, लेकिन मशीन के संचालन और रखरखाव को लेकर परिषद की कोई गंभीरता नजर नहीं आ रही। लोगों का कहना है कि मशीन खरीदी के समय खूब वाहवाही लूटी गई, मगर बाद में उसे भगवान भरोसे छोड़ दिया गया। सूत्रों के अनुसार परिषद में पदस्थ इंजीनियर को सरकारी खर्च पर घूमना ज्यादा पसंद है न की काम पर ध्यान देना।

सवालों के घेरे में कचरा संग्रहण केंद्र की स्थिति

नगर में बने कचरा संग्रहण केंद्र की स्थिति भी सवालों के घेरे में है। जिस तरह नगर में पोस्टर लगाए गए हैं, उसी तरह यहां शैड बनाकर गीला कचरा सूखा कचरा पृथक्करण, कचरे से खाद बनाने, पन्नी , कांच, पत्थर अलग-अलग किए जाने के बोर्ड जरूर लगाए गए हैं, लेकिन वास्तविकता में ऐसा कोई काम किया ही नहीं गया हैं। वर्तमान में बगदेही के आगे पौसेरा मार्ग पर नगर का कचरा डंप किया जा रहा है, जिसके आसपास घना जंगल है, एवं डम्प कचरे जंगल में उड़ रही पन्नीया खुले रूप से पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रही है, एवं वहां फैली गंदगी और बदबू परिषद के दावों की पोल खोलने के लिये काफी है। नगरवासियों में चर्चा है कि परिषद के सीएमओ और इंजीनियर की जोड़ी स्वच्छता सुधारने से ज्यादा कागजी खानापूर्ति और खर्चीले प्रचार में दिलचस्पी ले रही है। लोगों का आरोप है कि सफाई व्यवस्था सुधारने, संसाधनों के रखरखाव और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने के बजाय केवल दिखावटी अभियान चलाकर मोटा बजट ठिकाने लगाने का खेल खेला जा रहा है। फिलहाल स्वच्छता सर्वेक्षण के बीच लांजी नगर परिषद की कार्यप्रणाली आम जनता के बीच सवालों और नाराजगी का सबब बनती जा रही है।

शास. कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल लांजी की छात्राओं को मिला उत्कृष्ट बैडमिंटन एवं लॉन्ग जंप खेल मैदान

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी मुख्यालय में स्थित शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल लांजी की छात्राओं के लिए खेलकूद कभी आसान नहीं था। विद्यालय में समुचित खेल मैदान नहीं होने के कारण छात्राएं खुले और सुरक्षित स्थान के अभाव में खेल गतिविधियों में पूरी तरह भाग नहीं ले पाती थीं। बरसात के दिनों में मैदान कीचड़ से भर जाता था और गर्मियों में उबड़-खाबड़ जमीन पर खेलना मुश्किल हो जाता था। कई छात्राओं के मन में खेलों में आगे बढ़ने का सपना तो था, लेकिन संसाधनों की कमी उनके उत्साह को सीमित कर देती थी। इसी आवश्यकता को समझते हुए पीएम श्री योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक-02 बालाघाट द्वारा विद्यालय परिसर में 5 लाख रुपये की लागत से बैडमिंटन एवं लॉन्ग जंप खेल मैदान का निर्माण कराया गया। खेल मैदान तैयार होने के बाद विद्यालय का वातावरण पूरी तरह बदल गया है। अब छात्राएं नियमित रूप से खेल अभ्यास कर रही हैं और विद्यालय में खेल गतिविधियों को नया उत्साह मिला है। विद्यालय की छात्राओं का कहना है कि पहले खेलकूद केवल वार्षिक कार्यक्रमों तक सीमित रहता था, लेकिन अब प्रतिदिन अभ्यास का अवसर मिल रहा है। खेल मैदान समतल और सुरक्षित होने से छात्राएं बिना किसी डर के खेल पा रही हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और टीम भावना, अनुशासन तथा नेतृत्व क्षमता का भी विकास हो रहा है। विद्यालय के शिक्षकों के अनुसार खेल मैदान बनने के बाद छात्राओं की विद्यालय में रुचि बढ़ी है। नियमित खेल गतिविधियों से विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। पढ़ाई के साथ खेलों में भागीदारी से छात्राओं की एकाग्रता भी बढ़ी है और वे अधिक उत्साह के साथ विद्यालय आ रही हैं। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री मनोज धुर्वे ने बताया कि यह खेल मैदान केवल खेल का स्थान नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के सपनों को नई दिशा देने वाला मंच बन गया है। अब छात्राओं को जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए बेहतर तैयारी का अवसर मिल रहा है। विद्यालय परिसर में सांस्कृतिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों का आयोजन भी अब अधिक व्यवस्थित ढंग से हो पा रहा है। पीएम श्री योजना के अंतर्गत किया गया यह कार्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। यह खेल मैदान ग्रामीण अंचल की छात्राओं के लिए नई ऊर्जा, नया आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की उम्मीद बनकर उभरा है।

बेमौसम बारिश से बढ़ी किसानों की चिंता, खेतों में रखी धान की फसल भीगी

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में 14 और 15 मई की मध्यरात्रि हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। अचानक बदले मौसम और तेज बारिश के साथ हवा भी चलने के कारण खेतों में काटकर रखी गई रबी सीजन की धान की फसल प्रभावित होने लगी है। कई किसानों ने फसल की कटाई तो कर ली थी, लेकिन मौसम साफ रहने की उम्मीद में उसे खेतों में ही सुखाने और मिसाई के लिए रखा हुआ था। इसी बीच हुई बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में देर रात शुरू हुई बारिश से खेतों में रखी धान की गाठें और फसल भीग गईं। किसानों का कहना है कि यदि मौसम लगातार खराब रहा तो धान की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। कई स्थानों पर किसानों ने रात में ही फसल को सुरक्षित करने का प्रयास किया, लेकिन अचानक हुई बारिश के कारण वे पूरी फसल नहीं बचा सके। क्षेत्र के किसानों ने बताया कि इस वर्ष खेती में पहले ही लागत बढ़ चुकी है। खाद, बीज और मजदूरी के बढ़ते खर्च के बीच अब बेमौसम बारिश ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी है। किसानों को डर है कि यदि धान अधिक समय तक भीगी रही तो उसमें अंकुरण और सड़न जैसी समस्या उत्पन्न हो सकती है, जिससे बाजार में उचित मूल्य मिलना भी मुश्किल हो जाएगा। ग्रामीण अंचलों में मौसम के लगातार बदलते मिजाज को लेकर किसान चिंतित नजर आ रहे हैं। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि यदि फसलों को नुकसान होता है तो सर्वे कराकर उचित मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

सिविल अस्पताल लांजी में बंद पड़ी सोनोग्राफी मशीन, मरीज लगा रहे गोंदिया-बालाघाट के चक्कर - सौरभ (मोनू) पशीने

पद्मेश न्यूज। लांजी। कोरोना काल के बाद पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हिना लिखीराम कावरे द्वारा अपनी निधि से दी गई सोनोग्राफी मशीन लांजी सिविल अस्पताल में लंबे समय से बंद पड़ी है। कुशल टेक्नीशियन के अभाव में मशीन का उपयोग नहीं हो पा रहा है, जिससे गरीब प्रसूति महिलाओं समेत आम मरीजों को सोनोग्राफी के लिए गोंदिया और बालाघाट जाना पड़ रहा है और 2500 से 3000 रुपये तक खर्च करने पड़ रहे हैं। इस गंभीर समस्या को लेकर सौरभ (मोनू) पशीने अध्यक्ष नगर कांग्रेस कमेटी लांजी ने कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि अस्पताल को नेशनल क्वालिटी मैनेजमेंट टीम द्वारा अच्छी रैंकिंग मिल रही है, लेकिन बुनियादी सुविधा सोनोग्राफी बंद पड़ी है। यह विरोधाभास क्यों?

ज्ञापन में ये मुख्य बातें उठाई गईं

पूर्व में सप्ताह में एक बार सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध थी, लेकिन अब मशीन पूरी तरह बंद है। टेक्नीशियन न होने के कारण मरीजों को बाहर जाना पड़ रहा है। प्रसूति महिलाओं को यात्रा में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यदि शासन-प्रशासन द्वारा जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो मजबूरन अस्पताल प्रशासन के खिलाफ धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करना पड़ेगा। ज्ञापन में जिला कलेक्टर बालाघाट को मुख्य संबोधित करने के अलावा प्रतिलिपि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल जी, रोगी कल्याण समिति लांजी, पूर्व विधायक सुश्री हिना लिखीराम कावरे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट, अनुविभागीय दण्डाधिकारी लांजी और खंड चिकित्सा अधिकारी लांजी को भी भेजी गई है। सौरभ (मोनू) पशीने अध्यक्ष नगर कांग्रेस कमेटी लांजी का कहना है कि सरकारी अस्पताल में ऐसी महंगी मशीन बंद पड़ी रहना जनता के साथ अन्याय है। खासकर गरीब और ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। उन्होंने शासन से तत्काल टेक्नीशियन की नियुक्ति कर मशीन चालू करने की मांग की है।

सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव में 15 दिवसीय समर कैंप का भव्य समापन

छात्र-छात्राओं ने दिखाया बहुमुखी हुनर, प्राचार्य गुरदे बोले- सीख जीवन में काम आएगी

पद्मेश न्यूज। लांजी। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बोलेगांव लांजी में चल रहे 15 दिवसीय समर कैंप का शुक्रवार 15 मई को भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी छुपी प्रतिभाओं को खूब निखारा और मंच पर न सिर्फ हस्तकला बल्कि सांस्कृतिक व खेल प्रतिभाओं का भी शानदार प्रदर्शन किया। समारोह का शुभारंभ प्राचार्य बी.आर. गुरदे, उपप्राचार्य प्रवीण साहु सहित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना से किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने समर कैंप के दौरान बनाई गई आकर्षक हस्तकला वस्तुएं, मूर्तियां, पोस्टर, सिनरी प्रदर्शित कीं। साथ ही निबंध लेखन, वाद-विवाद, कहानी लेखन, पत्र लेखन जैसी सृजनात्मक गतिविधियों के नमूने भी रखे गए। खेलकूद में केरम, शतरंज, बैडमिंटन का प्रदर्शन और तबला व हार्मोनियम वादन ने पूरे माहौल को सजीव बना दिया। समापन अवसर पर संबोधित करते हुए प्राचार्य बी.आर. गुरदे ने कहा, यह समर कैंप छात्र-छात्राओं को अपने हुनर को निखारने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है। इन 15 दिनों में जो कुछ भी उन्होंने सीखा है, वह निश्चित रूप से उनके भविष्य और जीवन में उपयोगी साबित होगा। उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने बच्चों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों का गहरी दिलचस्पी से निरीक्षण किया और उनकी तारीफ करते हुए प्रोत्साहित किया। ग्राम के गणमान्य नागरिकों और विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को और यादगार बना दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्राथमिक शिक्षक संतोष कुमार पटले ने किया।

विद्युत तार टूटने से दो मवेशियों की दर्दनाक मौत, ग्रामीणों ने विद्युत विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम कारंजा के अवारी टोला में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में दो किसानों के पालतू मवेशियों की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मिली जानकारी के अनुसार घटना 15 मई की सुबह लगभग 7-10 बजे की है। अवारी टोला निवासी किसान तुकाराम पिता दशरथ अगासे एवं पुरुषोत्तम पिता परसराम भंडारकर ने प्रतिदिन की तरह अपने पालतू जानवरों को घर से निकालकर सड़क किनारे बांध रखा था। इसी दौरान ऊपर से गुजर रहा विद्युत तार अचानक टूटकर नीचे गिर गया, जिसकी चपेट में आने से एक बैल एवं एक बोदा गंभीर रूप से झुलस गए और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल विद्युत विभाग एवं थाना लांजी पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों का कहना है कि तार टूटने की जानकारी विभाग को समय रहते दे दी गई थी, लेकिन विभाग का कोई भी जिम्मेदार कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। लोगों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लगे विद्युत तार कई वर्षों पुराने और जर्जर हो चुके हैं तथा कई स्थानों पर तारों को अस्थायी रूप से बांधकर रखा गया है, जिससे हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय रहते विद्युत विभाग द्वारा मेंटेनेंस कार्य कराया जाता तो यह हादसा टाला जा सकता था। लोगों ने विभाग से मृत मवेशियों के मालिकों को उचित मुआवजा देने एवं जर्जर विद्युत लाइनों को तत्काल बदलने की मांग की है। वहीं विद्युत विभाग द्वारा भी मामले की जांच किए जाने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार कार्य नहीं किया गया तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

बालाघाट में कार्यों की प्रगति संतोषजनक नहीं-कलेक्टर

मृणाल मीना ने की नगरीय निकायों के विकास कार्यों की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 15 मई को जिले के नगरीय निकाय बालाघाट, वारासिवनी, मलाजखंड, बैहर, कटंगी एवं लांजी के अधिकारियों की बैठक लेकर नगरीय क्षेत्रों में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर एवं शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी राहुल नायक उपस्थित थे।

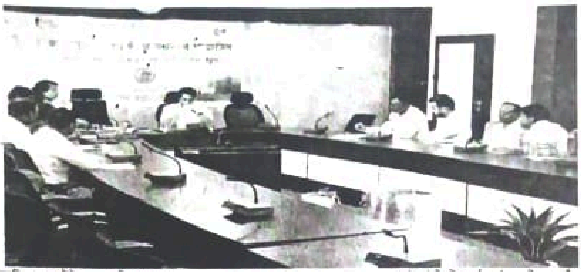

स्वच्छता सर्वेक्षण एवं साफ-सफाई पर जोर

बैठक में सर्वप्रथम नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता सर्वेक्षण की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि बैहर एवं कटंगी में स्वच्छता सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, जबकि अन्य निकायों में इसकी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कलेक्टर श्री मीना ने निर्देश दिए कि इस वर्ष सभी निकायों की रैंकिंग में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सर्वेक्षण तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे वर्ष नियमित रूप से जारी रहनी चाहिए। साथ ही प्लास्टिक एवं अन्य कचरे के उचित निस्तारण और सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाने के निर्देश भी दिए गए।

अमृत 2.0 योजना एवं जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा

अमृत 2.0 अभियान के अंतर्गत वाटर सप्लाई योजनाओं की समीक्षा में पाया गया कि बालाघाट में कार्यों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, जबकि कटंगी एवं लांजी में कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। कलेक्टर श्री मीना ने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल आपूर्ति योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराया जाए। इसके साथ ही वर्षा ऋतु शुरू होने से पहले नालियों एवं नालों की सफाई सुनिश्चित करने और जलभराव की स्थिति न बनने देने के निर्देश दिए गए। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में ग्रीन एरिया विकसित करने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक नगरीय क्षेत्र में दो-दो तालाबों के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य करने को कहा गया।

आवास योजना एवं श्रमिक पंजीयन के निर्देश

आवास योजना की समीक्षा के दौरान नगरीय निकायों में निर्मित आवासों को शीघ्र हितग्राहियों को आवंटित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी निकायों को अपने क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों का पीएम श्रमयोगी मानधन योजना में पंजीयन कराने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में पीएम स्वनिधि योजना के प्रकरणों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाया जाए।

श्री शनि देवजी की प्रतिमा स्थापना दिवस आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नगर के मैन रोड सराफा मार्केट स्थित प्राचीन शनि मंदिर में शनि अमावस्या पर सूर्यपुत्र श्री शनी देवजी की प्रतिमा स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जहां स्थापना के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। जिसकी तमाम तैयारियां पूर्ण कर ली गई है इस पावन अवसर पर मन्दिर में भगवान शनि के दर्शन के लिए शनिवार 16 मई को सुबह से ही भक्तों का जनसैलाब उमड़ेगा, तो वही शनि मंदिर में दोनों समय की महाआरती, प्रसाद वितरण, भजन कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे।

आज ही के दिन शिंगणपुर में शनि महाराज प्रतिमा की हुई थी स्थापना- जोशी

श्री शनि देवजी की प्रतिमा जन्मोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमों को लेकर की गई चर्चा के दौरान शनि मंदिर पुजारी पंडित श्री जोशी ने बताया कि शनि सावित्री अमावस्या पर महाराष्ट्र के शनि शिंगणापुर में शनि महाराज की प्रतिमा स्थापित की गई थी। जिसके तहत पूरे देश में उसी दिन भगवान शनि की मूर्ति स्थापना दिवस मनाया जाता है वही सावित्री अमावस्या से लगभग 2 माह बाद सावन हरियाली अमावस्या में शनि जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। जिन्होंने सभी श्रद्धालुओं से शनिदेव जी कि प्रतिमा स्थापना दिवस के अवसर पर सराफा बाजार स्थित शनि मंदिर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सह परिवार उपस्थित रहकर शनि देव जी के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करने की बात कही है।

छात्रा मीनल अग्रवाल का चरेगांव में किया गया सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सीबीएसई बोर्ड कक्षा 12 की परीक्षा में केंद्रीय विद्यालय की छात्रा कु. मिनल अग्रवाल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये विद्यालय में प्रथम तो वही जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने पैतृक गांव एवं क्षेत्र का नाम गौरान्वित किया है। छात्रा की इस उल्लेखनीय सफलता पर ग्राम पंचायत चरेगांव द्वारा छात्रा का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जहां पंचायत सरपंच श्रीमती ...निता बिसेन, उपसरपंच सचिव सहित समस्त पंचायत के पंचगण द्वारा गांव की बेटी की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की कामनाएं की गई। आयोजित सम्मान समारोह में सरपंच ने छात्रा कु मीनल अग्रवाल को तिलक वंदन कर फूलमाला पहनाई तथा मिठाई खिलाकर बधाई दी इस अवसर पर ग्रामवासियों एवं परिजनो ने भी छात्रा की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया सरपंच ने कहा की गांव की बेटियां आज शिक्षा के क्षेत्र मे निरंतर आगे बढ़ रही है और मीनल अग्रवाल की उपलब्धी अन्य विद्यार्थियों के लिये प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत एवं लगन के साथ पढ़ाई करने का आह्वान करते हुये कहा की शिक्षा ही उज्वल भविष्य का आधार है उधर कु. मीनल अग्रवाल ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता गुरुजनो एवं निरंतर अध्ययन को दिया है इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधी ग्रामीणजन विधार्थी एवं परिजनै उपस्थित रहे, गांव मे छात्रा की सफलता को लेकर उत्साह का माहौल देखा गया।

आईटीआई बालाघाट में प्रमाण पत्र वितरण समारोह सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) बालाघाट में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना (...) अंतर्गत प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके प्रशिक्षणार्थियों के लिए 15 मई 2026 को प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर संस्था की प्राचार्य श्रीमती सपना रहांगडाले ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के माध्यम से युवाओं को निःशुल्क तकनीकी प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्राचार्य श्रीमती रहांगडाले ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना के अंतर्गत अब तक संस्था द्वारा 8 बैचों में कुल 158 प्रशिक्षणार्थियों का पंजीयन किया गया है। इनमें से 133 प्रशिक्षणार्थियों का असेसमेंट कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 123 प्रशिक्षणार्थियों के प्रमाण पत्र पोर्टल पर जनरेट किए जा चुके हैं। वर्तमान में 25 प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण कार्य जारी है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने प्रशिक्षणार्थियों के कौशल एवं मेहनत की सराहना करते हुए उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अतिथियों ने कहा कि तकनीकी प्रशिक्षण आज के समय में युवाओं के लिए बेहतर भविष्य का मजबूत आधार बन रहा है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती प्रीती मार्सकोले, महाप्रबंधक रोजगार एवं उद्योग विभाग बालाघाट, श्रीमती माधवी मनीष पटले, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विकास इकाई, कमल ब्राम्हे, प्राचार्य सतपुड़ा प्राइवेट आईटीआई बालाघाट एवं अंकित लिल्हारे, डायरेक्टर अंकित सोलर पावर प्राइवेट लिमिटेड बालाघाट उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्था के भारत नेवारे (प्रशिक्षण अधीक्षक), दशरथ बिसेन, अरुण कुमार रामटेके, जगदीश मेश्राम, प्रशांत मेश्राम (प्रशिक्षण अधिकारी), संकेत मेश्राम (औषधि संयोजक), रविंद्र भारती एवं विशाल चौधरी (कर्मशाला सहायक) का विशेष सहयोग रहा।

मॉडल से साध्वी बनीं हर्षानंद का आरोप- संत प्रवचन रोकने की कोशिश में

उज्जैन। उज्जैन में मॉडल से साध्वी बनीं हर्षा रिछारिया, जो अब हर्षानंद गिरि के नाम से प्रसिद्ध हैं, फिर चर्चा में हैं। उन्होंने उज्जैन के लक्ष्मीपुरा में संपन्न हुए अपने सात दिवसीय दैनिक प्रवचन कार्यक्रम के समापन पर कुछ संतों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हर्षानंद ने कहा कि उन्हें प्रवचन करने से रोकने और उनके बोलने का समय कम करने की कोशिश की गई, लेकिन वह मां भगवती की कृपा से डटी रहीं। साथ ही उन्होंने कहा, जिस पर मां भगवती का आशीर्वाद हो, उन्हें कोई नहीं रोक सकता। किसी भी संगठन में इतना सामर्थ्य नहीं कि वह धर्म के मार्ग को रोक सके। उन्होंने कहा कि वह इन विरोधों के बावजूद रुकने वाली नहीं हैं।

कार्यक्रम के बाद वीडियो में हर्षानंद ने बताया कि शुरुआत के तीन दिन सब सामान्य था, लेकिन श्रद्धालुओं, खासकर महिलाओं की बढ़ती संख्या के बाद चौथे दिन से उनके प्रवचन का समय कम करने का प्रयास किया गया। उनका दावा है कि कुछ संत नहीं चाहते थे कि उनका प्रवचन लंबे समय तक चले। यह कार्यक्रम 8 मई से लक्ष्मीपुरा में 108 कुंडीय यज्ञ के दौरान आयोजित किया गया था।

बैहर में उत्कृष्ट विद्यार्थियों का किया गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ...कलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बैहर में शुक्रवार 15 मई 2026 को कक्षा 10वीं एवं 12वीं की एमपी और सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान समारोह एवं विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं प्रभारी परियोजना प्रशासक आईटीडीपी बैहर अर्पित गुप्ता ने की, जबकि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व परसवाड़ा श्री ...स्वामी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सहायक परियोजना प्रशासक आईटीडीपी बैहर श्रीमती विमला सख्याम, विकासखंड अधिकारी बैहर श्री एल.के. वैद्य, विकासखंड अधिकारी बिरसा श्री के.के. पारधी तथा विकासखंड अधिकारी परसवाड़ा डी.डी. ठाकरे सहित तीनों विकासखंडों के प्राचार्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम अर्पित गुप्ता द्वारा विद्यार्थियों को भविष्य निर्माण एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर प्रेरणादायक मार्गदर्शन देकर किया गया। इस दौरान विकासखंड बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा के कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों की विस्तृत समीक्षा की गई। विद्यालयवार परीक्षा परिणामों का अवलोकन करते हुए शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार एवं बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने अपने भविष्य, कैरियर एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित सवाल पूछे, जिनका अधिकारियों द्वारा विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। विद्यार्थियों ने विशेष रूप से ... एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर जिज्ञासाएं रखीं, जिन पर मंचासीन अतिथियों ने उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा विकासखंड की विभिन्न संस्थाओं में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले कुल 265 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। बैठक में प्राचार्यों एवं अधिकारियों ने 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के कैरियर मार्गदर्शन एवं बेहतर परीक्षा परिणामों के लिए आगामी कार्ययोजना पर भी चर्चा की।

आईटीआई बूढ़ी में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्राणेश कुमार प्राण के कुशल मार्गदर्शन में शासकीय आईटीआई बूढ़ी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्र-छात्राओं को विभिन्न कानूनी प्रावधानों एवं अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सतोष शर्मा ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम तथा नालसा की बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं एवं उनका संरक्षण योजना 2015' के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों के अधिकारों एवं कानूनी सहायता की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे ने साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने भारतीय न्याय संहिता, लोकोपयोगी सेवाओं की लोक अदालत तथा मोटरयान अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों से भी छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को गुड टच-बैड टच की जानकारी देते हुए बच्चों को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इसके अलावा नशे के दुष्परिणामों एवं उससे होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में भी विस्तार से बताया गया। शिविर में शासकीय आईटीआई बूढ़ी के प्राचार्य, स्टॉफ सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कानूनी जानकारी प्राप्त की।

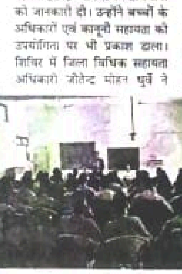

मप्र में पेट्रोल-डीजल रू 3-3/लीटर महंगा

भोपाल/इंदौर। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध से मध्यप्रदेश भी अछूता नहीं रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बाद प्रदेशभर में पेट्रोल और डीजल के दाम करीब 3-3 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिए गए हैं। नई दरें आज सुबह 6 बजे से ही लागू हो गई हैं। अब भोपाल में पेट्रोल का रेट 106.68 रुपए से बढ़कर 109.71 रुपए प्रति लीटर हो गया है। डीजल 91.87 रुपए की जगह 94.88 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। इसी तरह उज्जैन में पेट्रोल 110.16 रुपए और डीजल 95.34 रुपए, जबलपुर में पेट्रोल 110.10 रुपए और डीजल 95.29 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, इंदौर में पेट्रोल का रेट 109.86 रुपए प्रति लीटर और डीजल का रेट 95.06 रुपए प्रति लीटर हो गया है। स्पीड पेट्रोल की कीमत बढ़कर 119.56 रुपए प्रति लीटर पहुंच गई है। इससे पहले इंदौर में पेट्रोल 106.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 91.97 रुपए प्रति लीटर मिल रहा था। मध्य प्रदेश पेट्रोल डीजल एसोसिएशन के अनुसार, सबसे महंगा पेट्रोल मंडला और पांढुर्णा में 111.29 प्रति लीटर है। इसके बाद अलीराजपुर, बालाघाट, बुरहानपुर, झाबुआ, मैहर, मऊगंज, पन्ना, रीवा और श्योपुर का नंबर आता है, जहां पेट्रोल 111.28 प्रति लीटर हो गया है।

मुस्लिम युवाओं ने दिया भाईचारे का पैगाम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भीषण गर्मी की वजह से हलाकान हो रहे लोगों को राहत पहुंचाने तथा उनके प्यासे कंठ को तर करने के लिये गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन एवं दावते इस्लामी इंडिया के युवाओं ने शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद सड़क पर उतरकर शरबत वितरण कर आपसी भाईचारे का पैगाम दिया। जामा मस्जिद चौक में 15 मई को जुमे की नमाज के बाद नमाजियों के साथ ही सड़क से गुजरने वाले आम लोगों, वाहन चालकों, बस में सवार यात्रियों तथा बाईक सवार लोगों को रोककर उनसे एक मिनट रुकने का आग्रह करते हुए युवा पेश आये। जिसके बाद उन्होंने भीषण गर्मी में हलाकान हो रहे लोगों को अपनी ओर से थोड़ी राहत पहुंचाने के लिये कोशिश की। युवाओं ने कहा कि दोनों ही संस्था के संयुक्त प्रयासों से सेवाभावी कार्य निरंतर आयोजित किये जाते है इसी के तहत भीषण गर्मी को देखते हुए निर्णय लिया गया कि कड़ी दोपहर के समय जब लोग सूरज की तपिश में बाहर हो तो उनकी शीतपेय पिलाकर मदद की जाये। वालेंटियर्स ने बताया कि यह एक छोटा सा प्रयास था जिसे निरंतर जारी रखने की कोशिश बनी रहेगी और सार्वजनिक स्थानों जैसे पार्क, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन सहित अन्य स्थानों पर भी पहुंचकर इस कार्य को आगे बढ़ाया जायेगा। बताया गया कि मानवता बड़ी चीज है हमारे लिये खुशी की बात है कि हम लोगों की, खिदमत को अंजाम दे रहे है। युवाओं ने इस कार्य से समाज में भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम दिया। खिदमत की इस कोशिश को देखकर, मुस्लिम समाज के साथ साथ आम लोगों राहगीरों ने भी इस कार्य की खूब सराहना की है।

रिटायर्ड महिला जज और वकील बेटे के खिलाफ दहेज हत्या की धाराओ में केस दर्ज

भोपाल। राजधानी भोपाल में रिटायर्ड जज एवं वर्तमान में जिला उपभोक्ता फोरम बैंच-2 की अध्यक्ष गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह के खिलाफ कटारा हिल्स पुलिस ने दहेज हत्या सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामला दर्ज होने की भनक लगने पर उन्होंने कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया है। जिसका विरोध परिजन कोर्ट में करेंगे। जानकारी के मुताबिक गिरिबाला सिंह की बहू और उनके बेटे समर्थ सिंह की पत्नी 31 वर्षीय त्रियांशा शर्मा ने मंगलवार की रात बाग मुगालिया एक्सटेंशन स्थित घर की छत पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। मृतका के परिजन एफआईआर करने की मांग पर अड़ गये थे। उनका आरोप था कि पुलिस दबाव में दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं कर रही है। अपनी मांग को लेकर परिजनों अंतिम संस्कार के लिये शव लेने से इंकार करते हुए दिनभर एसीपी मिसरोद कार्यालय में डेरा डाला। आखिरकार रात में पुलिस ने एसीपी के जांच प्रतिवेदन पर गिरीबाला सिंह और बेटे समर्थ सिंह के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज कर लिया। रिटायर्ड जज की बहू का शव एम्स की मरचूरी में रखा हुआ है। परिजनों की मांग थी, कि जब तक आरोपियों पर केस दर्ज नहीं हो जाता, वह अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। परिजनों का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज हो गया है, अब त्रियांशा शर्मा अंतिम संस्कार किया जाएगा। कार्यवाही को लेकर मृतका का पूरा परिवार भोपाल में मौजूद है। मां-बेटे के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पुलिस की दो टीमें आरोपियों के घर सहित अन्य संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। मृतका त्रियांशा शर्मा मूल रूप से नोएडा की रहने वाली थी। उसकी शादी करीब एक साल पहले समर्थ से हुई थी। उसका भाई हर्षित शर्मा भारतीय सेना में मेजर है। आरोपी ससुरालवालों पर कार्रवाई की मांग को लेकर त्रियांशा के परिजन बुधवार रात भोपाल के कटारा हिल्स थाने पहुंचे थे। उनका आरोप है कि पुलिस ने उनकी बात नहीं सुनी और थाने का मेन गेट बंद कर दिया इसके बाद गुरुवार को भी त्रियांशा के परिजन, रिश्तेदार और परिचित तख्तियां लेकर महिला थाने पहुंचे थे। यहां प्रदर्शन कर पुलिस से कार्रवाई की मांग दोहराई थी। थाने में डेरा डाले परिजनों ने त्रियांशा के पति समर्थ पर हत्या करने और सबूत मिटाने के आरोप लगाए हैं। भाई मेजर हर्षित शर्मा का कहना है कि समर्थ वकील है और उसकी मां रिटायर्ड जिला जज है। उनके दबाव के कारण ही पुलिस कार्रवाई करने से बच रही है।

आज होगा केकेआर और टाइटंस में मुकाबला

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। जहां केकेआर का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। वहीं गुजरात टाइटंस इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात टाइटंस जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

इस सत्र में जब पिछली बार इन दोनों टीमों में मुकाबला हुआ था तब गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 5 विकेट से मात दी थी। ऐसे में अब केकेआर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 1 जबकि गुजरात ने 4 जीते हैं, वहीं एक मैच का परिणाम नहीं आया है।

इस मैच में केकेआर को अगर जीतना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान आजिंक्य रहाणे के अलावा अंगकृष रघुवंशी, कैमरून ग्रीन और रिंकू सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा के अलावा रहस्यमी स्पिनर सुनील नरेन पर आधारित रहेगी

दूसरी ओर इस सत्र में शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी। टीम की गेंदबाजी की कमान कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा स्पिनर राशिद खान संभालेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं =

केकेआर = अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिल एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, रोवमैन पॉवेल, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर= सौरभ दुबे।

गुजरात टाइटंस = शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर= प्रसिद्ध कृष्णा।

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो

लिस्बन। पुर्तगाल की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम अब तक कई खिताब है पर वह आज तक फीफा विश्व कप नहीं जीत पाये हैं। ऐसे में अब 41 साल के हो रहे रोनाल्डो के पास विश्वकप जीतने का अंतिम अवसर है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रहे रोनाल्डो ने अपने करियर में हर बड़ी ट्रॉफी जीती है पर विश्कप में अब तक वह सफल नहीं हुए है। इसलिए वह इस बार इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। विश्कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। रोनाल्डो ने अब तक पुर्तगाल के लिए रिकॉर्ड 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में एक विश्व रिकॉर्ड है। यह आंकड़े उनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण कौशल को दिखाता है। इस साल की शुरुआत में उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव का पर अगर वह पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो उनका विश्वकप खेलना तय है। यदि रोनाल्डो विश्व कप 2026 में खेलते हैं, तो वह लियोनेल मेसी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले इतिहास के पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे। रोनाल्डो ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। इससे इस विश्वकप का महत्व उनके लिए और बढ़ जाता है। विश्वकप में पुर्तगाल को ग्रुप-के में रखा गया है, जहां उसे कोलंबिया, उज्बेकिस्तान और कांगो जैसी टीमों का सामना करना होगा। इस ग्रुप को देखते हुए, पुर्तगाल के अगले दौर में पहुंचने की संभावना काफी बेहतर मानी जा रही है। विश्व कप 2022 में पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी पर मोरक्को से 1-0 से मिली अप्रत्याशित हार के साथ वह बाहर हो गयी थी। उस महत्वपूर्ण मुकाबले में रोनाल्डो दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान पर उतरे थे। इस बार, पुर्तगाल का पहला मुकाबला 17 जून को ह्यूस्टन में कांगो के खिलाफ खेला जाएगा। ग्रुप में कोलंबिया जैसी मजबूत टीम भी पुर्तगाल को कड़ी चुनौती दे सकती है।

अश्विन ने डीआरएस के डेड बॉल नियम को बदलने की मांग की

चेन्नई । पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स टीम की हार के बाद एक बार फिर निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के डेड बॉल नियम पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार इसी नियम का नुकसान पंजाब को हुआ है। अश्विन के अनुसार इस नियम को तत्काल बदल दिया जाये।

इस मैच में पंजाब की पारी के अंतिम ओवर में मुंबई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी की आखिरी गेंद विष्णु विनोद के पैड पर डाली, जिस पर मैदानी अंपायर ने उन्हें तुरंत आउट करार दे दिया। विनोद ने तत्काल रिव्यू लेने का फैसला किया, और टीवी अंपायर ने रीप्ले देखने के बाद मैदानी अंपायर के फैसले को पलट दिया, जिससे विनोद को नॉट आउट घोषित किया गया। हालांकि, अंपायर द्वारा आउट दिए जाने के बाद गेंद को डेड घोषित कर दिया गया था, जिसके चलते पंजाब किंग्स को लेग-बाय का एक भी रन नहीं दिया गया। अश्विन ने इसी डेड बॉल नियम की व्याख्या पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जो उनके अनुसार टीम को अनावश्यक नुकसान पहुंचाता है।

इस घटना से नाराज रविचंद्रन अश्विन ने सोशल मीडिया पर इस नियम को कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, गलत फैसले की वजह से पंजाब को एक रन का नुकसान हुआ और इस नियम को जल्द से जल्द बदलना चाहिए। जिस तरह इम्पैक्ट सब का नियम है, वैसे ही डीआरएस से जुड़े इस बदलाव को भी आईपीएल में लागू किया जाना चाहिए, भले ही आईसीसी इसके लिए समय ले रही हो। अश्विन का यह बयान इस बात पर जोर देता है कि कैसे एक छोटा सा नियम किसी मैच के परिणाम और उसके बाद टीम की स्थिति पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है, और उन्होंने इस पर तुरंत कार्यवाही की मांग की है।

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत = लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो

आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया।

अक्षर पटेल - वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

अजिंक्य रहाणे - कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी टीम को प्रेरित करने में विफल रहे। वह टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे पर उसे एक भी मैच में तेज शुरुआत नहीं दिला पाये न ही अपने साथी अंगकृष रघुवंशी को तेज खेलने के लिए उत्साहित कर पाये। रहाणे और अंगकृष की धीमी शुरुआत के कारण टीम दबाव में रही। रघुवंशी ने 139 से अधिक के स्ट्राइक-रेट से 340 रन बनाए, जबकि कप्तान रहाणे ने 133 के स्ट्राइक-रेट से 237 रन बनाए। दोनों ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी की, जिससे लगभग हर मैच में शुरुआती गति धीमी रही। इन दोनों ने 11 मैचों में मिलकर सिर्फ 25 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 टीम के लिए चिंताजनक है।

सिंधु और लक्ष्य जीते, श्रीकांत व देविका बाहर हुए

बैंकॉक । भारत की पी वी सिंधु और लक्ष्य सेन यहां खेले जा रहे थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। वहीं किदांबी श्रीकांत और देविका सिहाग हार के साथ ही बाहर हो गये। छठी वरीयता प्राप्त सिंधु ने महिला एकल के दूसरे दौर में डेनमार्क की अमेली शूल्ज को केवल 28 मिनट में ही 21-13, 21-15 के सीधे गेम में हरा दिया। अब सिंधु का मुकाबला क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया की तीसरी रैंकिंग वाली जापान की अकाने यामागुची से होगा। वहीं पुरुष एकल में, सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने चीनी खिलाड़ी झ्रू शुआन चेन को सीधे गेम में 21-12, 21-13 से हरा दिया। अब क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य का सामना दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न और उनके प्रतिद्वंद्वी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। इसके अलाव पुरुष युगल में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भी जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। इस जोड़ी ने मलेशिया के ब्रायन जेरेमी और मुहम्मद हाइकल को 21-12, 21-19 से हराया। अब उनका सामना छठी वरीयता प्राप्त जापान के ताकुमी नोमूरा और युइची शिमोगामी की जोड़ी से होगा। एक अन्य मुकाबले में भारत के ही पूर्व विश्व नंबर एक श्रीकांत हार के साथ ही बाहर हो गये। उन्हें कड़े मुकाबले में उन्हें चीनी ताइपे के सू ली यांग ने 16-21, 21-11, 18-21 से हराया। महिला एकल में भारत की की देविका सिहाग को थाईलैंड की पिचामोन ओपात्निपुत ने 23-21, 21-11 से हराया।

ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच

लंदन । इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पहली बार एक महिला क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का कोच बनाया है। पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। उन्हें कार्ल हॉपकिंसन की जगह कोच बनाया गया है। हॉपकिंसन अभी आईपीएल करार के कारण उपलब्ध नहीं हैं ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब की सारा को कोच बनाने की घोषणा की। सारा की नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सारा महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में सभी प्रारुपों में कुल मिलाकर 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह बेहतरीन विकेटकीपरों में से एक रही हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही सारा ने कोचिंग का काम संभाला। उन्होंने पहले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ

भी कोच के तौर पर काम किया है। इसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना की गई। इसी को देखते हुए उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ससेक्स की पुरुष टीम और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के साथ भी फील्डिंग कोच के रूप में अहम भूमिकाएँ निभाई हैं।

सारा को कोच बनाये जाने को लेकर ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब ने प्रशंसा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि वह अपने काम में माहिर और सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। उनका प्रदर्शन असाधारण रहा है और उन्होंने एंड्रयू फ्लिंटॉफ और एड बर्नी के साथ काफी काम किया है। ये दोनों ही उनकी जमकर तारीफ करते हैं। की ने आगे कहा, इसलिए जैसा कि हमें दिख रहा है, वह अपने क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। वह जिस तरह से अपना काम करती हैं उससे हम पूरी तरह से और अविश्वसनीय रूप से प्रभावित हैं। हॉपकिंसन की अनुपस्थिति के बारे में बताते हुए, की ने स्पष्ट किया, कार्ल हॉपकिंसन आज के क्रिकेट जगत के चलन के अनुसार फिलहाल मुंबई इंडियंस के साथ काम कर रहे हैं। उनके पास मुंबई इंडियंस के लिए काफी काम है, इसलिए हम भविष्य में निश्चित रूप से उनकी सेवाओं का उपयोग करेंगे, बस इस सीरीज के लिए नहीं। यह नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है।

फिल सॉल्ट शीघ्र कर सकते हैं वापसी - पाटीदार

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट शीघ्र ही टीम में वापसी कर सकते हैं। सॉल्ट करीब एक महीने से उंगली की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। पाटीदार के अनुसार साल्ट अब पहले से काफी बेहतर हैं और उनके शीघ्र ही टीम से जुड़ने की संभावना है। सॉल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेला था। इसके बाद उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें स्कैन और रिकवरी के लिए इंग्लैंड लौटना पड़ा था। साल्ट के बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ है।

सॉल्ट का टीम में होना आरसीबी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है। पिछली कुछ टी20 पारियों में संघर्ष के बाद, सॉल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में जबरदस्त वापसी की थी। उन्होंने सत्र में 202 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 33.66 और स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा है। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने दो शानदार अर्धशतकीय पारियां भी खेली थीं, जिससे टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी।

सॉल्ट की गैरमौजूदगी में युवा जैकब बेथेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी मिली पर वह सफल नहीं रहे। बेथेल छह मैचों में केवल 85 रन बना पाये। उनका औसत 14.16 और स्ट्राइक रेट 121.42 का रहा है, जो टीम के लिए चिंता का विषय रहा है।

अब यदि फिल सॉल्ट 17 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं, तो टीम इंग्लैंड के एक और बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को उतार सकती है। इसके अलावा, टीम वेंकटेश अय्यर को पारी की शुरुआत का अवसर दे सकती है क्योंकि वह पहले कोलकाता नाइट राइडर्स सलामी बल्लेबाज रहे हैं। एक और संभावना यह है कि देवदत्त पडिक्कल को विराट कोहली के साथ ओपनिंग पर भेजा जाए और नंबर-3 पर वेंकटेश अय्यर या रजत पाटीदार को बल्लेबाजी के लिए उतारा जाए। हालांकि, सॉल्ट की आरसीबी के लिए सबसे पसंदीदा विकल्प होगा, जो टीम को प्लेऑफ की दौड़ में मजबूती देगा।

विराट ने बढ़ती उम्र में भी अपनी श्रेष्ठता साबित की - गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल में आरसीबी की ओर से खेल रहे विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। गावसकर ने कहा कि बढ़ती उम्र में भी अपने प्रदर्शन से विराट ने साबित किया है कि उम्र बस एक एक संख्या है और उनका जुनून कभी खत्म नहीं होता। गावस्कर ने कहा कि कि जिस प्रकार से विराट आईपीएल में तेजी से रन बना रहे हैं उससे एक बार फिर उन्होंने दिखाया है कि लक्ष्य का पीछा करने में उनसे बेहतर कोई नहीं है। विराट ने जिस प्रकार से आईपीएल में अपना नौवां शतक लगाया है उससे पता चलता कि युवाओं के बीच भी उनका नंबर एक स्थान बना हुआ है। विराट ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में शतकीय पारी खेलने के अलावा जिस प्रकार से टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 14,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड बनाया है। वह भी दिखाता है कि 37 साल की उम्र में भी उनकी रनों की भूख और क्रिकेट के प्रति समर्पण पहले जैसा ही है।

गावस्कर ने कहा, केकेआर के खिलाफ मैच में विराट ने युवाओं को दिखाया कि लक्ष्य का पीछा करते समय पारी का निर्माण कैसे किया जाता है।

गावस्कर ने आगे कहा कि जब हर कोई इस सत्र में नई पीढ़ी के बारे में बात कर रहा था, तब कोहली ने अपनी पारी से दिखा दिया कि वह अभी भी मैदान पर मौजूद हैं और उनकी चमक बरकरार है। उन्होंने उन सभी आलोचकों को भी करारा जवाब दिया है जो उनपर संदेह कर रहे थे। गावस्कर के अनुसार, रिकॉर्ड तो टूटने के लिए बनते हैं पर विराट जिस तरह से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, मैच दर मैच, सत्र दर सत्र, उसकी बराबरी करने में किसी को भी बहुत लंबा वक्त लगेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही युवा सितारे अपने को साबित कर रहे हों पर अनुभवी विराट ने अभी तक अपनी जगह बरकरार रखी है। कोहली ने साबित किया कि पुरानी पीढ़ी अब भी सर्वश्रेष्ठ है।

श्रीजेश के आरोपों को टिर्की ने खारिज किया, बेहतर अनुभव के साथ करें वापसी

किसी खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया के दरवाजे बंद नहीं

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पूर्व ओलंपियन पी आर श्रीजेश के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उनके लिए कोच बनने की राह हमेशा खुली हुई है और बेहतर अनुभव लेकर वह जब चाहे आ सकते हैं पर उन्हें इस प्रकार आधारहीन आरोप नहीं लगने चाहिये। ये मामला जूनियर टीम के कोच पद से श्रीजेश को हटाकर यूरोप के अनुभवी कोच फ्रेडरिक सोयेज को नियुक्त करने के बाद शुरु हुआ। श्रीजेश ने कहा है कि अच्छ काम करने के बाद भी उन्हें हटाकर विदेश कोच रखा गया। इसपर हॉकी इंडिया ने कहा कि ये भविष्य की योजना के तहत किया गया है। टिर्की ने कहा कि भारतीय हॉकी में इस प्रकार की फूट डालो और राज करो की रणनीति अब स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सभी फैसले सामूहिक रूप से लिए जाते हैं और इनका लक्ष्य हॉकी की भलाई रहता है। टिर्की ने वह खिलाड़ी पहले हैं और खेल प्रशासक बाद में। टिर्की ने कहा कि उनके अध्यक्ष रहते हॉकी इंडिया में सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए गए हैं और उनकी पहली प्राथमिकता खिलाड़ियों के प्रति है। इस कारण उन्होंने हमेशा खिलाड़ियों से सीधे बात की है

टिर्की ने कहा कि भारत के लिए खेल चुके खिलाड़ियों के लिए हॉकी इंडिया के दरवाजे कभी बंद नहीं होंगे। उन्होंने भारतीय कोचों को बढ़ावा देने के खेल मंत्रालय के विजन पर काम करने की बात दोहराई और कहा कि उनकी नजरें 2032 और 2036 ओलंपिक पर हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि श्रीजेश भारतीय सीनियर टीम के कोच हो सकते हैं, लेकिन उन्हें अभी और अनुभव की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रीजेश का कार्यकाल समाप्त होने पर, हॉकी इंडिया ने सर्वसम्मति से एक अनुभवी कोच लाने का फैसला किया था क्योंकि टीम का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा था। टिर्की ने कहा कि अंडर-21 टीम बेहद महत्वपूर्ण है और उसे एक अनुभवी कोच की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हॉकी इंडिया को जल्दबाजी के बजाय सोच-समझकर कोचों की नियुक्ति करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि भारतीय हॉकी के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी खिलाड़ी को संन्यास के बाद बिना किसी अनुभव के तुरंत कोच बना दिया गया हो। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद खेल से संन्यास ले लिया था, जिसके बाद उन्हें जूनियर टीम का कोच बनाया गया था। टिर्की ने महान डच खिलाड़ी टॉन डे नूयेर और बेल्जियम के थॉमस ब्रिल्स जैसे खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जिन्होंने क्लब स्तर पर या सहायक कोच के रूप में अनुभव प्राप्त किया। विदेशी कोचों को तरजीह देने के आरोप को खारिज करते हुए टिर्की ने कहा कि हमें विदेशी कोचों के रहते दो ओलंपिक में पदक मिले हैं, जिसमें सहयोगी स्टाफ भी विदेशी है। महिला टीम भी विदेशी कोच के साथ टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर पहुंची, जिसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय कोचों को महिला और अंडर-21 स्तर पर अवसर दिए गए हैं।

बीसीसीआई ने मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच पर जुर्माना लगाया

धर्मशाला। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पंजाब किंग्स के खिलाफ यहां हुए मुकाबले में आचार संहित उल्लंघन के लिए मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। पोलार्ड पर अंपायर के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग करने के लिए ये जुर्माना लगाया गया है। इस घटना ने जहां मुम्बई इंडियंस की जीत का स्वाद थोड़ा फीका , वहीं दूसरी ओर पोलार्ड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक और नकारात्मक अंक जुड़ गया है, जो भविष्य में उनके लिए और मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

यह अप्रिय घटना मुंबई इंडियंस की पारी के 19वें ओवर की है। तब पोलार्ड को चौथे अंपायर के साथ तीखी बहस करते हुए और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए दोषी पाया गया। क्रिकेट के मैदान पर ऐसे व्यवहार को कभी स्वीकार नहीं किया जाता, और मैच रेफरी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यह जुर्माना लगाया। यह घटना ऐसे समय में हुई जब मुंबई इंडियंस एक बड़े लक्ष्य का पीछा कर रही थी और मैच काफी रोमांचक मोड़ पर था। इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने भले ही शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी हो, लेकिन यह जीत उनके लिए बहुत मायने नहीं रखती। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। टीम अब केवल अपने शेष मैचों में गरिमा के साथ प्रदर्शन कर जीत के साथ टूर्नामेंट का अंत करने का प्रयास कर रही है, ताकि अगले सीजन के लिए कुछ सकारात्मक गति बना सके। हालांकि, कोच पर लगा यह जुर्माना टीम के लिए एक चिंता का विषय जरूर है, खासकर तब जब वे एक पेशेवर छवि बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

एके एंटनी की सलाह से बदला राहुल गांधी का रुख

-यूं केरल में वीडी सतीशन बने कांग्रेस की पहली पसंद
-केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर
-संगठन और सहयोगी दलों की राय ने तय किया कांग्रेस का फैसला

नई दिल्ली। केरल में कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर चली लंबी माथापच्ची आखिरकार गुरवार को समाप्त हो गई है। पार्टी नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन के नाम पर मुहर लगाई है, जबकि राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर हो गए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस फैसले के पीछे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी की अहम भूमिका रही, जिन्होंने राहुल गांधी का रुख बदलने में निर्णायक योगदान दिया।

सूत्रों के अनुसार शुरुआती दौर में राहुल गांधी केसी वेणुगोपाल के नाम के पक्ष में थे। हालांकि केरल कांग्रेस संगठन, सहयोगी दलों और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच वीडी सतीशन के नाम पर अधिक सहमति दिखाई दे रही थी। सतीशन को जनता के बीच मजबूत पकड़ रखने वाला नेता माना जाता है और यही बात अंततः उनके पक्ष में गई। जब मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के भीतर मतभेद बढ़ने लगे तो कांग्रेस नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता एके एंटनी से राय मांगी। सोनिया गांधी के भरोसेमंद माने जाने वाले एंटनी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जमीनी स्तर पर वीडी सतीशन को ज्यादा समर्थन हासिल है।

बताया जाता है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बीच इस विषय पर चर्चा हुई, जिसके बाद पार्टी नेतृत्व ने अपना फैसला बदल लिया। एंटनी की राय के बाद राहुल गांधी भी सतीशन के नाम पर सहमत हो गए।

एके एंटनी का कांग्रेस संगठन में प्रभाव लंबे समय से कायम है। यूपीए सरकार के दौरान वह रक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर रह चुके हैं। केरल की राजनीति में भी उनका लंबा अनुभव रहा है और वह राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ओमान चांडी को राज्य की कमान सौंपी गई थी।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एंटनी की राय आज भी कांग्रेस नेतृत्व में बेहद अहम मानी जाती है। इसका उदाहरण 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद बनी 卐एके एंटनी कमेटी卐 भी रही, जिसने पार्टी की हार पर समीक्षा रिपोर्ट तैयार की थी। उस रिपोर्ट में कहा गया था कि कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगा और इससे हिंदू मतदाताओं के बीच दूरी बनी। माना जाता है कि इसी रिपोर्ट के बाद कांग्रेस ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए सॉफ्ट हिंदुत्व की लाइन अपनाई थी।

अब पाकिस्तान ने कहा- ये सकारात्मक पहल है

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले द्वारा पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने और पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे द्वारा इसका समर्थन किए जाने के बाद अब पाकिस्तान की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। पाकिस्तान ने भारत में उठ रही इन आवाजों को एक सकारात्मक घटनाक्रम बताते हुए इसका स्वागत किया है। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के बीच रचनात्मक सहयोग और ईमानदार संवाद बेहद जरूरी है।

साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान जब प्रवक्ता से आरएसएस नेता और पूर्व सेना प्रमुख के बयानों पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि भारत के भीतर से संवाद पर जोर देने वाली ये आवाजें यकीनन सकारात्मक हैं और वे उम्मीद करते हैं कि भारत में समझदारी की यह सोच बनी रहेगी। हालांकि, उन्होंने इस बात पर करीब से नजर रखने की बात कही कि क्या भारत सरकार की तरफ से इन बयानों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया आती है या नहीं। दोनों देशों के बीच पर्दे के पीछे (बैक-चैनल) चल रही किसी भी संभावित बातचीत पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए अंद्राबी ने कहा कि कूटनीति में ऐसी प्रक्रियाएं पूरी तरह गोपनीय होती हैं, इसलिए वह इस पर कोई पुष्टि या खंडन नहीं करेंगे। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सद्भाव के लिए कूटनीति, संप्रभुता के सम्मान और सार्थक अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के सिद्धांतों के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। नियंत्रण रेखा के हालातों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सैनिक सीमा पर किसी भी संघर्ष या युद्धविराम उल्लंघन को लेकर पूरी तरह सतर्क हैं। इसके अलावा, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता पर भी पाकिस्तान ने अपनी भूमिका को स्पष्ट किया। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच स्थायी शांति की स्थापना के लिए अपनी ओर से सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभा रहा है, हालांकि इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मुख्य जिम्मेदारी दोनों प्रमुख देशों की ही है।

राहुल गांधी के पास न कोई नैरेटिव और न ही कोई ठोस विचारधारा- वल्लभ

नई दिल्ली। अर्थशास्त्री और बीजेपी नेता गौरव वल्लभ ने कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी के पास न कोई स्पष्ट राजनीतिक नैरेटिव है और न ही कोई ठोस विचारधारा। गौरव वल्लभ ने तंज कसते हुए कहा कि दिल्ली में कांग्रेस और लेफ्ट हम साथ-साथ हैं की राजनीति करते हैं, लेकिन तिरुवनंतपुरम पहुंचते ही वही लोग लेफ्ट से पूछते हैं कि हम आपके हैं कौन? दिल्ली में टीएमसी के साथ खड़े दिखाई देते हैं और कोलकाता में उन्हीं को भ्रष्ट बताते हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की राजनीति पूरी तरह अवसरवाद पर आधारित है। उनके मुताबिक जहां फायदा दिखता है, कांग्रेस वहीं गठबंधन कर लेती है और जब नुकसान होने लगता है तो नए सहयोगी तलाशने लगती है। बीजेपी नेता ने कांग्रेस की चुनावी स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तीसरी बार असम में चुनाव हारी है और हर बार उसकी सीटें पहले से कम हुई हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का नामोनिशान तक नहीं बचा है। उन्होंने तमिलनाडु की राजनीति का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस वहां दूसरों के सहारे आगे बढ़ी और अब उन्हीं सहयोगियों को धोखा दे रही है। उन्होंने कहा कि पांच दिन पहले तक डीएमके नेता राहुल गांधी के बड़े भाई जैसे थे, लेकिन अब वे स्टालिन को पहचानने से भी इनकार कर रहे हैं।

कांग्रेस द्वारा वीडी सतीशन को केरल का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर गौरव वल्लभ ने कहा कि मैं आपको बता रहा हूं कि गांधी परिवार के बाद, कांग्रेस पार्टी के असल नेता केसी वेणुगोपाल हैं। पार्टी के अंदर अब तीन या चार गुट हैं, एक सतीशन के नेतृत्व में, दूसरा चेन्निथला के, एक वेणुगोपाल के, और एक केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मौजूदा अध्यक्ष के नेतृत्व में। केरल की जनता को पार्टी के अंदर की गुटबाजी का खामियाज़ा भुगतना पड़ेगा, ठीक वैसे ही जैसे कर्नाटक में विकास ठप हो गया है, क्योंकि वहां की सरकार का ध्यान सिर्फ एक ही चीज पर है, वह यह सुनिश्चित करना है कि सरकार न गिरे।

नीट घोटाला : मंगीलाल और दिनेश की पत्नियां कभी बनी अनजान, कभी जोड़ने लगीं हाथ

जयपुर। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपी मंगीलाल और दिनेश बिवाल की पत्नियां किसी सवाल का ठीक से जवाब नहीं दे रही हैं। परिवार की महिलाएं कभी हाथ जोड़ने लगीं, कभी चिल्लाने लगीं और कभी खुद को अनजान बताने लगीं। एमबीबीएस कर रहे अपने ही बच्चों के बारे में पूछे गए सवालों पर उन्होंने कहा कि हमें नहीं मालूम बच्चे कहां पढ़ते हैं। उन्हें शहर का नाम तक नहीं पता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब आरोपियों के परिवार तक पहुंची तो बातचीत के दौरान कई विरोधाभासी बातें सामने आईं। दोनों महिलाएं, जो आपस में बहनें हैं, बार-बार यह दावा करती रहीं कि उनका परिवार निर्दोष है और उन्हें साजिश के तहत फंसाया गया है। महिलाएं बार-बार मीडिया से कहती रहीं परेशान मत करो। हमारे आदमी को ले गए। अब क्या बोलें? परिवार के इतने बच्चे एमबीबीएस में कैसे पहुंचे, जवाब मिला कि बकरी और जमीन बेचकर पढ़ाया, लेकिन जब गुंजन, विकास, प्रगति और सोनिया के कॉलेज या शहर का नाम पूछा गया तो वे जवाब नहीं दे सकीं। बातचीत में दोनों महिलाएं बार-बार यह भी दोहराती रहीं कि पेपर लीक तो हर साल होता है। उनका कहना था कि 2021 में भी हुआ 2024 में भी हुआ। तब कोई नहीं आया। इस बार हमारे परिवार को दुश्मन बना दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि बड़े लोगों को बचाने उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि इन आरोपों पर सीबीआई की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इसी बीच जांच एजेंसियों के हाथ लगे दस्तावेजों और सोशल मीडिया पोस्ट ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। जांच एजेंसियों के मुताबिक दिनेश बिवाल का नाबालिग बेटा फरार है। आरोप है कि उसके लिए पेपर खरीदा गया था। सूत्रों का दावा है कि सीकर में रह रहे इस नाबालिग ने कई छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाए और कुछ मामलों में लाखों रुपए की डील हुई। राजस्थान एसओजी ने ऐसे करीब 150 छात्रों की सूची सीबीआई को सौंपी है, जिनके नाम इस नेटवर्क में सामने आए हैं। हालांकि अभी तक सभी की भूमिका स्पष्ट नहीं हुई है और जांच जारी है।

इस केस में देहरादून से पकड़े गए सीकर के कॉउंसिलर राकेश कुमार मंडवारिया का नाम भी सामने आया है। जांच में पता चला कि उसके टेलीग्राम ग्रुप से करीब 700 छात्र जुड़े थे। वह इसे गेस पेपर बताता रहा, लेकिन सीबीआई अब यह पता लगाने में जुटी है कि छात्रों तक असली प्रश्नपत्र पहुंचा था या नहीं। गिरफ्तार दिनेश बिवाल की बेटी गुंजन बिवाल भी पिछले साल एमबीबीएस में चयनित हुई थी। परिवार के अन्य बच्चों के मेडिकल कॉलेजों में चयन की जानकारी भी जांच एजेंसियों के पास मौजूद है। फिलहाल इस पूरे मामले ने देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लाखों छात्रों और अभिभावकों की नजर अब सीबीआई जांच और कोर्ट की अगली कार्रवाई पर टिकी है।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप

संदिग्ध विदेशी मुद्रा के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट एलएच 754 में बम होने की धमकी से शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हड़कंप मच गया। उड़ान के दौरान एयरलाइन के कस्टमर सपोर्ट को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया था कि विमान में बम रखा गया है और हैदराबाद पहुंचने से पहले उसमें धमाका कर दिया जाएगा। इस संदेश के मिलते ही एयरपोर्ट की सुरक्षा एजेंसियां, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल तुरंत अलर्ट मोड पर आ गए।

राहत की बात यह रही कि विमान ने हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। लैंडिंग के तुरंत बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को सीधे आइसोलेशन बे (सुरक्षित क्षेत्र) में ले जाया गया। विमान में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी सघन जांच की गई। सुरक्षा बलों और डॉग स्क्वायड द्वारा विमान की बारीकी से ली गई तलाशी में फिलहाल कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां अब इस धमकी भरे ईमेल के स्रोत और इसे भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान करने में जुटी हैं।

इसी दौरान, हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान एक अन्य मामले में भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा बरामद की गई है। बैंकॉक जाने की तैयारी कर रहे सैयद इस्माइल अली नामक एक यात्री के सामान की जब सीआईएसएफ जवानों ने सामान्य बैगेज स्क्रीनिंग की, तो उसमें संदिग्ध विदेशी करेंसी पाई गई। जांच करने पर बरामद की गई विदेशी मुद्रा की भारतीय कीमत लगभग 11,85,930 रुपये आंकी गई है। सुरक्षा अधिकारियों ने उचित दस्तावेज न होने के कारण पूरी रकम को जब्त कर लिया है और आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारी अब इस बात की तफ्तीश कर रहे हैं कि इतनी बड़ी रकम कहां से लाई गई थी और इसे अवैध रूप से बैंकॉक क्यों ले जाया जा रहा था।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर 17 करोड़ की चांदी ले जा रही वैन का भीषण हादसा, 2 की मौत

मुंबई। मुंबई से सटे पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर चारोटी फ्लाईओवर के पास शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। 600 किलो चांदी लेकर गुजरात के वापी जा रही एक वैन अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर दूसरी लेन में जाकर एक ट्रेलर से भिड़ गई। इस भीषण दुर्घटना में वैन सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, मुंबई की नाकोडा बुलियन कंपनी से गुजरात के वापी स्थित मोदीसन लिमिटेड के लिए 20 चांदी की प्लेट्स भेजी जा रही थीं। इन प्लेट्स का कुल वजन करीब 600 किलो और अनुमानित कीमत लगभग 17 करोड़ 66 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, एमएच-48-बीएम-3001 नंबर की वैन चालक का नियंत्रण खोने के बाद डिवाइडर से टकराकर मुंबई लेन में पहुंच गई, जहां सामने से आ रहे ट्रेलर से उसकी जोरदार टक्कर हो गई।

ओमान की खाड़ी में पोत पर हुए हमले पर भारत ने कहा- यह अस्वीकार्य

-28 घंटे में भारत आ रहे एलपीजी के दो टैंकरों ने होर्मुज किया पार

नई दिल्ली। भारत ने ओमान की खाड़ी में अपने एक पोत पर हुए हमले की आलोचना की है। यह पोत बुधवार को हमले के बाद डूब गया था। भारत ने इसे अस्वीकार्य बताया है। इधर ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की दो-दिवसीय बैठक के लिए ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची भी मेजबानी कर रहा था, उसी दौरान बीते 28 घंटे में भारत आ रहे एलपीजी के दो टैंकरों ने होर्मुज स्ट्रेट पार कर लिया। हालांकि, बुधवार को ओमान के तट के पास भारत के झंडे वाले एक पोत पर हमला किया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने सोमालिया से संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह की यात्रा पर निकले एक भारतीय पोत हाजी अली पर हुए हमले को 'अस्वीकार्य' बताया। विदेश मंत्रालय ने वाणिज्यिक जहाजों और असैन्य नाविकों को लगातार निशाना बनाए जाने की घटना को लेकर चिंता जताई। मंत्रालय ने कहा कि भारत इस बात को दोहराता है कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने और निर्दोष असैन्य चालक दल के सदस्यों को खतरे में डालने या नौवहन एवं वाणिज्य की स्वतंत्रता में बाधा डालने से बचा जाना चाहिए।

भारत ने ओमान के अधिकारियों को बचाव कार्य के लिए धन्यवाद दिया। इस जहाज पर बुधवार तड़के ओमान के जल क्षेत्र में हमला हुआ, जिससे लकड़ी के पोत में आग लग गई और वह बाद में डूब गया। भारतीय अधिकारियों ने बताया कि हाजी अली पर सवार सभी 14 चालक दल के सदस्यों को ओमान तटरक्षक बल ने सुरक्षित बचा लिया और वे ओमान के दिब्बा बंदरगाह पहुंच गए हैं, जिन्हें जल्द ही भारत वापस लाया जाएगा।

वहीं होर्मुज स्ट्रेट को पार कर भारत की ओर आ रहे दो जहाजों में एलपीजी टैंकर 'सिमी' शामिल है जो 13 मई को वहां से गुजरा जबकि एनवी सनशाइन ने भी जलमार्ग को सुरक्षित पार कर लिया। भारतीय अधिकारियों ने बताया कि 19,965 टन एलपीजी ला रहा मार्शल आइलैंड्स के ध्वज वाला जहाज सिमी 16 मई को गुजरात के कांडला पहुंच सकता है। इसी तरह 46,427 टन एलपीजी कार्गो लेकर आ रहे वियतनामी जहाज एनवी सनशाइन के 18 मई को न्यू मंगलूर पहुंचने की उम्मीद है। दोनों जहाजों पर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन का कार्गो लदा है।

ईरान के विदेश मंत्री अराघची बुधवार शाम भारत पहुंचे थे और ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने अन्य ब्रिक्स सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ पीएम मोदी से भी मुलाकात की। अराघची ने ब्रिक्स देशों से ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के सैन्य अभियान की निंदा करने का आग्रह किया और संयुक्त बयान पर आम सहमति बनाने के लिए भारत से समर्थन मांगा। ब्रिक्स की बैठकों में भी तैयारी के लिए भारत में मौजूद ईरान के कानून और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने बताया कि ईरानी अधिकारी भारत आने वाले बाकी जहाजों के गुजरने की राह आसान बनाने पर काम कर रहे हैं।

ट्रंप-जिनपिंग की दोस्ती के दावों के बीच चीन ने भारत से बढ़ाया दोस्ती का हाथ

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भले ही अपने चीन दौरे पर शी जिनपिंग को महान नेता बताकर दोस्ती का प्रदर्शन कर रहे हों, लेकिन वैश्विक कूटनीति के मंच पर चीन अंदरखाने अपनी अलग रणनीतिक चालें चल रहा है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में चीन की ओर से आया संदेश इसी ओर इशारा करता है।

इस महत्वपूर्ण बैठक में चीन के विदेश मंत्री वांग यी अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण शामिल नहीं हो सके। उनकी जगह भारत में चीन के नवनियुक्त राजदूत शू फेइहांग ने बीजिंग का प्रतिनिधित्व किया। फेइहांग ने बैठक में स्पष्ट किया कि चीन उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों के इस मंच को अत्यधिक महत्व देता है। उन्होंने कहा कि चीन, भारत की अध्यक्षता में हो रही इस बैठक को पूरी तरह सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और ग्रेटर ब्रिक्स सहयोग को तेजी से आगे बढ़ाना चाहता है। विशेषज्ञों के अनुसार, एक तरफ जहां चीन अमेरिका के साथ कूटनीतिक संतुलन बनाने का दिखावा कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ वह ब्रिक्स के जरिए भारत समेत अन्य विकासशील देशों के साथ अपने आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत रखना चाहता है। वैश्विक समीकरणों में आ रहे इस बदलाव और चीन के इस सहयोगात्मक रुख को भारत के लिए एक बड़े फायदे और कूटनीतिक बढ़त के रूप में देखा जा रहा है। इससे साफ है कि महाशक्तियों की आपसी खींचतान के बीच भी वैश्विक मंचों पर भारत का दबदबा और प्रभाव लगातार बढ़ रहा है।

कल्याण बनर्जी को चीफ व्हिप बनाने से टीएमसी में मचा घमासान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद टीएमसी के अंदर घमासान मचा हुआ है। टीएमसी के लोकसभा सांसदों का एक धड़ा पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी से ही नाराज है। इसकी वजह है कि ममता ने लोकसभा में पार्टी को मुख्य सचेतक के रूप में काकोली घोष दस्तीदार की जगह कल्याण बनर्जी की नियुक्ति की है। इसके बाद से हंगामा मचा है। कई महिला सांसद बागी नजर आ रही हैं इसके बाद से पार्टी में टूट का खतरा मंडराने लगा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी सांसद इस नियुक्ति पर अपनी चिंता जाहिर कर सकते हैं। ऐसा इसलिए, कि कल्याण बनर्जी पर महिला सांसदों के साथ बदसलूकी करने के आरोप लगते रहे हैं। बागावत करने वाले सांसदों में महिलाओं की संख्या ज्यादा है। बता दें कि लोकसभा में टीएमसी के 28 सांसद हैं। इनमें से 11 महिलाएं हैं। पिछले साल सांसद महुआ मोइत्रा के साथ सार्वजनिक तौर पर हुई कहासुनी के बाद उन्हें लोकसभा के मुख्य सचेतक के पद से हटा दिया था। उनकी नियुक्ति की घोषणा ममता के कालीघाट स्थित आवास पर हुई पार्टी की एक अंदरूनी बैठक में की गई थी।

बता दें महुआ मोइत्रा ने पिनाकी मिश्रा के साथ अपनी शादी पर कल्याण बनर्जी की विवादित टिप्पणियों को लेकर तीखा प्रहार किया था। उन्होंने कहा था कि आप सूअर से कुश्ती नहीं लड़ते। क्योंकि सूअर को इसमें मजा आता है और आप गंदे हो जाते हैं। भारत में ऐसे पुरुष हैं जो गहरे तौर पर स्त्री-द्वेषी, यौन रूप से कुंठित और पतित हैं और संसद में सभी पार्टियों में उनका प्रतिनिधित्व मौजूद है। इस विवाद के बाद कल्याण बनर्जी ने लोकसभा में टीएमसी के चीफ व्हिप के पद से इस्तीफा दे दिया था।

महाराष्ट्र में विमान कंपनियों को बड़ी राहत, एटीएफ पर वैट 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत किया

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण विमान ईंधन की कीमतों और हवाई मार्गों पर पड़े असर के बीच महाराष्ट्र सरकार ने विमान कंपनियों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाला वैट (वैट) 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करने का फैसला लिया है। वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नया कर 15 मई 2026 से लागू होगा और 14 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। सरकार के इस फैसले से एटीएफ पर 11 प्रतिशत की सीधी कटौती हुई है, जिससे विमान कंपनियों के ईंधन खर्च में कमी आने की संभावना है। भारतीय एयरलाइंस के कुल संचालन खर्च में ईंधन की हिस्सेदारी लगभग 35 से 40 प्रतिशत तक होती है। ऐसे में इस टैक्स कटौती को विमानन उद्योग के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते सप्लाई चेन प्रभावित हुई है और कई देशों के हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके कारण उड़ानों के रूट लंबे हो गए हैं और विमान कंपनियों की लागत बढ़ गई है। इसी के मद्देनजर केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय ने महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से एटीएफ पर टैक्स कम करने को लेकर चर्चा की थी। देश में एटीएफ पर सबसे ज्यादा वैट लगाने वाले राज्यों में तमिलनाडु (29 प्रतिशत), दिल्ली (25 प्रतिशत) और महाराष्ट्र शामिल थे। महाराष्ट्र में पहले 18 प्रतिशत वैट लिया जा रहा था, जिसे अब घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। इस बीच शुक्रवार को ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जबकि विमान ईंधन पर टैक्स कम किया गया है। इसे लेकर अब आम लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई है कि सरकार क्या अब आम जनता को भी राहत देने के लिए कदम उठाएगी?

कैदियों का पार्सल रोकना या देरी करना अब स्टाफ की मर्जी नहीं, जवाबदेही होगी

नई दिल्ली। दिल्ली की जेलों में अब कैदियों के पार्सल को लेकर जेल प्रशासन की मनमानी और प्रक्रिया में होने वाली अनियमितताओं पर पूरी तरह लगाम लग जाएगी। जेल मुख्यालय ने एक बेहद सख्त और व्यापक सर्कुलर जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि पार्सल की जांच और वितरण में अब किसी भी स्तर पर पारदर्शिता से समझौता नहीं होगा। नए दिशा-निर्देशों का सीधा संदेश है कि पार्सल रोकना या उसमें देरी करना अब स्टाफ की मर्जी का खेल नहीं, बल्कि जवाबदेही होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेल प्रशासन के संज्ञान में समय-समय पर ऐसी बातें आती रही हैं जहां पार्सल प्राप्त करने की प्रक्रिया में देरी या अस्पष्टता के कारण कैदियों और उनके स्वजन को असुविधा का सामना करना पड़ता था। कई बार सुरक्षा जांच के नाम पर पार्सल लंबे समय तक लंबित रहते थे। अब पार्सल केवल निचले स्तर के कर्मियों द्वारा नहीं जांचे जाएंगे। डिप्टी सुपरिटेंडेंट स्तर के अधिकारी की व्यक्तिगत मौजूदगी में ही पार्सल खोला जाएगा। इससे जांच की विश्वसनीयता बढ़ेगी। जेल के वेलफेयर ऑफिसर को जिम्मेदारी दी गई है कि वे हर हफ्ते पार्सल रजिस्टर की जांच करें। उन्हें यह रिपोर्ट देनी होगी कि किसी भी कैदी को उसके सामाजिक या आर्थिक आधार पर पार्सल सुविधा से वंचित तो नहीं किया जा रहा। यदि किसी पार्सल को सुरक्षा कारणों से अस्वीकार किया जाता है या उसमें देरी होती है, तो जेल अधीक्षक को इसका ठोस कारण लिखित में दर्ज करना होगा। अब मौखिक आदेशों पर पार्सल नहीं रोके जा सकेंगे। यदि पार्सल में कोई भी प्रतिबंधित वस्तु पाई जाती है, तो उसे तुरंत जब्त कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ड्रग्स के संदेह की स्थिति में पार्सल का अनिवार्य रूप से एक्सरे स्कैन कराया जाएगा। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रशासन ने आदेश दिया है कि पार्सल में आने वाली हर छोटी-बड़ी वस्तु का विवरण कैदी संपत्ति रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा।

38 कुकी समुदाय के लोग बंधक, मणिपुर में तनाव बढ़ा

इंफाल। मणिपुर में कुकी और नगा समुदायों के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। राज्य के गृह मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने बताया कि 38 से अधिक कुकी समुदाय के लोगों को अलग-अलग समूहों ने बंधक बना रखा है। बंधकों की सुरक्षित रिहाई के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है और सिविल सोसायटी तथा राजनीतिक नेताओं के साथ बातचीत जारी है। कुकी-जो और नगा संगठनों के बंद का असर कई जिलों में दिखाई दिया, जहां जनजीवन प्रभावित रहा।

न्यूज गैलरी

गुटखा थूकने के चक्कर में चलती ट्रेन से गिरा युवक-मौके पर ही मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर जबलपुर रेलवे लाइन पर गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे एक दर्दनाक हादसा हो गया। ग्राम समनापुर के पास चलती ट्रेन से गुटखा थूकने के दौरान एक 26 वर्षीय युवक का संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर पड़ा। सिर व शरीर में गंभीर चोट लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक युवक कपिल पिता जवाहरलाल भारद्वाज 26 वर्ष ग्राम हीरापुर थाना भरवेली निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कपिल मजदूरी करता था और अविवाहित था। परिवार में एक बड़ा भाई देवेंद्र भारद्वाज है जो अपने परिवार के साथ अलग रहता है। कपिल अपनी मां के साथ ही रहता था। दो दिन पहले कपिल जबलपुर के बरगी नगर स्थित अपनी मौसी के घर गया था। 15 मई की सुबह करीब 7:30 बजे वह मौसा श्यामलाल बनवाले के साथ जबलपुर से गोंदिया जाने वाली ट्रेन से बालाघाट लौट रहा था। दोपहर करीब 12 बजे ट्रेन समनापुर के पास पहुंची थी तभी कपिल गुटखा थूकने के लिए कोच के दरवाजे पर आया। गुटखा थूकते समय उसका संतुलन बिगड़ा और वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। सहयात्रियों ने तुरंत चेन पुलिंग कर ट्रेन रुकवाई। मौसा श्यामलाल ने मौके पर पहुंचकर देखा कि कपिल की मौत हो चुकी थी। चलती ट्रेन से गिरने से उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई थीं।घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण थाना से प्रधान आरक्षक नसीम खान और आरक्षक सुनील बघेल मौके पर पहुंचे। पंचनामा व अन्य कानूनी कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बालाघाट भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुकमाटी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

बन्दरझिरिया समीप रेलवे ट्रैक की घटना, आत्महत्या की जताई जा रही आशंका, कोसमी निवासी विजय पलाने के रूप में हुई मृतक की पहचा, बीवी बच्चो को छिंदवाड़ा में छोड़कर 1 वर्ष से कोसमी में रहकर मजदूरी करता था विजय

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

गुरुवार की देर रात हट्टा- बालाघाट रेलवे स्टेशन के बीच एक अज्ञात व्यक्ति की एक्सप्रेस ट्रेन से कटने से मौके पर ही मौत हो गई।घटना ग्रामीण थाना नवेगांव के अंतर्गत आने वाले बन्दरझिरिया रेलवे ट्रेक समीप रात्रि करीब 1 बजे की बताई गई है।जहाँ रायपुर से चलकर गोंदिया-बालाघाट होते हुए जबलपुर की ओर जाने वाली ट्रेन संख्या 11701 मुकमाटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से व्यक्ति के हाथ पांव सहित कमर के नीचे का हिस्सा कटकर पूरी तरह से अलग हो गया।उधर मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही कर शव को अपने कब्जे में लिया।जिसे पोस्टमार्टम के लिए देर रात्रि जिला अस्पताल पहुचाया गया है।उधर उक्त अज्ञात शव की शिनाख्त शुक्रवार की दोपहर कोसमी वार्ड नं.10 निवासी 40 वर्षीय विजय पिता रमेश पलाने के रूप में हुई।वही नवेगांव पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

परिवार से अलग रहकर मजदूरी करता था विजय

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोसमी निवासी विजय पलाने करीब 20 वर्ष पूर्व मजदूरी के काम से छिंदवाड़ा गया था।जहा उसने एक युवती के साथ प्रेमविवाह कर वही बस गया था।जिसकी बीवी और 2 लड़के है जो छिंदवाड़ा में ही रहते है।बताया गया कि विजय पिछले 1वर्ष से बीवी बच्चो को छोड़कर बालाघाट आ गया था, जो कोसमी में अपने परिवार से अलग रहकर मजदूरी का कार्य करता था।बताया गया कि रात्रि करीब 9 बजे खाना खाने के बाद वह टहलने के लिए घर से निकला था, जो लौटकर वापस नही आया।जिसकी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई।

छोटा भाई संजय ने की शव की शिनाख्त

बताया गया कि देर रात्रि मुकमाटी एक्सप्रेस के लोको पायलट से मिली सूचना पर मौके पर पहुंची आरपीएफ पुलिस ने कार्यक्षेत्र के बाहर का मामला होने के चलते मामले की सूचना तत्काल ग्रामीण थाना पुलिस को दी,जहां सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची नवेगांव पुलिस ने मर्ग कायम कर, पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की।वहीं अज्ञात व्यक्ति के शव को बरामद कर, पोस्टमार्टम कराने के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया है। वही अज्ञात व्यक्ति के शव की शिनाख्त शुरू कर दी गई है।बताया गया कि शुक्रवार की दोपहर गांव के ही किसी व्यक्ति ने मृतक के भाई संजय पलाने को मामले से अवगत कराया।जिसपर भाई ने शव की शिनाख्त की, लेकिन मोबाइल ओटीपी ना मिलने के चलते पीएम नहीं हो सकता।

आत्महत्या की जताई जा रही आशंका

हालांकि यह व्यक्ति ट्रेन की चपेट में कैसे आ गया फिलहाल यहां स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेकिन उक्त व्यक्ति के ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोजाना की तरह ट्रेन संख्या 11701 मुकमाटी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय की जगह काफी देरी से रायपुर से चलकर गोंदया बालाघाट होते हुए जबलपुर गंतव्य के लिए रवाना हुई थी। यह ट्रेन गोंदिया रेलवे स्टेशन से काफी देरी से निकली थी, बताया गया कि हट्टा रेलवे स्टेशन क्रॉस कर ट्रेन बालाघाट आ रही थी, तभी रात्रि करीब 1 बजे बन्दरझिरिया रेलवे ट्रेक समीप रेलवे किलोमीटर 1041/5 जे के पास अचानक यह हादसा हुआ।जिसमे ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति का शरीर जगह जगह कट गया जिसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हट्टा पुलिस की कार्रवाई

नाबालिग को आत्महत्या के लिए उकसाने वाला आरोपी नागपुर के जलगांव में पकड़ाया भेजा गया जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा पुलिस द्वारा नाबालिग बालिका को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को नागपुर के जलगांव गिरफ्तार कर लिया गया । गिरफ्तार आरोपी रोहित पिता अशोक चामलाटे 21 वर्ष सालेटेका थाना हट्टा निवासी को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल बालाघाट भिजवा दिया गया है। हट्टा पुलिस के मुताबिक यह घटना इसी वर्ष 2026 के 2 फरवरी की है। पुलिस थाना में सूचना प्राप्त हुई की ग्राम पिपरझरी (आवास टोला) में एक नाबालिक बालिका द्वारा अपने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई है। उक्त सूचना पर पुलिस थाना हट्टा में मर्ग क्रमांक 02/26 धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम किया गया और जांच की गई थी। जाँच में पाया गया कि ग्राम सालेटेका निवासी युवक रोहित से बालिका की जान पहचान एवं मित्रता थी। उक्त युवक नाबालिक बालिका से लगातार फोन पर संपर्क में रहता था और फोन के माध्यम से ही उसको मानसिक रूप से पीड़ा पहुंचता था। द 2 फरवरी को रोहित द्वारा बालिका को फोन के द्वारा प्रताडति किया था।जिससे आहत होकर नाबालिक बालिका द्वारा अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली तथा मृत्यु पूर्व एक सुसाइड नोट भी लेख किया। जिसमें युवक द्वारा प्रताड़ित करने के सम्बंध में उल्लेख किया गया। उक्त सुसाइड नोट की जांच हस्तलिपि विशेषज्ञ से कराई गई थी। जिसमें सुसाइड नोट नाबालिक बालिका द्वारा लिखा जाना पाया गया। संपूर्ण जांच के उपरांत आरोपी युवक रोहित द्वारा बालिका को मानसिक रूप से प्रताडति करना तथा आत्महत्या के लिए उकसाना पाया गया। जिस पर थाने में अपराध क्रमांक 51/26 धारा 108 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अपराध दर्ज होने के बाद रोहित घर से भाग गया था। जिसे लगातार तलाश की जा रही थी।इस दौरान सूचना मिली कि रोहित महाराष्ट्र राज्य के नागपुर के जलगांव में है। इस सूचना पर हट्टा पुलिस की एक टीम नागपुर के जलगांव भेजी गई। जहां लगातार तलाश के दौरान 14 मई की रात्रि पुलिस टीम ने रोहित को पकड़ लिए और थाने लाये। आगे की कार्रवाई करने के बाद रोहित को गिरफ्तार करके 15 मई को उसे बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिया गया जहां से उसे न्यायिकअभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

फरार इस आरोपी को गिरफ्तार करने में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी हट्टा उप निरीक्षक अविनाश राठौड, सहायक उप निरीक्षक विजय कुमार पटले, प्रधान आरक्षक निखिलेश अग्निहोत्री, प्रधान आरक्षक नंदकिशोर ठाकुर, प्रधान आरक्षक 1 कमलेश भीतेकर की सराहनीय भूमिका रही।

बेटे को जन्म देने के 10 दिन बाद मां की मौत

हैदराबाद से गांव लौटी महिला ने जिला अस्पताल में तोड़ा दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक मां ने बेटे को जन्म देने के महज 10 दिन बाद जिंदगी की जंग हार गई। प्रसव के बाद लगातार बिगड़ती तबीयत के चलते जिला अस्पताल में भर्ती महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं नवजात बेटे के सिर से मां का साया उठ गया।मृतिका सुनिला पति प्रेम सिंह मरकाम 31 वर्ष ग्राम बाहीटोला टिंगीपुर, थाना मलाजखंड निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुनिला का मायका हीरापुर गढ़ी में है। करीब 9 वर्ष पहले सुनिला और प्रेम सिंह मजदूरी करने हैदराबाद गए थे। वहीं दोनों के बीच प्रेम हुआ और बाद में उन्होंने शादी कर ली। शादी के बाद दोनों हैदराबाद में रहकर मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर रहे थे।बताया गया कि शादी के करीब 8 साल बाद सुनिला गर्भवती हुई थी। परिवार में बच्चे के आने की खुशी थी। लगभग 10 दिन पहले सुनिला ने एक बेटे को जन्म दिया। प्रसव उसी कमरे में हुआ था जहां दोनों पति-पत्नी रह रहे थे। बेटे के जन्म के बाद परिवार में खुशियों का माहौल था।लेकिन यह खुशी ज्यादा दिन टिक नहीं सकी।प्रसव के पांच दिन बाद ही सुनिला के पेट में तेज दर्द शुरू हो गया और शरीर में सूजन आने लगी। हालत बिगड़ने पर पति प्रेम सिंह उसे लेकर अपने गांव लेकर आया और बिरसा अस्पताल में भर्ती किया गया था।14 मई को तबीयत ज्यादा खराब होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिये। यहां पहले उसे ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया।लेकिन हालत गंभीर होने पर एचडीयू में शिफ्ट किये थे। जहां उपचार के दौरान 15 मई को दोपहर करीब 12:30 बजे उसकी मौत हो गई। जिस घर में कुछ दिन पहले बच्चे के जन्म की खुशियां मनाई जा रही थीं। वहां अब मातम पसरा हुआ है। मां की ममता से अनजान नवजात अब बिना मां के जीवन शुरू करेगा। जिला अस्पताल पुलिस ने इस महिला का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन,
स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान,
शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट